सुप्रभात
रांची, शनिवार
19.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैसाख, कृष्ण पक्ष, षष्ठी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 274

12 युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं : ट्रंप

न्यूज डायरी

अपराधियों ने ज्वेलर्स दुकानदार को मारी गोली

रांची। रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर में आकाश ज्वेलर्स के मालिक बसंत कुमार को दुकान में घुसकर अपराधियों ने गोली मार दी। गोली लगने के बाद घायल दुकानदार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि घटना को लूट के उद्देश से अंजाम दिया गया है या किसी अन्य वजह से, इसकी जांच की जा रही है।

नाबालिग की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र में जुए में जीते पैसों को लेकर विवाद होने पर तीन नाबालिगों ने अपने ही नाबालिग दोस्त की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। घटना रुद गांव की है। मृतक की पहचान 16 वर्षीय कृष्णा भुइयां उर्फ कईला के रूप में हुई है। शुक्रवार को एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया।

मांडविया ने खान सुरक्षा प्रक्रिया की समीक्षा की

धनबाद। केंद्रीय श्रम रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को धनबाद में खान सुरक्षा महानिदेशालय के कामकाज की समीक्षा की। खनन क्षेत्र में व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सुशासन और राज्य सरकारों के साथ समन्वय के महत्व पर बल दिया तथा श्रमिकों के हितों के लिए निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों के तकनीकी उन्नयन को बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय खनन प्रौद्योगिकियों से अवगत कराने का सुझाव दिया। कहा कि इससे उद्योग और खदानों में कार्यरत लोगों को लाभ होगा।

गोड्डा में सरकारी शेड गिरने से एक की मौत

गोड्डा। रमला में एक सरकारी शेड गिरने से एक बच्चे की मौत हो गयी और छह बच्चे भी घायल हो गये। इनमें दो की हालत गंभीर है। घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है। बच्चे एक पुरानी सरकारी शेड के नीचे खेल रहे थे, तभी तेज बारिश से शेड ढह गया।

भगोड़ा आतंकी हरप्रीत अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पंजाब में कई आतंकवादी घटनाओं में नामजद भगोड़े अभियुक्त हरप्रीत सिंह को गिरफ्तार करने की घोषणा की है। हरप्रीत का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंध बताया जाता है। एफबीआई ने सोशल मीडिया पर हरप्रीत के पकड़े जाने की जानकारी दी। दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से संबद्ध हरप्रीत अमेरिका में अवैध तरीके से घुसा था और गिरफ्तारी से बचने के लिये बर्नर फोन का इस्तेमाल कर रहा था।

रांची में वायुसेना के जांबाज आज और कल दिखायेंगे अपना शौर्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में शनिवार को पहली बार भारतीय वायु सेना का शौर्य दिखाई देगा। नामकुम आर्मी ग्राउंड में दो दिवसीय 19 और 20 अप्रैल को होनेवाले एयर शो में सूर्य किरण की टीम विमानों के जरिए कई रोमांचकारी करतब दिखाएगी। कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ एपी सिंह भी शामिल होंगे।

वहीं कार्यक्रम को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राजधानी रांची के सभी स्कूल प्रबंधक और कॉलेज के प्राचार्यों से रांची में होनेवाले पहले एयर शो को देखने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षण संस्थालन छात्र-छात्राओं को एयर शो जरूर दिखाएं।

सेठ ने कहा भारतीय सेना के प्रति बच्चे जागरूक हों और अपनी देश की सेना के शौर्य और पराक्रम को जान सकें। इसी उद्देश्य के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन रांची में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह शो पूरी तरह निःशुल्क है। एयर शो की शुरूआत सुबह नौ बजे से होगी।

गुड फ्राइडे

यीशु के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें : सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर राज्यवासियों के लिए अपना संदेश जारी किया। सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि प्रेम, दया, त्याग, समर्पण और मानवता का संदेश देकर प्रभु यीशु ने अपने जीवन का बलिदान दिया था। गुड फ्राइडे का यह दिन हमें प्रेम, क्षमा और करुणा का संदेश देता है। आइए, इस पवित्र दिन हम प्रभु यीशु के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

अधिकारियों और पत्नी समेत स्पेन और स्वीडन दौरे पर गये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड में औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने का रणनीतिक प्रयास शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल स्पेन और स्वीडन के दौरे पर रवाना हो गया है। इस दौरान सीएम श्री सोरेन, झारखंड और स्पेनिश उद्यमों के बीच औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के रणनीतिक प्रयास में 19 से 27 अप्रैल तक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

यह आधिकारिक यात्रा इस्पात और धातु, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास सहित अपने सबसे गतिशील क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने की राज्य की व्यापक रणनीति का हिस्सा रहेगी।

- झारखंड में निवेश को बढ़ावा देने की हेमंत सरकार की बड़ी पहल
- सबसे पहले बार्सिलोना, मैड्रिड और स्वीडन के गोथेनबर्ग जायेगी टीम

टीम में ये हैं शामिल : सीएम हेमंत सोरेन, विधानसभा में महिला एवं बाल कल्याण कमेटी की चेयरपर्सन कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अल्का तिवारी, सीएम के प्रधान सचिव, खनन निदेशक, जुडको निदेशक, उद्योग सचिव, उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशक, विशेषज्ञ और सुरक्षा अधिकारी।

स्पेन और भारत के बीच आर्थिक संबंध मजबूत

पिछले एक दशक में स्पेन और भारत ने अपने आर्थिक संबंधों को लगातार बढ़ाया है। आज, भारत में 280 से अधिक स्पेनिश कंपनियां काम करती हैं और द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 8.78 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो साल-दर-साल 6.3% की वृद्धि दर्शाता है। अक्षय ऊर्जा, धातुकर्म उद्योग, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्र दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रमुख तालमेल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्वीडन में भी बैठक करेगा प्रतिनिधिमंडल

झारखंड से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विदेश दौरे पर गया प्रतिनिधिमंडल स्पेन एवं स्वीडन में अपनी यात्रा के दौरान प्रमुख स्पेनिश औद्योगिक और ऊर्जा समूहों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ बातचीत करेगा। निर्धारित व्यापार मंच और कई बैठकें स्पेनिश कंपनियों को झारखंड के महत्वाकांक्षी औद्योगिक रोडमैप, निवेशक सुविधा नीतियों और सार्वजनिक-निजी सहयोग के अवसरों की जानकारी देंगी। प्रतिनिधि मंडल स्वीडन में भी बैठक करेगा।

प्रतिनिधिमंडल सबसे पहले बार्सिलोना, मैड्रिड और स्वीडन के गोथेनबर्ग जायेगा। 19 से 27 अप्रैल तक स्पेन और स्वीडन के विभिन्न शहरों में यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी निवेशकों के साथ बैठक कर राज्य सरकार की नीतियों से उन्हें अवगत करायेगा। दौरे के क्रम में 22 अप्रैल को माइनिंग सेक्टर में काम करने वाली कई कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में स्पेन और स्वीडन के साथ अनुभव साझा किया जाएगा। वहां की आइबरड्रोला, एसिओना, एनर्जी विंड एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ बातचीत होगी। सौर ऊर्जा को लेकर राज्य में उपलब्ध साधन और उसमें निवेश की संभावनाओं पर भी विस्तार से निवेशकों के साथ बातचीत होगी। कुल मिलाकर यह यात्रा राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुए रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की सोच है।

सुशांत गौरव, उद्योग निदेशक, झारखंड

डॉ शशिबाला सिंह रिम्स की नयी प्रभारी निदेशक

- रिम्स की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने का किया जायेगा प्रयास : रिम्स निदेशक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। डॉ शशिबाला सिंह को रिम्स का नया अंतरिम प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। विभाग की ओर से अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद उन्होंने पदभार भी ग्रहण कर लिया है।

संस्थान में सबसे सीनियर हैं डॉ शशिबाला सिंह : बता दें कि डॉ सिंह संस्थान की वरिष्ठ प्राध्यापक तथा स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ विभाग की संकायाध्यक्ष और प्राध्यापक हैं। प्रभारी पद पर उनकी नियुक्ति नियमित नियुक्ति होने या 6 माह के लिए की गयी है।

सरकार का जताया आभार : डॉ शशिबाला सिह ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विभागीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी तथा अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के प्रति आभार प्रकट करती हूं। इन्होंने जो विश्वास और उत्तरदायित्व मुझे सौंपा है, मैं उसे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निभाने का संकल्प लेती हूं। रिम्स की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगी।

शरीयत को सर्वोच्च बताने वाले बयान पर मंत्री हफीजुल हसन का यू-टर्न

अब कहा- मेरे लिए सर्वोच्च है संविधान

रांची। झारखंड के अल्पसंख्यक और जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने अपने एक बयान से विवाद खड़ा होने के बाद अब अपना रुख बदल लिया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उनका बयान गलत तरीके से पेश किया गया और वह संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा है कि संविधान उनके लिए सर्वोच्च है और वह इसके मूल्यों के अनुसार काम करेंगे। वह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं और उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का प्रयास करते हैं। हफीजुल हसन ने कहा कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन संवैधानिक मूल्यों के अनुसार करेंगे और सभी समुदायों के लिए न्याय, समानता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह किसी भी तरह की नफरत या हिंसा का समर्थन नहीं करते हैं।

मालदा कैंप में मुर्शिदाबाद हिंसा पीड़ितों से मिले गवर्नर बोस, केंद्र को सौंपेंगे रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जाने से किया था मना, सीवी आनंद बोस ने ठुकराया

एजेंसी

कोलकाता/नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मालदा जिले के एक राहत शिविर में मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। वह शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित इलाकों से भागकर अस्थायी शरणार्थी से मिलने मालदा पहुंचे थे। इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने उनसे मुर्शिदाबाद का दौरा न करने की अपील की थी, जिसे राज्यपाल ने ठुकरा दिया था। श्री बोस ने मालदा रवाना होने से पूर्व कहा कि वह पीड़ितों से मिलने के लिए जा रहे हैं और इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे। राज्यपाल बोस अगले 2 दिन हिंसा प्रभावित इलाकों और शरणार्थी शिविरों का दौरा करेंगे। मुर्शिदाबाद में स्थिति का जायजा लेंगे और पीड़ितों से भी मिलेंगे। उन्होंने कहा- मैं जमीनी स्थिति का जायजा लूंगा। शिविरों में रह रहे लोगों की शिकायतें सुनूंगा, उनकी भावनाओं, उनकी जरूरतों को समझूंगा और फिर हम उचित कार्रवाई करेंगे। हमें हिंसा के रास्ते को खत्म होगा और ताबूत में आखिरी कील ठोकनी होगी। यह एक ऐसा काम है जो बंगाल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि वहां जो कुछ हुआ है, वह ऐसा कुछ है जो कभी नहीं होना चाहिए था। इस तरह की हिंसा कभी बर्दाश्त नहीं की जा सकता है।

रवाना होते समय राज्यपाल ने कहा, मैं फील्ड में जा रहा हूं।

टीएमसी ने लगाये आरोप : राज्यपाल के मालदा दौरे पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, अदालत ने किसी को भी क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी है, ताकि शांति और सौहार्द्र में सुधार हो सके। वे अपने पद का दुरुपयोग करके वहां घुसे हैं।

आज देशव्यापी प्रदर्शन : हिंसा को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। विहिप ने शनिवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की भी घोषणा की है।

महिलाओं से ज्यादती भी हुई : वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्लू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि मुर्शिदाबाद में महिलाओं से ज्यादती भी हुई। उन्होंने हिंसा से प्रभावित व कैंप में महिलाओं और बच्चों से मुलाकात की है। उनके साथ क्या बीती है, उसके बारे में पीड़ितों ने बताया है। महिलाओं को बहुत तकलीफ हुई है। यौन उत्पीड़न भी हुआ है।

कार्टून कोना

तीसरी आंख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एलन मस्क की फोन पर हुई बातचीत

टेक्नोलॉजी-इनोवेशन के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच आपसी साझेदारी बढ़ाने की जतायी प्रतिबद्धता

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उनकी और एलन मस्क से बात हुई और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरूआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान उठे विषय भी शामिल थे। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फाइल फोटो

टेस्ला भारत में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए कर रहा बातचीत : यह बातचीत मस्क की कंपनियों विशेष रूप से टेस्ला और स्टारलिंक की भारतीय बाजार में बढ़ती दिलचस्पी के बीच हुई है। टेस्ला देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। वहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने मार्च में भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। टेलीकॉम टाइकून सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने भी स्पेसएक्स के साथ इसी तरह की साझेदारी की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और मस्क की इससे पहले फरवरी में पीएम मोदी की अमेरिका की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान मुलाकात हुई थी। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी।

सेटेलाइट टोल सिस्टम लागू होने की खबर अफवाह

देश में लागू रहेगी फास्टैग व्यवस्था

स्पष्टीकरण

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोल सिस्टम लागू करने की बात कही गयी थी। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कुछ मीडिया हाउस की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोल सिस्टम लागू हो जाएगा और यह मौजूदा फास्टैग आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम को रिप्लेस करेगा।

मंत्रालय ने कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सैटेलाइट आधारित टोल सिस्टम एक मई से लागू करने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। टोल प्लाजा पर वाहनों की निर्बाध, बिना किसी परेशानी के आवाजाही को सक्षम करने और यात्रा के समय को कम करने के लिए चुनिंदा टोल प्लाजा पर एएनपीआर-फास्टैग बेस्ट बैरियर-लैस टोलिंग सिस्टम लागू किया जाएगा।

23 तक झारखंड में बारिश का अनुमान

रांची। भारतीय मौसम विभाग ने झारखंड में 23 अप्रैल हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान जताया है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। अनुमान के अनुसार 19 अप्रैल को भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। वहीं 20 अप्रैल को राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है जबकि 21 अप्रैल को कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। 22 और 23 अप्रैल को भी गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। इधर शुक्रवार को रांची और कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। इस दौरान ओले भी गिरे। इधर आईएमडी ने राज्य के उत्तर पश्चिमी भागों को छोड़कर अन्य भागों में तेज रफ्तार से हवाएं चलने और बारिश के दौरान गरज के साथ वज्रपात की भी आशंका जतायी थी।

खबर एक नजर में

इरफान अंसारी ने सीपी सिंह को बताया गिद्ध, कहा दंगा फैलाने की साजिश करते हैं

रांची। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रांची के विधायक सीपी सिंह पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने सीपी सिंह की तूलना गिद्ध से करते हुए कहा कि वह दंगा करने की साजिश करते हैं और समाज में अमन चैन के लिए खतरा हैं। सीपी सिंह विधानसभा के अध्यक्ष और राज्य के नगर विकास मंत्री रह चुके हैं। वह पिछले पांच बार से रांची के विधायक हैं। इरफान अंसारी ने उन पर आरोप लगाया कि वह मुस्लिमों से नफरत करते हैं और अपने विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम इलाकों में झांकने तक नहीं जाते हैं। इरफान अंसारी यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि सीपी सिंह हमें (इरफान अंसारी) को प्रमाण पत्र नहीं दें। उनका (इरफान अंसारी) का परिवार फ्रीडम फाइटर के परिवार से हैं। जबकि सीपी सिंह अंग्रेजों से माफी मांगने वाली परंपरा से आते हैं। इरफान अंसारी ने सीपी सिंह को चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वह आरएसएस और भाजपा से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताएं, नहीं तो समाज से माफी मांगे। सीपी सिंह घोर निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। वह भाजपा की राजनीति से किनारा कर दिए गए हैं। उनकी ऐसी खराब स्थिति के लिए वह सहानुभूति रखते हैं।

राज्य के 668 छोटे-बड़े खनिज डीलरों के लाइसेंस सस्पेंड, 960 का हुआ लैप्स

रांची। झारखंड में खनिजों के व्यापार करने वाले छोटे-बड़े 668 डीलरों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिये गये हैं। वहीं 860 डीलरों का लाइसेंस लैप्स हो गया है। खान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्यभर में फिलहाल 8749 डीलर कार्यरत हैं। जिन डीलरों का लाइसेंस सस्पेंड किया गया है, उनमें बड़े खनिजों का व्यापार करने वाले 374 और माइनर मिनरल (लघु खनिज) का व्यापार करने वाले 333 डीलर शामिल हैं।

चतरा में 252 डीलरों को किया गया है सस्पेंड : चतरा में सबसे अधिक 252 डीलरों का लाइसेंस सस्पेंड किया गया है। इसके बाद पाकुड़ में 53, रामगढ़ में 49, साहिबगंज में 49, पलामू में 35 और लातेहार में 34 डीलरों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं 484 बड़े डीलरों और 506 छोटे डीलरों का लाइसेंस लैप्स हो गया है।

रिम्स निदेशक को हटाने के मामले में सरयू राय भी कूदे, कहा दुर्भाग्यपूर्ण

रांची। रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को हटाए जाने के मामले में सरयू राय भी कूद गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि रिम्स निदेशक पद से हटाना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह कार्रवाई इसलिए की गई कि इन्होंने दो दिन पूर्व हुई रिम्स शासी निकाय बैठक में करोड़ों रूपए का गलत भुगतान करने का सरकारी आदेश नहीं माना और सही बातें कह दी। इनके द्वारा रिम्स में किया जा रहा सुधार सरकार को रास नहीं आया।

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 601 इंस्पेक्टर व सार्जेंट मेजर की वरीयता सूची की जारी

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 601 इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर की अंतिम वरीयता सूची जारी की है। डीजीपी ऑफिस ने झारखंड पुलिस अकादमी के निदेशक, स्पेशल ब्रांच, एसीबी, सीआईडी, रेल, झारखंड जगुआर और जंगल वारफेयर स्कूल के डीआईजी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर रैंक के पदाधिकारी की वरीयता सूची मूल कोटि के आधार पर तैयार की गयी है। इसके लिए पहले आपत्तियां आमंत्रित की गयी थीं। वरीयता आपत्ति निराकरण समिति द्वारा प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करने के बाद अंतिम वरीयता सूची जारी की गयी है।

आज राज्य के सभी जिला केन्द्रों पर विहिप का आक्रोश प्रदर्शन

रांची। आज राज्य के सभी जिला केन्द्रों पर विहिप का आक्रोश प्रदर्शन होगा। शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत एवं प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया पिछले एक सप्ताह से वक़्फ अधिनियम के बहाने से पि्रम बंगाल में हिंदुओं का उत्पीड़न बड़े स्तर पर चल रहा है। हजारों की संख्या में पीड़ित हिंदू परिवार अपने ही राज्य में निर्वासित होने पर विवश हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही हिंदू परिवारों की सुरक्षा निमित्त दृष्टिगत नहीं हुई है। राज्य सरकार द्वारा पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा के विरोध एवं वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद द्वारा झारखंड के सभी जिला केन्द्रों पर धरना, आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा तथा जिलाधिकारी को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बाबूलाल ने सीएम के विदेश दौरे पर उठाये सवाल, कहा

राज्य में निवेश लाना है, तो उद्योग मंत्री को साथ क्यों नहीं ले गये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन के विदेश दौरे पर सवाल खड़ा किया है। कहा है कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, बिजली संकट गहराया हुआ है। इन सबके बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी सहित एक बड़े सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ स्वीडन और स्पेन की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। यदि इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी निवेश लाना है, तो सबसे बड़ा सवाल है कि उद्योग मंत्री को क्यों नहीं साथ ले जाया जा रहा है। उद्योग विभाग के सचिव और निदेशक तो इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं, लेकिन उद्योग मंत्री का नाम सूची से नदारद है। क्या निवेश की बातचीत में मंत्री की कोई भूमिका नहीं?

कोलकाता में उद्योग मंत्री को किया गया अपमानित : बाबूलाल ने सोशल मीडिया में आगे लिखा है कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा। सुना है कि कोलकाता में हुई एक महत्वपूर्ण निवेश बैठक में भी उद्योग मंत्री को अपमानित कर अंतिम समय पर शामिल होने से रोक दिया गया था और उनके स्थान पर हेमंत सोरेन अपनी पत्नी को साथ ले गये थे। सीएम से कहा है कि यह यात्रा सरकारी है, तो उद्योग मंत्री की जगह कल्पना सोरेन किस हैसियत से शामिल हो रहीं हैं। यदि यह निजी यात्रा है, तो फिर सरकारी खजाने से खर्च कर अधिकारियों की फौज क्यों भेजी जा रही है।

रिटायर आईएफएस पर भी उठाए सवाल : चौंकाने वाली बात यह भी है कि प्रतिनिधिमंडल में एक ऐसे सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी को शामिल किया गया है, जिनकी ख्याति से पूरा प्रदेश परिचित है। सरकार में सहयोगी दलों के मंत्रियों को अपमानित करना अब एक परंपरा बनती जा रही है। सारे विभागों से निर्णय लेने की शक्ति अघोषित तौर पर मुख्यमंत्री की विधायक पत्नी को दी जा चुकी है।

रिम्स निदेशक पर डाला जा रहा था करोड़ों के भुगतान का दबाव : मरांडी

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विगत दिनों हुई रिम्स शासी परिषद की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों के भ्रष्टाचार का विरोध करने और अनुचित भुगतान के आदेश को न मानने के कारण डॉ राजकुमार जी को रिम्स निदेशक पद से हटाया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा है कि शासी परिषद की हालिया बैठक में निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों को बिना किसी अनुबंध के करोड़ों रुपये का भुगतान करने का दबाव स्वयं स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय सचिव द्वारा रिम्स निदेशक पर डाला जा रहा था। इस दौरान विभागीय सचिव ने शासी परिषद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाने की कोशिश की। अनुचित भुगतान का दबाव नहीं मानने के साथ ही निदेशक ने उस बैठक में अपने इस्तीफा तक दे देने की बात कह दी थी।

रिम्स में भ्रष्टाचार का खेल यूं ही चलता रहेगा : अब सरकार ने रिम्स निदेशक को पद से हटाकर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि रिम्स में भ्रष्टाचार का खेल यूं ही चलता रहेगा। इससे पहले हेमंत सोरेन के पिछले कार्यकाल में भी अनुचित दबाव नहीं मानने के चलते रिम्स के कई निदेशकों को समय पूर्व इस्तीफा देकर यहां से जाना पड़ा। उन्होंने लिखा है कि यदि सरकार को गवर्निंग बॉडी की सलाह नहीं माननी थी तो फिर औपचारिकता की बैठक करने से बेहतर इसे भंग कर देना ही उचित होगा। अत्यंत दुखद है कि हेमंत सोरेन ने राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स को अपने संगठित भ्रष्टाचार का केन्द्र बना दिया है।

भाजपा नकारात्मक व निराशाजनक समूह बनता जा रहा : विनोद पांडेय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार की किसी भी सकारात्मक पहल के प्रति भाजपा नेताओं में ईर्ष्या और असुरक्षा सर्वव्यापी है। भाजपा की प्रतिक्रिया में कुछ भी आ>र्यजनक नहीं है। एक आदिवासी युवा मुख्यमंत्री का विदेश दौरा भाजपा के नेताओं को भला कैसे पच सकता है, ये तो उनके डीएनए में ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड जल्द ही कई अन्य देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। हेमंत सोरेन का नेतृत्व क्षमता बेमिसाल है। उनके विराट व्यक्तित्व के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत होता जा रहा है। दूसरी ओर विपक्ष के नाम पर भाजपा नकारात्मक और निराशाजनक समूह बनता जा रहा है। भाजपा का एक ही काम है साम्प्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने की साजिष रचना। चुनावों में जनता से निकारे जाने के बाद प्रदेश में भाजपा नेताओं के पास कोई काम नहीं है। इसलिए सरकार के सकारात्मक कार्य या पहल का परिणाम आने से पहले ही भाजपा के नेता अपने मुताबिक काल्पनिक परिणाम गढ़ कर राजनीति में जिंदा रहने की कोशिश कर रहे हैं।

झामुमो नेता विनोद पांडेय ने कहा कि जहां तक प्रश्न है स्पेन और स्वीडन की आर्थिकी का, तो पिछले एक दशक में स्पेन और भारत ने अपने आर्थिक संबंधों को लगातार बढ़ाया है। भारत में 280 से अधिक स्पेनिश कंपनियां काम करती हैं और द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 8.78 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो साल-दर-साल 6.3 फीसदी की वृद्धि दशार्ता है। अक्षय ऊर्जा, धातुकर्म उद्योग, स्मार्ट इंफ्रास्ट्र^ र और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्र दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रमुख तालमेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। झारखंड प्रतिनिधिमंडल स्पेन एवं स्वीडन में अपने यात्रा के दौरान प्रमुख स्पेनिश औद्योगिक और ऊर्जा समूहों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ बातचीत करेगा।

झारखंड में बदहाल उच्च शिक्षा की स्थिति सुधारना सबसे जरूरी : बंधु

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखण्ड में उच्च शिक्षा की स्थिति निरंतर बदहाल होती जा रही है। झारखण्ड में राजधानी रांची से लेकर विविध जिले और प्रखण्ड स्तर तक बेहतर उच्च शिक्षा के लिये सभी कॉलेजों में पठन-पाठन, शिक्षकों एवं गैर शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरना और शैक्षणिक वातावरण को सुधारना सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी झारखण्ड में विभिन्न विश्वविद्यालय से संबंधित कॉलेजों में स्थिति यहां तक परेशान करनेवाली है कि शिक्षकों के अधिकांश पद खाली पड़े हैं और अध्ययन-अध्यापन का कार्य बहुत हद तक बाधित है। बंधु तिर्की ने कहा है कि रांची विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सिमडेगा कॉलेज, मांडर कॉलेज, कार्तिक उरांव कॉलेज बेड़ो सहित अधिकांश महाविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। वहीं मुख्य विषयों के साथ ही जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में भी शिक्षकों के नहीं रहने के कारण पढ़ाई-लिखाई बाधित है। उन्होंने कहा है कि झारखण्ड गठन के बाद पिछले 25 साल में प्रदेश में उच्च शिक्षा की स्थिति में निरंतर ह्रास होता जा रहा है। वर्तमान समय में ऐसी स्थिति से छात्र-छात्राओं में निराशा व्याप्त गया है। उच्च शिक्षा के हित में वर्तमान राज्यपाल की भूमिका की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय को झारखण्ड में बेहतर उच्च शिक्षा के वातावरण को कायम करने के लिये अपनी सकारात्मक तथा सहयोगात्मक भूमिका का निर्वहन करना चाहिये ना कि राज्य सरकार के द्वारा उच्च शिक्षा में बेहतर वातावरण के लिये उठाए जा रहे कदमों के आगे असहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिये।

तेतुलिया मामले में आरसीसीएफ और डीएफओ अवमानना के मामले में दोषी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हाईकोर्ट ने डीएफओ रजनीश कुमार और आरसीसीए डी वैंकटेश्वरला को न्यायालय के अवमानना का दोषी करार दिया है। हालांकि न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में इन दोनों अधिकारियों के अवमानना के मामले में सजा नहीं सुनाई है। अवमानना को दोषी करार अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात कहने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। पूरा प्रकरण तेतुलिया के 74.38 एकड़ जमीन से संबंधित है।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायाधीश दीपक रौशन की पीठ ने अवमानना से संबंधित मामले में सुनवाई पूरा करने के बाद 17 अप्रैल 2025 को अपना फैसला सुनाया। इजहार हुसैन से जमीन खरीदने वाली उमायुष मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। इसमें यह कहा गया था कि कंपनी ने 10 फरवरी 2021 को इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन से तेतुलिया मौजा की 74.38 एकड़ जमीन खरीदी थी।

इजहार हुसैन की इस जमीन पर सरकार की ओर से यह दावा किया गया था कि जमीन प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट है। जमीन से जुड़े दोनों मामलों में सरकार हार गयी। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट से भी सरकार को राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट से याचिका रद्द होने के बाद बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार की ओर से एक पत्र जारी किया गया। पत्र में कंपनी को गैर- वानिकी काम नहीं करने का निर्देश दिया गया।

इसके बाद कंपनी की ओर से हाईकोर्ट में एक अवमानना याचिका दायर की गयी। इसमें कहा गया कि डीएफओ जानबूझ कर हाइकोर्ट द्वारा दिये गये फैसलों के रोकने के लिए तरह तरह के तरीके अपना रहे हैं। इसलिए इस मुद्दे पर डीएफओ के खिलाफ अवमानना के मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए।

न्यायालय ने याचिका की सुनवाई के बाद डीएफओ को यह आदेश दिया कि वह बोकारो के तेतुलिया जमीन मामले में हाईकोर्ट के फैसलों के प्रभावित करने के लिए जारी किये गये पत्रों को वापस लें। लेकिन डीएफओ रजनीश कुमार ने आरसीसीएफ डी वेंक्टेश्वरला द्वारा जारी किया गया एक पत्र कोर्ट में पेश किया। साथ ही यह भी कहा कि वह संबंधित जमीन पर गैर-वानिकी कार्य रोकने से संबंधित जारी किये गये पत्रों को वापस नहीं ले सकते हैं।

डीएफओ द्वारा न्यायालय में शपथ पत्र के माध्यम से इस बात को कहे जाने के बाद न्यायालय ने आवमानना याचिका में आरसीसीएफ डी. वैंक्टेश्वरला को भी प्रतिवाद बना दिया। इसके बाद सरकार ने कंटेम्प्ट पिटिशन के खिलाफ एसएलपी दायर की।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद सरकार को अपनी बात हाईकोर्ट में कहने का निर्देश दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को यह निर्देश दिया कि अवमानना को दोषी पाये जाने के बाद हाईकोर्ट आठ सप्ताह तक सजा नहीं सुनाये।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में हाईकोर्ट में दोनों अधिकारियों को दोषी करार दिया। लेकिन सजा नहीं सुनायी। हाईकोर्ट ने अवमानना के दोषी पाये गये अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट जाने की आजादी दी।

राज्यकर्मियों को अब ऑनलाइन मिलेगा विजिलेंस क्लीयरेंस

ऐसा होने से उनकी पदोन्नति व पदस्थापन में होगी आसानी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अब राज्यकर्मियों के पदोन्नति और पदस्थापन में आसानी होगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विजलेंस क्लीयरेंस को ऑनलाइन करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। ऑनलाइन प्रक्रिया होने से राज्य कर्मियों को विजिलेंस क्लीयरेंस प्राप्त करने के लिए महीनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एचआरएमएस के तहत विजिलेंस क्लियरेंस इन्फॉर्मेशन सिस्टम (वीसीआइएस) डेवलप किया गया है। यह व्यवस्था ऑनलाइन होगी। इसके लिए किसी भी पदाधिकारी को एचआरएमएस पर लॉगिंग कर एक्सेस किया जाएगा। फिर विजिलेंस क्लियरेंस सिस्टम में इंप्लॉय कॉर्नर, एबीसी, टेक्निकल इवैल्युएशन, कैबिनेट विजिलेंस और संबंधित डिपार्टमेंट अपना-अपना अनुमोदन करेगा।

एचआरएमएस पर अद्यतन रखना होगा पदस्थापन का विवरण : पदाधिकारियों को अपने पदस्थापन संबंधी विवरणी को एचआरएमएस पर अद्यतन रखना होगा। विभाग भी अपने पदाधिकारियों और कर्मचारियों की विवरणी को इस प्रणाली के तहत अद्यतन कराएगा। इस प्रणाली में किसी भी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामलों के संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तकनीकी मूल्यांकन कोषांग तथा मंत्रिमंडल निगरानी विभाग के द्वारा ऑनलाइन सूचना अंकित की जाएगी।

विजिलेंस क्लीयरेंस की वैधता

एसीबी प्रत्येक माह की पांच तारीख को किसी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामलों या निष्पादित मामलों के संबंध में जानकारी वीसीआईएस (विजिलेंस क्लियरेंस इन्फॉर्मेशन सिस्टम) पर अद्यतन करेगा। इसके बाद जेनरेटेड विजिलेंस क्लीयरेंस अगले माह की 15 वीं तारीख तक वैध होगी। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है और जल्द ही इस प्रस्ताव को कैबिनेट में रखा जाएगा।

गये हैं सैर सपाटे को, बता रहे विदेश दौरा : शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री का यूरोप दौरे सिर्फ कैमरा एक्सपोजर और सैर सपाटे की दृष्टि से किया जा रहा है। ये पूरा दौरा करदाताओं के पैसे का अनावश्यक निवेश है। यह बातें बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कही। उन्होंने कहा कि स्वीडन और स्पेन में वर्ष 2024 में 13 करोड़ पर्यटक घूमने आए थे। मुख्यमंत्री अपने दल के साथ इस संख्या में इस वर्ष इजाफा करने जा रहे हैं। झारखंड एक खनन और कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। भारत के जीडीपी का लगभग 15% हिस्सा कृषि से आता है। देश के साथ झारखंड की बड़ी आबादी रोजगार के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर आश्रित है, जबकि स्पेन के जीडीपी का मात्र 2.5% हिस्सा कृषि से आता है और स्वीडन का तो सिर्फ 1.7% जीडीपी का हिस्सा कृषि पर आधारित है। कृषि क्षेत्र में तो झारखंड और भारत इन देशों से कहीं आगे हैं। भारत की खनन टेक्नोलॉजी स्पेन और स्वीडन की तुलना में कहीं ज्यादा उन्नत है। इन दोनों देशों में खनन का कोई बहुत बड़ा इतिहास भी नहीं रहा है। खनन क्षेत्र में इन देशों से कोई बड़े निवेश या टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

सीएम को पहले राज्य के विधि व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिये

मुख्यमंत्री को पहले अपने राज्य के विधि व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए था। जब तक झारखंड का विधि व्यवस्था नहीं सुधरेगा, तब तक पर्यटकों की संख्या में वृद्धि नहीं हो सकता। स्पेन में 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं की बेरोजगारी 28.4% है। स्पेन के 12000 यूनिट औद्योगिक यूनिट या तो बंद हो गए हैं या बंदी की तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे में स्पेन के उद्योग पहले अपने घर को बचाएंगे कि झारखंड में निवेश करेंगे? वैसे स्पेन का ला टोमैटिना (टोमैटो फेस्टिवल), फिएस्टा दे सैन फर्मिन (बुल चेज) और ला लिगा (स्पेनिश फुटबॉल लीग) पर्यटकों में बहुत प्रसिद्ध है। शायद मुख्यमंत्री को भी ये तीनों पसंद है।

उद्योग मंत्री का नहीं रहना बिन दूल्हे की बारात जैसा : इस दौरे का एक आ>र्यजनक पहलू यह भी है कि औद्योगिक निवेश के लिए गए इस प्रतिनिधि मंडल से उद्योग मंत्री ही गायब हैं। यह तो वही स्थिति हो गई कि पूरी बारात रवाना हो गई, लेकिन दूल्हे को घर में ही छोड़ दिया गया। उद्योग मंत्री को नहीं ले जाना, यह स्पष्ट कर रहा है कि यह सिर्फ पर्यटन यात्रा है। निवेश लाने से इसका कोई संबंध नहीं। उन्होंने कहा कि सीएम को स्वीडन के स्टॉकहोम जरूर जाना चाहिए, जहां बोफोर्स का मुख्यालय है।

पुंदाग टोल प्लाजा कर्मियों की मांगों पर चंद्रप्रकाश चौधरी ने वार्ता करायी

रांची। पुंदाग टोल प्लाजा के कार्यालय में गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी के उपस्थिति में टोल प्लाजा परियोजना प्रबंधक और अखिल झारखंड श्रमिक संघ के बीच विभिन्न मांगों को लेकर बैठक हुई और एक सहमती बनी। इनकी मांगों में वार्षिक वेतन वृद्धी 8% से बढ़कर 10 % करने, अधिलाभांश बोनस 8.33%से बढ़ा कर 10 % करने व वार्षिक उत्सव अवकाश प्रदान करने शामिल था। जिसमें 5 राष्ट्रीय अवकाश व 2 राजकीय अवकाश की 4 नियुक्ति एक कर्मचारी को बर्खास्त किया गया था तो उन्हें पुनः नियुक्त किया गया। झारखंड श्रमिक संघ ने सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी को धन्यावाद दिए।

सीपी सिंह मानसिक कुंठा के शिकार, दे रहे अनाप-शनाप बयान : शहजादा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीजेपी विधायक सीपी सिंह द्वारा सभी मुसलमानो को जिहादी कहे जाने पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजानद अनवर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बीजेपी विधायक सीपी सिंह मानसिक कुंठा के शिकार हो गए हैं, हताश होकर अनाप-सनाप बयान दे रहे हैं। शहजादा अनवर ने कहा कि सीपी सिंह ने जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया है। सीपी सिंह का बयान शांति, सदभाव, लोकतंत्र, भाईचारगी और एकता में विश्वास रखने वालों के खिलाफ है। देश के प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह इस बयान का समर्थन करते हैं या विरोध। अगर इस बयान का समर्थन नहीं करते हैं तो सीपी सिंह पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि भाजपा अपने नेता शाहनवाज हुसैन, मुख्तार अब्बास नकवी, जफर इस्लाम, राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान जैसे लोगों को भी क्या जिहादी समझती है। उनहोंने कहा कि जिन मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानीयों ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी क्या वह जिहादी थे। बीजेपी को यह बताना चाहिए।

शहजादा अनवर ने कहा कि जिस तरह महाराष्ट्र के विधायक द्वारा सदन के बाहर बयान देने पर स्वतः संज्ञान लेकर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कार्रवाई की गई और उन पर प्राथमिकी दर्ज की गई, उसी तरह इस मामले में भी सीपी सिंह पर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि समाज में दुर्भावना फैलाने, दंगे फसाद की मंशा रखने वाले लोगों के बीच संदेश जाए।

उन्होंने कहा कि सीपी सिंह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष या विधायक दल के नेता नहीं बन पाने के अवसाद से गुजर रहे हैं। अपनी पीड़ा वह सार्वजनिक रूप से व्यक्त भी कर चुके हैं लेकिन उनके अवसाद से गुजरने का परिणाम जनता क्यों भुगते। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति और सदभाव कायम रखने के लिए इन पर कार्रवाई होनी चाहिए। गोडसे की पूजा करने वालों को हमने कभी इस तरह संबोधित नहीं किया। सीपी सिंह और भाजपा नेताओं को झारखंड की शांति हजम नहीं हो रही है। रामनवमी, ईद, सरहुल जैसे पर्व पूरे झारखंड में शांतिपूर्ण ढंग से गुजर गया शायद यही शांति और सदभाव भाजपा को पसंद नहीं है, इसलिए भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुजनी, प्रवक्ता सोनाल शांति, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य एम तौसीफ, गजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

CCL सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनीरत्न कंपनी
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in), सीआईएल ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

GENRAL PUBLIC NOTICE

Original Title Deed of K.R. Industrial Projects Pvt. Ltd. vide Lease Deed No. 3295/3296 dated 18.10.1985 is not traceable. Missing diary has been lodged at Adityapur Police Station, Jamshedpur vide SDE No 37/25 dt.27.03.2025. If anyone find please contact: 9263566440.

मसीही समाज ने प्रभु येसू के बलिदान को याद किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मसीही समाज के प्रेम व अनुग्रह का पर्व गुड फ्राइडे शुक्रवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर लोयला मैदान में प्रार्थना व क्रूस उपासना की गई। एक निष्पाप बेदाग प्रभु येसु के कुर्सित होने के पहले पिलातुस के द्वारा सजा मुक्करर करना, येसु के सिपाहियों से अपमानित होना, सताया जाना, उनका कलवारी की राह पर क्रूस ढोना, गोलगोथा पर्वत में क्रूस पर ठोका जाना, मरना और मृत्युपरांत उनका दफनाया जाना और माता मारिया के शोक क्लेशभरी दास्तान इत्यादि की लगभग पूरी घटना को चौदह स्थानों पर लोयोला मैदान में क्रूस रास्ता के द्वारा खीस्तीय विश्वासियों ने अनुभव किया। रांची पल्ली के लोगों के साथ मिलकर आर्चबिशप विनसेंट आइंद और पल्ली पुरोहित फादर आनंद डेविड खलखो क्रूस की यात्रा को कलवारी की राह पर येसु के क्रूस ढोने और क्रूस पर मरने की घटना को अनुभव किया। क्रूस ढोने वालों मे रांची पल्ली के अमित एक्का, मनोज लकड़ा, अबी राय, रिची रोजर लकड़ा, सुनील खलको, रोशन, नीतीश तिर्की, महेश एक्का शमिल थे।

प्रभु येसु का जीवन ही संसार के लिए है संदेश : आर्चबिशप

प्रभु येसु का जीवन न सिर्फ मसीहियों के लिए बल्कि संसार के लिए एक संदेश है। अपने जन्म से मृत्यु तक के बाद पुनरुत्थान की ऐतिहासिक घटना से प्रभु येसु ने अपने जीवन के हर एक पल से समस्त मानवजाति को मार्ग, सत्य व जीवन का संदेश दिया।

रांची में तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर हुई बारिश, ओले गिरे, घंटों बिजली कटी

■ बड़ा तालाब के पास सुलभ शौचालय के ऊपर गिरा पेड़

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। दिन भर कड़ी धूप के बाद ढाई बजे के बाद तेज हवा और वज्रपात के साथ बारिश शुरू हुई। इस दौरान शहर के कई इलाकों में बड़े-बड़े ओले भी गिरे। रांची में शुक्रवार को 5.2 मिमी बारिश दर्ज की गयी। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के चलते झारखंड के मौसम में हर दिन बदलाव देखने को मिल रहा है।

शुक्रवार को बारिश और ओले के अलावा तेज आंधी भी चली। जिसमें बड़ा तालाब के पास सुलभ शौचालय के ऊपर एक विशाल पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गया। हालांकि इसके कारण कोई जान को खतरा नहीं हुआ, लेकिन बिल्डिंग धंस गयी। उसमें बैठे लोग बच के बाहर निकल गये। इसके साथ ही शहर में घंटों बिजली कटी रही।

सांसद दीपक प्रकाश ने सीएम हेमंत को लिखा पत्र

मुर्शिदाबाद दंगों के पीड़ितों की सुरक्षा का किया आग्रह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद दंगा से पीड़ित ऐसे लोग जो झारखंड़ में आकर शरण ले रहे हैं, उनको सुरक्षा, अस्थाई आवास, भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। श्री प्रकाश ने अपने पत्र में झारखंड की मानवता वाली छवि का जिक्र करते हुए लिखा है कि झारखंड़ हमेशा से विविधता और मानवता का पोषक रहा है। ऐसी स्थिति में इन पीड़ित परिवारों को सुरक्षा और सहारा देना न केवल एक संवैधानिक दायित्व है, बल्कि मानवीय कर्तव्य भी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुए दंगों के चलते अनेक हिंदू परिवार जान बचाकर झारखंड की सीमाओं में शरण लेने को विवश हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में वे अत्यंत भय, असुरक्षा और आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

उन्होंने लिखा कि मानवता और संविधान के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए आग्रह है कि इन शरणार्थी परिवारों की पहचान कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्हें अस्थाई आवास, भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं। प्रशासनिक स्तर पर इनके पुनर्वास हेतु विशेष टीम गठित की जाये।

हटाये जायेंगे रिम्स से 200 होमगार्ड, निजी सुरक्षा कर्मी होंगे तैनात

होमगार्ड जवानों में भारी नाराजगी, मंत्री से फैसला वापस लेने की मांग

रांची। रिम्स में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई शासी निकाय की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि रिम्स में कार्यरत 400 होमगार्ड जवानों की संख्या घटाकर आधी कर दी जाएगी। इनकी जगह अब प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात किए जाएंगे। इस फैसले के बाद होमगार्ड जवानों में भारी नाराजगी है। उन्होंने इसे गलत बताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। होमगार्डों का कहना है कि वे पूरी तरह से सक्षम हैं और सभी शारीरिक मापदंडों को पूरा कर ही बहाल हुए हैं। उन्होंने मंत्री से यह फैसला वापस लेने की मांग की है। होमगार्ड जवानों ने यहां तक कह दिया कि स्वास्थ्य मंत्री की सुरक्षा में तैनात गार्ड्स के साथ उनकी दौड़ कराई जाए। अगर वे हार जाएं तो वे खुद रिम्स की ड्यूटी छोड़ देंगे।

सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन में डॉ भारती कश्यप को मिली बड़ी जिम्मेवारी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का ऑफिशियल पार्टनर बनी आइएमए की महिला शाखा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन अभियान चला रहीं नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर भारती कश्यप के साथ नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने एक करार किया है। इस करार के तहत आईएमए झारखंड अब एनएचएम के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन अभियान का ऑफिशियल पार्टनर होगा। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एमओयू की कॉपी डॉ भारती कश्यप को देते हुए कहा कि आईएमए की महिला डॉक्टर्स शाखा के साथ यह एमओयू बरसों से लंबित था। आज यह समझौता धरातल पर उतरा है। इस मौके पर डॉ अंसारी ने डॉ भारती कश्यप की जमकर तारीफ की है।

डॉ. भारती को एमओयू की कॉपी सौंपते स्वास्थ्य मंत्री।

यह पहल सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन में मील का पत्थर

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि यह पहला मौका है, जब आइएमए की किसी संस्था को इतने बड़े अभियान की अगुवाई करने की जिम्मेदारी मिली है। पूरे देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आईएमए द्वारा की गयी यह ऐतिहासिक और कारगर पहल है, जो सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों के लिए भी यह मिसाल बनेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सिविल सर्जन को निर्देश दिया जायेगा कि वे अपने-अपने जिले में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग का अभियान चलायें। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने झारखंड ऑप्थाल्मोलॉजिकल सोसाइटी को देश की सर्वोच्च नेत्र सोसाइटी का पुरस्कार मिलने पर सोसाइटी की साइंटिफिक कमेटी की चेयरपर्सन डॉ भारती कश्यप को बधाई दी।

सर्वाइकल उन्मूलन अभियान जरूरी : डॉ भारती

वीमेन डॉक्टर्स विंग आईएमए झारखंड की चेयरपर्सन डॉ भारती कश्यप ने बताया कि इस अभियान को लगातार जारी रखना जरूरी है। लक्ष्य से ज्यादा स्क्रीनिंग के बावजूद कुछ जिलों में लक्ष्य से कम स्क्रीनिंग हुई है। हर साल लगातार नये केस भी जुड़ते जा रहे हैं। वर्ष 2021 में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर झारखंड मॉडल तैयार कर 5 लाख से ज्यादा महिलाओं की स्क्रीनिंग की गयी। इसमें सर्वाइकल एरोजन के 2,792 मरीजों को क्रायो उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया गया। अगर संदिग्ध मरीजों को समय पर क्रायो उपचार न मिले, तो ऐसे ही मरीजों को सर्वाइकल कैंसर हो जाता है। डॉ भारती ने कहा, हमने देश के वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञों के द्वारा राज्य के सभी सरकारी स्त्री रोग विशेषज्ञों को सर्वाइकल प्री–कैंसर की जांच एवं कोल्पोस्कोपी गाइडेड क्रायो ट्रीटमेंट का विशेष प्रशिक्षण भी दिलवाया।

मुफ्त में आइसक्रीम नहीं देने पर दुकानदार को चाकू मारने वाला अरेस्ट

रांची। फ्री में आइसक्रीम नहीं देने पर दुकानदार को चाकू मारकर घायल करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मो. एनूस को गिरफ्तार किया है। वह सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पहाड़ी टोला का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार की रात यह घटना सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। जहां ठेले पर आइसक्रीम बेचने वाले एक दुकानदार को चाकू मारकर घायल कर दिया था। युवक राजस्थान का रहने वाला है और रांची में आइसक्रीम बेचने का काम करता था।

वक्फ बोर्ड कानून को लेकर बंगाल में हिंसा के बाद पाकुड़ में निषेधाज्ञा लागू

एजेंसी

रांची/ पाकुड़। केंद्र सरकार की ओर से पारित वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम के विरोध में पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई हिंसक घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए पाकुड़ अनुमंडल में निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

अनुमंडल दंडाधिकारी, पाकुड़ की ओर से जारी आदेश के अनुसार शुक्रवार से 15 मई तक पूरे अनुमंडल क्षेत्र में भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के अंतर्गत विशेष प्रतिबंध लागू रहेंगे।

इस अवधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह के साथ किसी सार्वजनिक स्थल पर एकत्र होना, बिना अनुमति के जुलूस निकालना, सभा करना या किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति की ओर से पारंपरिक हथियार जैसे लाठी, डंडा, भाला, तीर-धनुष या किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलना, प्रदर्शन करना या उकसावपूर्ण व्यवहार करना भी वर्जित है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश शादी समारोह, धार्मिक अनुष्ठान, शव यात्रा, परीक्षा जैसी आवश्यक विधि-व्यवस्थाओं पर लागू नहीं होगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 एवं अन्य धाराओं के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश अनुमंडल दंडाधिकारी, पाकुड़ न्यायालय के हस्ताक्षर और स्वीकृति के साथ शुक्रवार को जारी किया गया है।

टेरर फंडिंग केस में अमित अग्रवाल के मामले में हुई बहस

रांची। चतरा के टंडवा स्थित मगध और आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में आरोपित अमित अग्रवाल उर्फ सोनू अग्रवाल, अजय कुमार सिंह और सुदेश केडिया की याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में अमित अग्रवाल की ओर से बहस हुई। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एनआईए को मामले में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 23 अप्रैल निर्धारित की है। दरअसल, इन तीनों आरोपितों ने अपने खिलाफ किए गए चार्जफ्रेम एवं खारिज किए गए डिस्चार्ज पिटिशन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

अजयनाथ शाहदेव से मिले अंबेडकर मिशन सोसायटी के पदाधिकारी, किया अभिनंदन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय डॉ भीमराव अंबेडकर मिशन सोसायटी झारखंड की ओर से अंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम की सफलता पर सोसायटी के सदस्यों ने अजय नाथ शाहदेव से उनके आवास पर मुलाकात की। उनका अभिनंदन किया। इस मुलाकात के दौरान सोसोयटी के सदस्यों ने डा भीमराव अंबेडकर जयंती के सफल आयोजन के उपरांत सहयोगी मंडली के अभिभावकों के प्रति कृज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर सोसायटी के उमेश कुमार रवि, अध्यक्ष प्रभु शंकर राम, सचिव, डॉ सोहन राम और संरक्षक दिनेश कुमार राम समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम दिखायेगी हवाई करतब, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, एयर चीफ मार्शल और विधायक रहेंगे मौजूद

सुबह 09:45 बजे से 10:45 बजे तक एयर शो, पूरा इलाका नो फ्लाई जोन घोषित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को नामकुम के आर्मी ग्राउंड में 19 एवं 20 अप्रैल 2025 को होनेवाले भारतीय वायु सेना के एयर शो को लेकर कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की और सभी संबंधित जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को ब्रीफिंग की। उन्होंने उन्हें कार्यक्रम स्थल पर विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं सुगम यातायात सुनिश्चित करने को कहा। सभी पदाधिकारी तय समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होंगे। आम लोगों के लिए प्रवेश निःशुल्क है। दोनों दिन सुबह 09:45 बजे से 10:45 बजे यानी एक घंटा का एयर शो होगा। सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम हवाई करतब दिखाएगी। इस दौरान उस इलाके के ऊपर नो फ्लाई जोन घोषित है।

उपायुक्त ने एयर शो को लेकर कार्यक्रम संचालन, अतिथियों से संबंधित व्यवस्था, पेयजल, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था, पार्किंग, बस एवं वाहनों के लिए रुट मार्किंग, अग्निश्मन, मेडिकल टीम, साइनेज, एंबुलेंस और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से कराने को कहा।

डीडीसी ने भी दिए निर्देश : एयर शो कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर रांची के उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुमित कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक शहर राजकुमार मेहता ने कई दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि होंगे शामिल : 19 एवं 20 अप्रैल 2025 को होनेवाले भारतीय वायु सेना के एयर शो में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, एयर चीफ मार्शल, विधायक, वरीय अधिकारी और वरीय पुलिस अधिकारी शामिल होंगे।

खाद्य सामग्री लाने पर प्रतिबंध : एयर शो के दौरान दर्शकों को अपने साथ खाद्य एवं पेय सामग्री लाने की अनुमति नहीं होगी। यह निर्णय पक्षियों को आकर्षित होने से रोकने और कार्यक्रम की निर्बाध प्रस्तुति सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

एयर शो स्थल आने वाले मार्ग पर वाहनों के प्रवेश पर रोक

रांची। नामकुम के सैन्य छावनी मैदान में 19 और 20 अप्रैल को सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम के एयर शो के मद्देनजर दो दिनों तक यातायात बदला रहेगा। इसके लिए रांची उपायुक्त कार्यालय से आदेश जारी किया गया है। रांची यातायात पुलिस अधीक्षक डॉ कैलाश करमाली ने बताया कि कार्यक्रम स्थल की ओर से आने वाले वाली सड़कों पर सभी तरह के वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। आमजन को नामकुम के खोझाटोली और सदाबहार चौक की बजाय रिंग रोड से होकर आने में आसानी होगी। वहीं, शहरवासियों को रिंग रोड होकर कार्यक्रम स्थल तक जाने में सुविधा होगी। इन दो दिन तक बच्चों को लेकर स्कूल बसें, वीवीआइपी व वीआइपी वाहन सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तक खरसीदाग रिंग रोड से होकर एयर शो स्थल तक जाएंगे।

इन मार्गों पर वाहन नहीं जा सकेंगे : एयर शो को लेकर कुसई चौक, घाघरा रोड, सदाबहार चौक तक सभी मालवाहक वाहन और बसें प्रवेश नहीं करेंगी। सदाबहार चौक से खरसीदाग ओपी तक और वहां से एयरपोर्ट रोड, एयरपोर्ट रोड में कुटियातू चौक की ओर, रामपुर चौक से नामकुम सदाबहार चौक तक छोटे–बड़े मालवाहक, सवारी गाड़ी, ऑटो, ई–रिक्शा नहीं चलेंगे। तुपुदाना रिंग रोड से रामपुर रिंग रोड की ओर भारी वाहन का प्रवेश बंद रहेगा। बताया गया कि खादगढ़ा स्टैंड से सिमडेगा, गुमला, खूंटी के लिए जाने वाली बसें दुर्गा सोरेन चौक से टाटीसिलवे, रिंग रोड से निकलेंगी।

एयर मार्शल एपी सिंह रांची पहुंचे

रांची। रांची में भारतीय वायु सेना की ओर होनेवाले वाले एयर शो में शामिल होने वायु सेना के एयर मार्शल एपी सिंह शुक्रवार को रांची पहुंचे। रांची पहुंचने पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनका स्वागत किया। एयर मार्शल ने आर्मी ग्राउंड का मुआयना किया और एयर शो के जांबाज पायलटों से भी मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि एयर शो में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और जिला प्रशासन की ओर से राजधानी रांची के शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर राजधानी के छात्र-छात्राओं और युवाओं में काफी उत्साह है।

मौसम ने साथ दिया तो ठीक अन्यथा जमीन के नजदीक से ही भरेंगे उड़ान

रांची। सूर्य किरण टीम के सदस्य फाइटर पायलट गौरव पटेल ने कहा कि मौसम ने साथ दिया तो शो काफी आकर्षक होगा, लेकिन परिस्थितियां विपरीत हुईं तो आसमानी करतब कम कर पाएंगे। ऐसे में जमीन के नजदीक ज्यादा उड़ान भरेंगे। हालांकि टीम ने शो को आकर्षक बनाने के लिए छह माह तक तैयारी की है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि युवा और बच्चे वायुसेना के बारे में जाने और देश सेवा के लिए हमारे साथ जुड़ें। दो भाग में होने वाले एयर शो के कंपोजिट भाग में नौ विमान एक साथ पांच मीटर की दूरी बनाकर उड़ान भरेंगे। दूसरे भाग सिंक्रो में 9 विमान अलग-अलग दिशाओं से गति और अनुशासन का परिचय देते हुए अलग-अलग आकृतियां बनाएंगे। विमान उलटी उड़ान भी भरेंगे।

धर्मांतरित एवं समाज से बाहर शादी करने वालों को आरक्षण से बाहर किया जाये : चंपई सोरेन

- बोकारो में गरजे चम्पाई सोरेन, कहा लाखों लोगों को एकजुट कर दिल्ली तक पहुंचायेंगे आदिवासियों की आवाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/ बोकारो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने धर्मांतरण कर चुके आदिवासियों तथा आदिवासी समाज से बाहर शादी कर चुकी बेटियों को आरक्षण से बाहर करने की मांग की है। बोकारो के बालीडीह जाहेरगढ़ में सरहुल/ बाहा मिलन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही डीलिस्टिंग शुरू नहीं की गई, तो आदिवासी समाज का अस्तित्व मिट जायेगा। यहां पहुंच कर उन्होंने जाहेरगढ़ में माथा टेक कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आदिवासी समाज नहीं जागा तो भविष्य में हमारे इन जाहेर स्थानों, सरना स्थलों एवं देशाउली में पूजा करने वाला कोई नहीं बचेगा।

दोतरफा मार झेल रहा है संथाल का आदिवासी समाज : संथाल परगना की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वहां आदिवासी समाज दोतरफा मार झेल रहा है। एक ओर धर्मांतरित लोग समाज के लिए आरक्षित सीटों पर कब्जा जमाते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बांग्लादेशी घुसपैठिये ना सिर्फ आदिवासी समाज की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं, बल्कि हमारे समाज की बेटियों से शादी कर के हमारे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ रहे हैं। बाद में उन्हीं बेटियों को निकाय चुनावों में लड़ा कर, ये लोग पिछले दरवाजे से संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण में भी अतिक्रमण कर रहे हैं। इसे रोकना आवश्यक है।

आदिवासी समाज के अस्तित्व को बचाने के लिए डीलिस्टिंग आवश्यक : उन्होंने याद दिलाया कि सन् 1967 में महान आदिवासी नेता कार्तिक उरांव द्वारा संसद में डीलिस्टिंग विधेयक पेश किया गया था, जिसे संसदीय समिति के पास भेजा गया था। समिति ने भी यह माना था कि आदिवासी समाज के अस्तित्व को बचाने के लिए डीलिस्टिंग आवश्यक है। उसके बाद 322 सांसदों एवं 26 राज्यसभा सांसदों की सहमति के बावजूद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस बिल को ठंडे बस्ते में डाल दिया। कांग्रेस को आदिवासियों की तत्कालीन दुर्दशा का जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ना सिर्फ 1961 में आदिवासी धर्म कोड हटाया, बल्कि बारम्बार आदिवासी आंदोलनकारियों पर गोली चलवाने का दुस्साहस भी किया।

उलगुलान की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया : उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी समाज ने अपने अस्तित्व एवं आत्म-सम्मान की लड़ाई में अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके, बल्कि संघर्ष का मार्ग चुना, उनके वंशज आज हार कैसे मान सकते हैं। बाबा तिलका मांझी, वीर सिदो-कान्हू, पोटो हो, भगवान बिरसा मुंडा एवं टाना भगत के संघर्ष की याद दिलाते हुए उन्होंने युवाओं को उलगुलान की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। तालियों की गड़गड़ाहट एवं नारेबाजी के बीच उन्होंने उपस्थित जनसमूह से खुशखबरी साझा करते हुए कहा कि अब इस अभियान का सकारात्मक परिणाम दिख रहा है। कोल्हान के विभिन्न क्षेत्रों में धर्मांतरण कर चुके दर्जनों लोगों ने पिछले हफ्ते ही आदिवासी समाज में घर वापसी की है और सैकड़ों लोगों ने घर वापसी की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि लगातार चल रही इन सभाओं के बाद, संथाल परगना में 10 लाख आदिवासियों का एक महाजुटान होगा, जहां से आदिवासी समाज की इन मांगों को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जायेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय जाहेरगढ़ समिति के लोग, भाजपा कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग जुटे थे।

सोनी नायक प्रदेश सदस्यता संयोजक व संजय नायक बने सदस्यता प्रभारी

- झारखंड घासी समाज संघ की बैठक आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य घासी समाज संघ की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ रीझू नायक ने की। मौके उन्होंने कहा कि सामूहिक रूप से मिल कर रहें और अपने बच्चों को शिक्षित बनायें, तभी हम और हमारे समाज का अस्तित्व बचेगा। बैठक में संगठन को मजबूत करने एवं आगामी कार्यसमिति सम्मेलन के आयोजन से पूर्व पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। इसके लिए सोनी नायक को प्रदेश सदस्यता संयोजक, बोकारो के राजेन्द्र नायक, लोहरदगा के देवनन्दन नायक व खूंटी के सावन नायक को प्रदेश सदस्यता सह - संयोजक तथा रामगढ़ के संजय नायक को प्रदेश सदस्यता प्रभारी, सिमडेगा के फेकू नायक, लातेहार के राम प्रवेश नायक व रांची के बजरंग नायक को प्रदेश सदस्यता सह प्रभारी मनोनीत किया गया।

हिंदी साहित्य भारती की बैठक में संगठन विस्तार व राष्ट्रीय विचार गोष्ठी की तैयारियों पर विचार-विमर्श

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था हिंदी साहित्य भारती की रांची इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को होटल सिटी पैलेस, लालपुर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष बलराम पाठक ने की जबकि प्रदेश महामंत्री राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन संगठन महामंत्री अजय राय ने कुशलतापूर्वक किया। बैठक में संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसके तहत अध्यक्ष बलराम पाठक, उपाध्यक्ष राजेश कुमार, संजय सराफ, श्रीमती सुनीता पाठक को बनाया गया। वहीं संगठन महामंत्री अजय राय, महामंत्री सुकुमार झा, संयुक्त महामंत्री श्रीमती पूजा शेखर शुक्ला, निशांत पाठक, अभय कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष त्रिपुरेश्वर नाथ मिश्र एवं प्रेस प्रभारी संजीव दत्ता को बनाया गया।

कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है। साहित्य भारती का कार्य केवल साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक सांस्कृतिक आंदोलन है जो जन-जन को जोड़ने का कार्य करता है।

अध्यक्ष बलराम पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि रांची इकाई निरंतर साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय रही है। हमें गर्व है कि हमारी टीम हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

संगठन महामंत्री अजय राय ने कहा कि हमारी आगामी योजना एक भव्य दो दिवसीय राष्ट्रीय विचार गोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से विद्वानों एवं साहित्यकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। यह आयोजन न केवल साहित्यिक विमर्श को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि हिंदी के अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को भी सशक्त करने में सहायक सिद्ध होगा। बैठक में हिंदी साहित्य भारती, रांची इकाई ने संकल्प लिया कि वह आने वाले समय में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साहित्यिक गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों, लेखन कार्यशालाओं एवं भाषा जागरूकता अभियानों के माध्यम से हिंदी भाषा को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाएगी। बैठक में राजेश कुमार, संजय सराफ, सुकुमार झा, त्रिपुरेश्वर मिश्र, श्रीमती पूजा शेखर शुक्ला, निशांत पाठक सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एवं श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ आज से

- तैयारियां पूरी, 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक होगा कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री यज्ञा बाबा आश्रम दुर्गा मंदिर मोराबादी प्रांगण में 19 अप्रैल से शुरू होने वाले भव्य श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 19 अप्रैल 2025 से 25 अप्रैल 2025 तक होने वाले महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा की सफलता को लेकर सभी श्रद्धालु पूरी तत्परता से प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। पूरा आयोजन यज्ञाचार्य पंडित श्याम सुन्दर शर्मा जी, भारद्वाज एवं गया पीठाधीश्वर स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। वहीं यजमान राकेश शर्मा, प्रिया शर्मा, अमित विक्रम एवं निधि शर्मा जी हैं। मंदिर के मुख्य महंत भरत दास जी महाराज ने आज आमंत्रण यात्रा निकालकर लोगों को इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। जिसमें सैकड़ों पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए।

सात दिवसीय महायज्ञ प्रतिदिन आठ बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा और भागवत कथा शाम पांच बजे से नौ बजे तक चलेगा। समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, शिव किशोर शर्मा एवं ऋषिकेश लाल ने सभी रांची वासियों को इस कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आग्रह किया। इस महोत्सव का शुभारंभ 19 अप्रैल को सुबह 07 बजे कलश यात्रा के साथ होगा।

साथ दिवसीय कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने एवं सफल बनाने में मुख्य रूप से मुख्य पुजारी विकास पांडेय, आशुतोष द्विवेदी, शिव किशोर शर्मा, ऋषिकेश लाल, अजीत कुमार, सिंधु बाला, रूपम झा, संगीता उपाध्याय, स्मिता शुक्ला, आरती झा, प्रज्ञा सिंह, रीना सिंह, किरण सिंह, रंजिता कुमारी, रानी सिंह, बबली गुप्ता, हेमलता मिश्रा, पूनम कुमारी, गीतांजलि, शुभांगी, सुनीता देवी, अनीता सिंह, नमिता सिंह, संगीता उपाध्याय आदि शामिल हैं।

बारत में पटाखा फोड़ने से उड़ी चिनगारी से बीएसएनएल ऑफिस में लगी थी आग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। शहीद चौक के पास स्थित बीएसएनएल दफ्तर में गुरुवार देर रात आग लग गई। जिससे लोगों में अफरातफरी मच गई। अग्निशमन विभाग द्वारा फायर ब्रिगेड की वजह से बीएसएनएल दफ्तर को बड़ी घटना से बचा लिया गया।

मौके पर मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि बारात में पटाखों की चिंगारी से कार्यालय परिसर में फर्श पर बिखरी सूखी पत्तियों में आग लग गई। इसके बाद वहां रखे अनुपयोगी सामान, वायर में आग लग गई। जिसकी वजह से कुछ देर तक आग की लपटें उपर उठती रहीं।

देर रात लगी आग

रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित शहीद चौक के पास बीएसएनएल के दूरसंचार ग्राहक सेवा केंद्र परिसर में गुरुवार को देर रात आग लग गई। आग ग्राहक सेवा केंद्र के पास गलियारे में लगी, जिससे वहां रखा कुछ सामान जलकर खाक हो गया।

आग लगने की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची, मौके पर त्वरित गति से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। बीएसएनएल की फायर फाइटिंग सिस्टम और अग्निशमन दस्ता की मदद से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिस कारण आग का फैलाव बीएसएनएल महाप्रबंधक कार्यालय भवन और पास के जीपीओ तक नहीं हुआ। जिस कारण बड़ा हादसा टल गया।

इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि बीएसएलएल ऑफिस भवन के परिसर में आग लगी थी। लेकिन मौका रहते आग पर तुरंत काबू पा लिया गया है। आगजनी की वजह से कोई नुकसान नहीं हुआ है।

चेंबर उप समिति की बैठक में संविधान में संशोधन पर चर्चा

- बैठक में सहमति बनी कि चेंबर की 28 अप्रैल को होनेवाली कार्यसमिति की बैठक में सदस्यों के सुझावों पर चर्चा कर, ईओजीएम की तिथि तय की जाएगी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चेंबर को और अधिक सशक्त बनाने और इसकी पहुंच जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक बढ़ाने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज अपने संविधान में संशोधन करेगा। सदस्यों की ओर से प्राप्त सुझाव पर चर्चा करते हुए पूर्व अध्यक्ष ललित केडिया और पवन शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को चैंबर भवन में संविधान कमेटी की बैठक हुई। बैठक में सहमति बनी कि चेंबर की 28 अप्रैल को होनेवाली कार्यसमिति की बैठक में सदस्यों के सुझावों पर चर्चा कर, ईओजीएम की तिथि तय की जाएगी। ईओजीएम के माध्यम से संविधान संशोधन को सदस्यों की सहमति से अंतिम रूप दिया जायेगा।संविधान संशोधन में मुख्यतः कार्यकारिणी समिति, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का चुनाव राज्य के प्रत्येक प्रमंडलों में कराने, क्षेत्रीय प्रमंडलों को सशक्त करने के लिए नियमित अंतराल पर क्षेत्रीय अधिवेशन की अनिवार्यता के अलावा चेंबर को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर बल दिया जाएगा। मौके पर चेंबर के पूर्व अध्यक्ष और संविधान कमेटी के चेयरमेन ललित केडिया और पवन शर्मा ने कहा कि बदलती परिस्थितियों और आवश्यकता के अनुसार चेंबर के संविधान में पूर्व में भी संशोधन हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसी जरूरतें हैं, जिसे चेंबर के सदस्य महसूस कर रहे हैं। चेंबर सदस्यों की भावना के अनुरूप पुनः इस दिशा में पहल करेगा।

बैठक में चेंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य डॉ अभिषेक रामाधीन उपस्थित थे।

गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

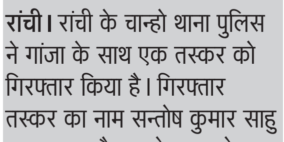

रांची। रांची के चान्हो थाना पुलिस ने गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम सन्तोष कुमार साहु बताया गया है। इसके पास से 450 ग्राम गांजा, 110 पीस गांजा भरा हुआ सिगरेट, चार सिरफ, 70 पीस वाईटनर और 45 चिलम बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम रघुनाथपुर में सन्तोष कुमार साहु के घर और दुकान में डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गयी। छापेमारी के क्रम में गांजा और सिगरेट भरा गांजा बरामद किया गया है।

खबर एक नजर में

अंजुमन इस्लामिया हुसीर के नेतृत्व में वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में मानव श्रृंखला बनायी

रांची। शुक्रवार को हुसीर में मुस्लिम समाज के लोग अंजुमन इस्लामिया हुसीर के नेतृत्व में वक्फ (संशोधन) एक्ट के विरोध में सड़क पर उतरे। कारगिल चौक से अंबेडकर चौक तक मानव श्रृंखला बनाकर वक्फ कानून में हुए संशोधन एक्ट का विरोध किया। मानव श्रृंखला में गढ़ हुसीर, हुसीर, होचर, कनादु समेत आसपास के गांवों से मुस्लिम समाज के सैंकड़ों लोग शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कहा वक्फ (संशोधन) कानून का हम विरोध करते हैं। मानव श्रृंखला में लोग अपने हाथों में तख्ती लेकर खड़े थे। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया हुसीर के अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान, उपाध्यक्ष शकील अंसारी, सचिव निसार, मोहम्मद नसीम, कोषाध्यक्ष सफीउल्लाह, मौलाना नैय्यर इकबाल, मेराज अंसारी, अधिवक्ता शाहिद जमाल, मुरसलीम अंसारी, अब्दुल कय्यूम, मुकीद, इकराम अंसारी, सलामत, अमानत अंसारी, खालिद, आदि सैकड़ो की संख्या में लोग थे।

ग्लोबल कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों का दल एजुकेशनल ट्रिप के लिए रजरप्पा रवाना

रांची। ग्लोबल कॉन्वेंट स्कूल इलाही नगर के छात्रों का एक दल शुक्रवार को एजुकेशनल ट्रिप के लिये रजरप्पा रवाना हुआ। इस दल में कुल 46 छात्र हैं। मौके पर निदेशक मिस्बाह उल हसन, प्राचार्य एस. खान, उषा किरण बेक, शिक्षक रौनक कुमार सिंह, शिक्षिका सदफ रहमानी और चांद रानी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दीं।

संत श्री आशाराम बापू के भक्तों ने प्रसाद के साथ किया शरबत का वितरण, सत्यसाहित्य भी बंटा

रांची। संत श्री आशाराम बापू जी के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में राजधानी रांची में लगातार कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जिसमें साधक भाई-बहनें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं और बापू के कुशल-मंगल की प्रार्थना के साथ अवतरण दिवस की खुशियां भी मना रहे हैं। राजधानी रांची के रातू रोड पिस्का मोड़ चौराहा में इसी कड़ी के तहत संत आशाराम बापू साधक परिवार (देवी मंडप रोड स्थित सेंटर) के तत्वावधान में प्रसाद व शरबत का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में बापू के भक्तों व साधक-साधिकाएं, बच्चे भी पिस्का मोड़ में उपस्थित हजारों राहगीरों के बीच प्रसाद-शरबत का वितरण किया गया। इस अवसर पर बापू के सत्साहित्य व कैलेंडर भी बांटे गये। इससे पहले बापू की पूजा-अर्चना व आरती भी की गयी। प्रसाद में खिचड़ी व हलुआ का वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में सत्य साहित्य सेंटर पिस्का मोड़ की भूमिका महत्वपूर्ण थी।

कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट ने मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग में निराश्रितों को कराया भोजन

रांची। कृष्ण प्रणामी सेवा ट्रस्ट ने मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग में शुक्रवार को 37 दिव्यांग निराश्रितों को भोजन कराया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 26 मार्च से 18 अप्रैल तक 23 दिनों में 3760 निराश्रितों और उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया है। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम में-धीरेंद्र कुवंर, अनिल मुरारका, संजय कुमार, अनीता देवी, रागिनी सिंह, बालकिशन परशुरामपुरिया, अशोक अग्रवाल, धीरज कुमार सहित अन्य, के सौजन्य से प्रसाद का वितरण किया गया। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया और आशीर्वाद दिया।

राज्य के सभी जिला केन्द्रों पर विहिप का आक्रोश प्रदर्शन आज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया पिछले एक सप्ताह से वक़्फ अधिनियम के बहाने से पश्चिम बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा और दंगों से हिंदुओं का उत्पीड़न बड़े स्तर पर चल रहा है। हजारों की संख्या में पीड़ित हिंदू परिवार अपने ही राज्य में निर्वासित होने पर विवश हुए हैं। राज्य सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की कार्यवाही हिंदू परिवारों की सुरक्षा निमित्त दृष्टिगत नहीं हुई है। राज्य सरकार की ओर से पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। ऐसी हिंदू विरोधी सरकार को निलंबित कर राष्ट्रपति शासन लागू करने से ही हिंदू समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर 19 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा के विरोध और वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद झारखंड के सभी जिला केन्द्रों पर सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक धरना, आक्रोश प्रदर्शन करेगा तथा जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेगा।

अध्योघ्या के रमोजजी महराज का ओरमांझी में स्वागत

बंगाल के मुश्लिम समुदाय को झारखंड से प्रेरणा लेने की जरूरत

खबर मन्त्र संवाददाता

झारखंड में मुश्लिम श्रीराम को आदर्श मानते हैं

अयोध्या के रमोजजी महराज का स्वागत करते लोग।

ओरमांझी। अयोध्या के कथावाचक रमोजजी महाराज का ओरमांझी में स्वागत किया गया। रमोजजी महराज झारखंड के विशाहा खटंगा टांगरबसुली मांडर में दुर्गा मां की प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमदभागवत कथा कार्यक्रम से अयोध्या जाने के दौरान ओरमांझी में रूके थें। जहां राधाकृष्ण मंदिर अध्यक्ष के साथ स्थानीय लोगों द्वारा स्वागत किया गया। उन्होने विशाहा खटंगा में आयोजित कार्यक्रम व आयोजकों की प्रशंसा करते हुए वहां के मुस्लमानों की भी सरहाना किया। कहा श्रीमद भागवत कथा सूनने आसपास गांव के कई मुस्लमानों भी आते थें। उन्होने कहा ऐसा लगता है कि झारखंड में कई मुस्लमान भी श्रीराम को आदर्श मानते हैं। सात दिन चली भागवत कथा में प्रत्येक दिन वहां के मुस्लमान पहुंच शांतचित मन से श्रीरामकथा सून रहे थें। मुस्लमानों ने जिस स्नेहपूर्वक उनकी विदाई किया। जिससे अभिभूत हो उन्होने कहा झारखंड के मुस्लमानों की एक सुंदर छवि लेकर अयोध्या जा रहे हैं। उन्होन पश्चिम बंगाल की दंगा व हिन्दूओं के साथ हो रहे अत्याचार का भी जिक्र किया, कहा पश्चिम बंगाल के मुस्लमानों को झारखंड के मुस्लमानों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। कहा जहां विशाहा खटंगा में मात्र 20 प्रतिषत हिन्दू हैं। वहां प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ व श्रीरामकथा शांति व सौहार्द पूर्ण संपन्न हुआ। वहीं बंगाल में मुस्लिम दंगाइयो द्वारा हिन्दूओं को घरों को जलाए जा रहे हैं। वहां के लोगों को अपने घर की महिला व बच्चों संग भागकर जान बचाना पड़ रहा है। कई दंगा पीड़ित झारखंड में सरण लिए हुई हैं। उन्होने कहा सनातन धर्म मानव ही नही पशु पक्षी व पेड़-पौधे, सभी से सबसे प्रेम का संदेश देती है। लेकिन खूद पर अत्याचार हो तो अपनी आत्मरक्षा में अस्त्र उठाना पाप नही हैं। महाभारत में श्रीकृष्ण ने भी यह संदेश दिया है। उन्होने कहा पश्चिम बंगाल के हिन्दूओं को भी इन दंगाईओं का प्रतिकार करना चाहिए। जरूरत पड़े तो महिला व बच्चों की सम्मान व जान की रक्षा के लिए अस्त्र उठा लेना चाहिए। उन्होने बताया धार्मिक आयोजनों में वे पूरे भरत में भ्रमण करते हैं। झारखंड के लोग काफी अच्छे हैं। वहीं रमोजजी महराज को स्वागत करने वालों में पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, समिति के अध्यक्ष सत्यनाराण तिवारी, काली पूजा समिति के सचिव श्यामकिशोर महतो, पूजा समिति के कोषाध्यक्ष दुर्गाशंकर साहू, मुकेश महतो, प्रमानंद तिवारी, श्रीनारायण तिवारी सहित कई लोग शामिल थें।

खबर एक नजर में

राजकीय मानभूम छऊ नृत्य कला केंद्र के कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने से घर चलाना हुआ मुश्किल

सिल्ली। राजकीय मानभूम छऊ नृत्य कला केंद्र सिल्ली में पद स्थापित कर्मचारियों को पिछले 8-10 महीनों से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों को काफी परेशानी हो रही है,जिससे उनके घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की शिक्षा और परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। राजकीय मानभूम छऊ नृत्य कला केंद्र में मुख्य प्रशिक्षक समेत 15 कर्मचारी पद स्थापित है।वेतन नहीं मिलने के संबंध में कला केंद्र में पदस्थापित क्लर्क सुशील कुमार महतो ने बताया कि तकनीकी कारण से वेतन संबंधित प्रक्रिया लंबित पड़ा था परंतु वर्तमान में कर्मचारियों का वेतन संबंधी फाइल विभागीय मंत्री के पास प्रक्रिया हेतु चला गया है एवं सरकार द्वारा जल्द ही वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा।विभाग से अलॉटमेंट नहीं रहने के कारण वेतन मिलने में परेशानी हो रही है।वरीय अधिकारी को पत्राचार किया जा चुका है।संभवत जल्द ही कर्मचारियों को वेतन प्राप्त होगा।वहीं कर्मचारियों का कहना है कि विभागीय अलॉटमेंट नहीं है तो विभाग हमेशा किसी भी कार्यक्रम पर जैसे नृत्य एवं अन्य कार्यों में क्यों हिस्सा बनाते है।

गुड फ्राइडे का त्यौहार पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया

चर्च में प्रार्थना सभा मे शामिल मसीही समुदाय।

इटकी। इटकी प्रखंड क्षेत्र में गुड फ्राइडे का त्यौहार शुक्रवार को पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। मौके पर मुख्य सीएनआई चर्च व महुवा टोली स्थित एनडब्लूजीईएल चर्च सहित आसपास के चर्चों में विशेष प्रार्थना सभा हुई और मानव कल्याण के लिए क्रूस पर लटके यीशु के सात उपदेशों की चर्चा की गई। सीएनआई चर्च के मुख्य पादरी एन कंडूलना के नेतृत्व में आयोजित तीन घंटे की विशेष प्रार्थना सभा में मुख्य वक्ता डॉ सुमन मिंज ने प्रभु यीशु के दुख भोग की घटना पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने यीशु के सात उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात किए जाने की आवश्यकता जतायी। आराधना सभा में सीएनआई चर्च की सचिव बृजित मिंज, निशित तिग्गा, अजीत खलखो, रवि बेल्स कुजूर, एनडब्लूजीईएल चर्च के जैतून तिर्की, प्रशांत मिंज, निमन खलखो, साक्षी खलखो सहित दर्जनों मसीही परिवार शामिल थे।

बाइक सवार दो अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

आकाश ज्वेलर के मालिक से लूटपाट, मारी गोली

- बाएं कंधे पर लगी है गोली
- सिटी हॉस्पिटल में हैं भर्ती

खबर मन्त्र संवाददाता

दुकान के बाहर खड़ी पुलिस।

घायल बसंत प्रसाद।

रातू (रांची)। राजधानी से सटे रातू के चटकपुर में शुक्रवार की दोपहर पल्सर मोटर साइकिल पर सवार दो अपराधियों ने काउंटर में बैठे आकाश ज्वेलरी के मालिक 58 वर्षीय बसंत प्रसाद बर्मन से लूटपाट के दौरान उन्हें गोली मार दी। गोली उनके बाएं कंधे पर लगी है। घायल अवस्था में उन्हें पिस्का मोड़ स्थित सिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि वह खतरे से बाहर हैं। घटना दिन के करीब एक बजे की है। सूचना मिलते ही थानेदार आरएन सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल भी चटकपुर आये और घटना की जानकारी ली। श्री अग्रवाल और सिंह ने हॉस्पिटल जाकर उनके पीड़ित परिवार से मिल व्यवसायी का कुशलक्षेम जाना। मामले को लेकर भुक्तभोगी के बयान पर रातू थाने में दो अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इसकी तफ्तीश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कॉल डंप भी कराया जा रहा है। हालांकि, खोखा बरामद होने की पुष्टि नहीं हो पायी है। घटना के बाद इलाके के अन्य कारोबारी खौफजदा हैं।

कैसे घटी घटना

बसंत प्रसाद गिरिडीह निवासी दामोदर प्रसाद बर्मन के पुत्र हैं। वह पंडरा ओपी क्षेत्र के ओझा मार्केट स्थित विकास नगर में मकान बना कर परिवार के साथ रहते हैं। दो साल पूर्व उन्होंने चटकपुर बाजार के समीप छोटू सिंह के कॉम्प्लेक्स में आकाश नामक जेवर की दुकान खोली है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अपराधकर्मी पांच मिनट तक समीप के सती वस्त्रालय में थे। वहां से निकल कर बसंत के पास जाकर काउंटर से रुपये की मांग की। इस पर नोंक-झोंक भी हुयी। गोली चलने की आवाज सुन लोग दुकान पर गये और श्री बर्मन को खून से लतपत पाया और अस्पताल पहुंचाया। वहीं, ग्रामीणों ने अपराधियों का पीछा किया। लेकिन, वह कांके डैम की ओर भाग निकले।

बख्से नहीं जायेंगे अपराधी

थानेदार आरएन सिंह ने पत्रकारों को बताया कि हेलमेट पहने अपराधकर्मी बाइक चला रहा था। जबकि, पीछे बैठे युवक ने बसंत प्रसाद बर्मन को गोली मारी। गोली उनके बाएं कंधे पर लगी थी। चिकित्सकों ने ऑपरेशन के जरिये उसे निकाल दिया है। उन्होंने कहा कि अपराधकर्मी कितना ही शातिर क्यों न हों, वह बख्से नहीं जायेंगे। उनके संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। श्री सिंह ने कांड के शीघ्र खुलासे का दावा किया है।

स्पीड न्यूज

वक्फ बिल के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाकर रोष प्रकट किया गया

पिठोरिया। पिठोरिया थाना क्षेत्र के पीरुटोला कोनकी नयाटोली उरगुटू काटमकुली कोकदोरो होचर हुसीर कनादू सहित दर्जनों गांव के लोग बाद नमाज जुम्मा केन्द्र सरकार द्वारा पारित वक्फ बिल के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाकर रोष प्रकट किया गया साथ ही इस काले कानून के खिलाफ नारे लगाए गए साथ ही साथ वक्फ बिल जैसे काले कानून को वापस लो ,वापस लो, केंद्र सरकार होश में आओ होश में आओ ,आदि आदि के नारे लगाए गए एवं लोगों ने इस काले कानून के खिलाफ कई स्लोगन लिखकर काले कानून के खिलाफ जोरदार विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे थे मौके पर सभी मस्जिदों के इमाम के साथ सभी मुस्लिम संगठन के लोगों एवं जनप्रतिनिधियों में एनुल हक वसीम अकरम सज्जाद खलीफा के साथ हजारों लोग मौजूद थे।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल प्रमुख पहुंचे कांडी थाना

कांडी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल प्रमुख प्रवीण साहू ने शुक्रवार को कांडी थाना का दौरा किया। उनके साथ प्रखंड कांडी के पीएलवी राम नरेश मेहता और परशु राम और अन्य लोग उपस्थित रहे थे। प्रवीण साहू ने थाना के अधिकारी और प्रखंड कार्यालय को पीएलवी के साथ समन्वय बना कर लोगों की शिकायत के समाधान के लिए कार्य करने और डीएलसीएस से मिलने वाली सुविधाओ के प्रति जगरूकता बढ़ाये जाने को कहा। उन्होंने लोगों को बताया की एलडीसीएस आर्थिक और समाजिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों को न्यायलाय मे मुफ्त वकील दे कर न्याय दिलाने में मदद करता है। पीएलवी राम नरेश मेहता और परशु राम प्रखंड कार्यालय और थाना कांडी मे विधिक सहायता केंद्र के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों को सहायता दिलाते हैं।

वार्ड सदस्य के पति का निधन

रमना। प्रखंड के भागोडीह गांव निवासी वार्ड सदस्य सरिता देवी के पति 38 वर्षीय रामराज चौधरी का निधन शुक्रवार की अहले सुबह हो गया। जानकारी के अनुसार वह यक्ष्मा से पीड़ित थे तथा उनका इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में चल रहा था। लेकिन स्थिति में सुधार होता नही देख चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी जाने की सलाह दी थी। शुक्रवार की सुबह परिजन उन्हें वाराणसी ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि घर पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतक के घर पहुंचे समाजसेवी चुन्नू सिंह ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहयोग का आशवासन दिया।

नाली का स्लेब टूटा खुली गुणवता की पोल

टुटा नाली का स्लेप।

ओरमांझी। शास्त्री चैक ओरमांझी स्थित ब्रिज निर्माण व साइड में सर्विस रोड निर्माण को लेकर प्रखंड मुख्यालय की बाउंड्री तोड़ कर एनएचआई के संवेदक द्वारा नाली निर्माण किया गया है। कुछ ही माह हुए कि मुख्यालय प्रवेश द्वारा स्थित नाली में लगाए स्लेप टुट गया। जिससे मुख्यालय आने-जाने वाले, खासकर वृद्ध लोगों के गिरने की संभावना उत्पन्न हो गई है। वहीं टुटे स्लेप व टुटने के बाद स्लेप के अंदर डाले गए मात्र तीन पतली छड़ देखकर मुख्यालय आने वाले सभी बोल रहे हैं कि नाली का घटिया निर्माण हुआ है। इसी से निर्माण कार्य की गुणवता का पता चलता है। वहीं इसपर संज्ञान लेते हुए सीओ उज्जवल सोरेने द्वारा कंपनी के अभियंता को जल्द नाली बनाने को कहा गया है।

तमाड़ प्रखंड में स्थायी बीडीओ और सीओ की नियुक्ति की मांग पूर्व मुखिया ने की

- स्थायी पदाधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण विकास कार्य लगभग ठप

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। प्रखंड में स्थायी प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल पदाधिकारी की नियुक्ति की मांग को लेकर स्थानीय जनता में गहरा असंतोष व्याप्त है। वर्तमान में दोनों पदों पर केवल प्रभारी पदाधिकारी कार्यरत हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों और विकास योजनाओं की रफ्तार प्रभावित हो रही है। स्थानीय समाजसेवी एवं पूर्व मुखिया रमेश कुमार मुंडा ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने तामाड़ में स्थायी बीडीओ एवं सीओ की त्वरित नियुक्ति की मांग की है। मुंडा का कहना है कि प्रखंड में 31 जनवरी 2025 से अब तक स्थायी पदाधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण विकास कार्य लगभग ठप हैं, जिससे आम जनता को योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, तमाड़ प्रखंड में कुल 23 पंचायतें हैं, और स्थायी पदाधिकारियों के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर पड़ रही है, जिससे जनहित प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि स्थायी पदाधिकारियों की नियुक्ति न होने से उन्हें योजनाओं, पेंशन, राशन, आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, दोनों रिम्स रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के रांची गुमला मुख्य मार्ग में जरिया पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की अपराह्न लगभग साढ़े 12 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला व एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बेड़ो नारी गांव निवासी 45 वर्षीय सुरेश साहू पिता स्व बुधना साहू और 50 वर्षीय चुमानी उरांव पति धुचु उरांव है। जिन्हें ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा सनल सोनू बरवार ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए दोनों को रिम्स रेफर कर दिया।

पूर्व सैनिक संघ की बैठक आयोजत लिए गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

बैठक करते पूर्व सैनिक।

नामकुम। शुक्रवार को सूर्य नगर कॉलोनी में पूर्व कर्नल बिरेंद्र कुमार सिंह के आवास पर भूतपूर्व सैनिकों की संस्था पूर्व सैनिक संघ ने अपना वार्षिक जेनरल बाडी बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व कर्नल बीएन दुबे ने भारत माता के चित्र के ऊपर माल्यार्पण के साथ किया। बैठक के दौरान वर्ष भर किए कार्यो और वित्तीय खर्चों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कारगिल दिवस को भव्य रूप से मनाए जाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान संघ के सचिव के पद पर मुकेश कुमार, उपसचिव मोहन कुमार एंव सदस्य के रूप में एसके निराला और दीपक कुमार तथा मीडिया प्रभारी के रूप में रणधीर सिंह को मनोनीत किया गया। इसी बैठक में पूर्व सैनिक समीर मंडल, लालबाबू सिंह और मनोज शुक्ला ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर मुख्य रूप से सुधीर कुमार सिंह, संजीत सिंह, मुकेश कुमार, अनिल श्रीवास्तव, राजीव सिंह, त्रिपुरारी नारायण, रणधीर कुमार, तरुण कुमार, श्रद्धानंद कुमार, मनोज शुक्ला, अमरजीत सिंह, नागेश्वर महतो, एचआर सिंह, आरके सिंह, एके सिंह, उपेंद्र चैधरी सहित अन्य शामिल रहे।

दो बाइक की टक्कर में तीन घायल

भवनाथपुर। केतार थाना क्षेत्र के राज घाट में बीती रात्रि दो बाईक की आमने-सामने की टक्कर में बाईक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे घायलावस्था में स्वजनों ने भवनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां डॉ फैज अहमद ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया। घायलों में अक्षय विश्वकर्मा पिता स्व गंगा विश्वकर्मा अमवाडीह निवासी उनका पुत्र आरुष कुमार, साली चांदी कुमारी का नाम शामिल है। जानकारी के अनुसार बीती रात्रि अक्षय कुमार ताली से अपने बाइक पर पुत्र और साली के साथ केतार किसी आवश्यक कार्य से आया था। वापसी के क्रम में राज घाट मुख्य पथ में विपरीत दिशा से आ रहे बाइक चालक रविन्द्र यादव से टक्कर हो गई। घटना की जानकारी केतार थाना की देने के बाद तीनों घायलों को भवनाथपुर सीएचसी में इलाज के लिए लाया गया। इस घटना में अक्षय कुमार और उसके पुत्र आरुष की स्थिति काफी नाजुक है।

बारिश और वर्फबारी से खपरैल और एसबेस्टस मकानों-दुकानों के छत टूटे

खबर मन्त्र संवाददाता

ओलावृस्टि से हुई क्षति और लोगों से जानकारी लेती आरती कुजूर।

नामकुम। शुक्रवार दोपहर हुई तेज बारिश और ओलावृस्टि से प्रखंड के खिजरी, तुंबागुटटु, करमटोली, लोधमा, चंदाघासी, लालखटंगा, कोचबोंग, तेतरी, बरगांवा, चटकपुर, पलांडु सहित अन्य गांवों खपरैल और एसबेटस की मकानों को भारी क्षति पहुंची है। ग्रामीणों के अनुसार गांवों में लगभग मकानों की छतें टुट गयी है और लोगों के सर छुपाने का भी ठीकाना नही बचा है। गांवो में चारो ओर चिंता और श्शेक का माहौल है। भाजपा पदेश उपाध्यक्ष आरतीर कुजूर ने सभी प्रभावित गांवों का दौरा कर हुई क्षेति की जानकारी ली। श्रीमती कुजूर ने बताया कि बबलू मुडा, किशुन मुंडा, संगीता कच्छप, मनोज गोप, शिव एक्का, धनश्याम कच्छप, रवि कुजूर, शांति मुंडा, रंजी तकच्छप, मंगरी देवी आदि के मकान को क्षति पहुंची है। उन्होने सरकार से इस प्राकृतिक आपदा की क्षेति का आकलन कर जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है। ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

मानव श्रृंखला बना वक्फ संशोधन कानून का विरोध

मावन सृंखला बना वक्फ कानून के विरोध करते लोग।

ओरमांझी। अंजुमन कमिटि इरबा के अध्यक्ष इम्तियाज ओहदार के नेतृत्व में ओरमांझी के इरबा में मानव श्रृंखला बनाकर वक्फ संशोधन कानून का विरोध किया गया। विरोध करने में शामिल लोग हांथों में वक्फ संशोधन कानून रद करो लिखे तखतियां के साथ बैनर व तीरंगा झंडा लिए शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थें। विरोध करने वालों में मुख्य रूप से सतार अंसारी, शकील प्रवेज, असरद अनवर, इमरोज अंसारी, नौशाद अंसारी, तबरेज अंसारी उर्फ पप्पु, मुस्तबा आलम, नइम अंसारी, साकीर अंसारी, सरफराज शाहीदी, तारिक इकबाल, मुसर्रफ अंसारी, सज्जाद अंसारी सहित कई लोग शामिल थें।

नरकोपी पुलिस ने 112 को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

ग्रामीणों को डायल 112 की जानकारी देते नरकोपी थाना प्रभारी।

बेड़ो। वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निदेर्शानुसार नरकोपी थाना क्षेत्र के बेयासी गांव के मैदान में शुक्रवार को मुखिया, पड़हा राजा, पड़हा दिवान, ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि और गांव के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में ग्रामीणों के बीच पुलिस पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित डायल 112, सड़क दुर्घटना, महिला संबंधी अपराध, जमीन संबंधी विवाद एवं पंचायत में अन्य समस्याओं के साथ गांव को नशा व अपराध मुक्त बनाने, महिला उत्पीड़न को रोकने व साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया गया। बैठक के दौरान नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव ने बताया कि 112 सेवा आने के बाद जरूरत पड़ने पर लोगों तक कम से कम समय में पुलिस की मदद पहुंच रही है। लोगों को अगर कहीं कोई समस्या है तो जरूरी नहीं कि वह थानों पर जाएं, अधिकारियों के चक्कर लगाएं, बस वे एक कॉल कर दें। उन्होंने इंटरनेट मीडिया के इस्तेमाल के साथ साइवर खतरों की जानकारी भी बहुत जरूरी है। अनजान नंबर या अनजान एप से वीडियो काल रिसीव न करें। किसी भी व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में रिमोट एक्सेस ऐप या अन्य कोई एप डाउनलोड न करें। केबाईसी अपडेट के नाम पर किसी को भी लिक अथवा ओटीपी शेयर न करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर ठगी से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। उन्होंने कहा कि गांव में होने वाले छोटे-मोटे विवादों को आपसी सहमति से सुलझा लिया जाए, जिससे थाना व कचहरी जाने से बचा जा सके। लोगों से अफीम, पोस्ता, गांजा जैसे मादक पदार्थों की खेती करने के लिए मना किया। उन्होंने कहा कि अफीम की जगह वे फल, सब्जी आदि की खेती करें। वहीं डायन प्रथा जैसे अंधविश्वास बाल मजदूरी, बाल व्यापार, गांव के युवाओं व ग्रामीण को नशे से कैसे दूर किया जाए इसको लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। साथ ही लोगों से पुलिस का सहयोग करने का अपील किया गया। वहीं बैठक के दौरान पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करने के लिए आमजन से सुझाव भी लिया गया। बैठक में ग्राम प्रधान गंदुरा उरांव मुखिया भोला उरांव पड़ाहा दिवान भौआ उरांव, अल्फ्रेड मिंज, अब्दुल अंसारी, हरसद अंसारी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

लालखटंगा में भव्य भंडारा के साथ हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

मंदिर की प्राण प्रतिस्ठा में लगे ग्रामीण।

नामकुम। शुक्रवार को प्रखंड के लालखटंगा पंचायत के लालखटंगा गांव में संकट मोचन हनुमान मंदिर की प्राणाप्रतिस्ठा को लेकर आयोजित श्रीश्री 1008 तीन दिवसीय हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुक्रवार को समापन हो गया। इससे पूर्व वेदी पूजन, प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा, हवन, कुंवारी कन्या पूजन एंव भोजन, ब्राह्मण भोजन और भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। मंदिर निर्माण से जुड़े राजेंद्र ठाकुर, रितेश उरांव, सुरेश नायक ने बताया गया कि लालखटंगा पंचायत के लालखटंगा गांव में स्वर्गीय विजय नायक के द्वारा मंदिर निर्माण कार्य शुरू किया था। लेकिन कुछ दिनों पूर्व सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो जाने पर ग्रामीणों और सामाजिक व्यक्तियों के सहयोग से संकट मोचन हनुमान मंदिर का निर्माण कराया गया। उनलोगों ने बताया कि महाराष्ट्र के नागपुर से आए मुकेश शास्त्री, कृष्णा पांडेय, उदय पांडेय, सदानंद पांडेय, तुनी पांडेय और शंकर पांडेय के द्वारा महायज्ञ संपन्न कराया गया।

विदेशी शिक्षा से मोहभंग

यह खबर कि साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे। दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, रंगभेद से परेशानी बढ़ी। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया।

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

परिवर्तन की लौः सामूहिक जागरूकता से सुरक्षा और तैयारी की ओर

14 अप्रैल 1944 को मुंबई के विक्टोरिया डॉक पर एक भयावह त्रासदी हुई, जब एसएस फोर्ट स्टिकीन के कार्गो होल्ड में अचानक आग भड़क उठी। इसने ऐसे विनाशकारी विस्फोटों को जन्म दिया, जिन्होंने न सिर्फ शहर का भौगोलिक नक्शा बदल दिया, बल्कि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को लेकर सोच की दिशा भी हमेशा के लिए बदल दी।

स्थानीय अग्निशमन दलों की त्वरित प्रतिक्रिया के बावजूद, धमाका इतना भयानक था कि न केवल जहाज पूरी तरह नष्ट हो गया, बल्कि भारी जनहानि भी हुई। अनुमान है कि इस दुर्घटना में 800 से 1,300 लोगों की जान गई और 2,500 से अधिक लोग घायल हुए। इसके अलावा लगभग 80,000 टन समुद्री माल या तो नष्ट हो गया या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ। कई दिनों तक मुंबई (तब की बॉम्बे) आग की लपटों में जलती रही और शहर के बड़े हिस्से मलबे में तब्दील हो गए।

यह भयावह घटना हमें आग से जुड़ी आपदाओं की तबाही को लेकर लगातार सतर्क रहने की चेतावनी देती है। 1944 में मुंबई के विक्टोरिया डॉक पर हुए भीषण अग्निकांड और विस्फोटों में जान गंवाने वालों की स्मृति में हर वर्ष 14 से 20 अप्रैल तक पूरे देश में फायर सर्विस वीक मनाया जाता है।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के फायर एडवाइजर के मार्गदर्शन में यह सप्ताह न केवल उन असंख्य जानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, बल्कि यह हमें आग की रोकथाम की महत्ता, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में, बार-बार याद दिलाता है। वर्ष 1999 से नेशनल सेफ्टी काउंसिल इस दिशा में प्रतिबद्ध होकर कर्मचारियों, उनके परिवारों और पूरे समाज को आग की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

- अरविंद कुमार सिन्हा

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के फायर एडवाइजर के मार्गदर्शन में यह सप्ताह न केवल उन असंख्य जानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, बल्कि यह हमें आग की रोकथाम की महत्ता, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में, बार-बार याद दिलाता है। वर्ष 1999 से नेशनल सेफ्टी काउंसिल इस दिशा में प्रतिबद्ध होकर कर्मचारियों, उनके परिवारों और पूरे समाज को आग की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अग्निकांडों का प्रभाव बेहद गहरा और दीर्घकालिक होता है—यह न केवल पीड़ितों को, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समुदाय को प्रभावित करता है। दुर्भाग्यवश, फायर सेफ्टी तब तक प्राथमिकता नहीं बनती जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए। हर साल घरों और कार्यस्थलों पर कई आगजनी की घटनाएं होती हैं, जिनमें लोग घायल होते हैं या अपनी जान गंवाते हैं। इनमें सबसे अधिक प्रभावित वे कमजोर वर्ग होते हैं, जैसे कि छोटे बच्चे। चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश घरों में अब भी कार्यशील स्मोक डिटेक्टर या फायर अलार्म मौजूद नहीं हैं। नतीजतन, परिवार ऐसी दुर्घटनाओं के खतरे में रहते हैं जिन्हें आसानी से रोका जा सकता है—जैसे रसोई में लापरवाही, सिगरेट का असावधानी से फेंका जाना, या गैस उपकरणों की अनदेखी। ये सभी ऐसी चूकें हैं, जो जागरूकता और सतर्कता से टाली जा सकती हैं।

आग जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सबसे बड़ी ताकत होती है—सही जानकारी और जागरूकता। जब लोग फायर सेफ्टी के मूल सिद्धांतों को समझते हैं, तो वे न केवल खुद को, बल्कि अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी संभावित खतरों से बचाने में सक्षम हो जाते हैं। फायर एक्सटिंग्विशर का सही इस्तेमाल करना, धुएं से भरे कमरे में कैसे सुरक्षित निकला जाए, या घर में एक निर्धारित इमरजेंसी एग्जिट रूट रखना—ऐसे छोटे-छोटे कदम बड़ी आपदाओं के समय जीवन रक्षक साबित हो सकते हैं, जो ज़िंदगी और मौत के बीच का फर्क बन सकता है।

व्यवसायों के लिए, फायर सेफ्टी केवल कानूनी पालन तक सीमित नहीं है; यह जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का एक अहम हिस्सा है। प्रभावी अग्नि सुरक्षा उपाय न केवल बड़े नुकसान को रोकने में मदद करते हैं, बल्कि कर्मचारियों में सुरक्षा की भावना भी उत्पन्न करते हैं, जिससे कार्यस्थल पर उत्पादकता और मनोबल में इजाफा होता है। भविष्य की ओर देखने वाली कंपनियां अब फायर सेफ्टी को एक जिम्मेदारी के रूप में नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देख रही हैं। वे व्यापक प्रशिक्षण, नियमित निरीक्षण और सुरक्षा उपकरणों के उचित रख-रखाव पर विशेष ध्यान दे रही हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल जोखिमों को कम करता है, बल्कि एक ऐसी कार्य संस्कृति का निर्माण करता है जहाँ कर्मचारी संभावित खतरों को पहचानने और तुरंत कार्रवाई करने के लिए प्रेरित होते हैं।

समुदाय के हित के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, टाटा स्टील इस सप्ताह विभिन्न अग्नि सुरक्षा अभियानों का आयोजन करती है, जिसमें यह संदेश दिया जाता है कि अग्नि सुरक्षा केवल एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है। उनकी फायर एंड रेस्क्यू सेवाएं न केवल टाटा स्टील के परिसर में, बल्कि आसपास के समुदायों में भी असाधारण सहायता प्रदान करती हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है।

हाल ही में, ₹फ्लेम्स ऑफ चेंज₹ जैसी अभिनव पहलें शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य अग्नि सुरक्षा की संस्कृति को फिर से परिभाषित करना है। इस पहल में महिलाओं को अग्निशमन दल में शामिल किया गया है, ताकि सुरक्षा कार्यों में समान अवसर और भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। यह पहल समाज में न केवल अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती है, बल्कि यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक समुदाय सदस्य को आपातकालीन सहायता में समान रूप से भागीदारी मिले।

आग अपने आप में एक विनाशकारी शक्ति है, लेकिन इसके प्रभाव को कम करना हमारी सतत जागरूकता, सतर्कता और सामूहिक प्रयासों से संभव है। राष्ट्रीय अग्नि सेवा सप्ताह हमें यह सिखाता है कि सावधानी और तैयारी कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। जब हम सतर्क रहते हैं, तो हम केवल आग से नहीं लड़ते—हम जीवन, संपत्ति और भविष्य की रक्षा करते हैं। आइए हम संकल्प लें कि फायर सेफ्टी को केवल एक औपचारिकता न मानें, बल्कि इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। एकजुट होकर हम एक ऐसे भारत की नींव रख सकते हैं जहाँ आग की घटनाएं दुर्लभ हों और हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे।

(लेखक, चीफ सिक्योरिटी एवं ब्रांड प्रोटेक्शन, टाटा स्टील हैं।)

लेटर टू एडिटर

नफरती मंसूबे

विगत दिनों अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित स्वामीनाथन मंदिर पर हमले के साथ अपवित्रता की घटना भी हुई। इसके अलावा, विदेश मंत्री जयशंकर के काफिले पर ब्रिटेन में हमले और नारेबाजी के साथ उच्चायुक्त भवन से तिरंगा निकालने की घटना से मयार्दाएं टूट रही हैं। संपादकीय ह्यनफरती मंसूबेह्न में उल्लेख है कि इन अलगाववादियों को वहां की सरकारें संरक्षण देकर कार्यवाही नहीं कर रही हैं, जिससे इनके हौसले बुलंद हो रहे हैं। इन घटनाओं की अनदेखी कदापि नहीं की जानी चाहिए और पश्चिमी देशों को अपनी मयार्दा में ही रहना चाहिए।

बीएल शर्मा, जमशेदपुर

चौकसी पर सवाल

अमृतसर के ठाकुरद्वारा मंदिर में ग्रेनेड हमलाह्न में पंजाब में शांति भंग करने की साजिश का खुलासा किया गया है। रात के समय दो मोटरसाइकिल सवारों द्वारा ग्रेनेड फेंकने से प्रशासन की चौकसी पर सवाल उठते हैं। पिछले चार महीनों में पंजाब में यह 13वां ग्रेनेड हमला है। पाकिस्तान, नशीले पदार्थों की तस्करी और धार्मिक स्थानों पर हमले के जरिए पंजाब की शांति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री को इन ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

- रविशंकर सिंह, रांची

ट्वीट

प्रेम, दया, त्याग, समर्पण और मानवता का संदेश देकर प्रभु यीशु ने अपने जीवन का बलिदान दिया था। गुड फ्राइडे का यह दिन हमें प्रेम, क्षमा और करुणा का संदेश देता है। आइए, इस पवित्र दिन हम प्रभु यीशु के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

- हेमंत सोरेने, सीएम

सोशल मीडिया इंसाफ का नहीं, रिश्तों की मौत का है नया मंच

-डॉ सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव निजी जिंदगी में दखल के साथ ही अब रिश्तों के खात्मे की भी वजह बनता जा रहा है। आजकल लोग निजी झगड़ों और रिश्तों की परेशानियों को सोशल मीडिया पर लाइव आकर सार्वजनिक करने लगे हैं, जहां आधी-अधूरी सच्चाई दिखाकर सहानुभूति बटोरी जाती है। ह्यसुट्टा आलीह्न और ह्यमुक्का वालीह्न जैसे मामलों में देखा गया कि जब दूसरा पक्ष सामने आया तो पहले समर्थन करने वाले लोग उलझन में पड़ गए। सोशल मीडिया अब इंसाफ का मंच नहीं, तमाशा बनता जा रहा है, जहां रिश्ते कंटेंट बनकर बर्बाद हो रहे हैं। इस डिजिटल दिखावे से बाहर निकलने का रास्ता संवाद, संयम और सच्चाई पर आधारित समझदारी है। रिश्तों को बचाने के लिए पहले उन्हें सार्वजनिक न करें, बल्कि निजी स्तर पर सुलझाने की कोशिश करें। आधी सच्चाई दिखाकर न्याय मांगना रिश्तों की मौत का कारण बन सकता है।

घर के अंदर की बातें अब घर की नहीं रहीं। एक वक़्त था, जब दीवारों के भीतर जो होता था, वही दीवारों में दफन होता था। पर अब दीवारें भी वाई-फाई से जुड़ चुकी हैं और रिश्ते डेटा पैक पर टिके हैं। बात-बात पर फेसबुक लाइव, इंस्टा स्टोरी और यूट्यूब व्लॉग।

आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और लाइव आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू और शब्दों में दर्द, सब कुछ इतना ह्यरियलह्न होता है कि देखने वाला पल भर में 'इमोशनल इन्वेस्ट' कर बैठता है। अब सवाल उठता है कि क्या सोशल मीडिया कोई अदालत है, जहां एकतरफा सबूत पेश करके दूसरे पक्ष को बिना सुने सजा सुनाई जा सकती है। क्या हम सब यूजर्स अब जज बन चुके हैं और अगर हां तो हमारी अदालत में अपील की व्यवस्था कहां है। दिक्कत ये है कि आजकल लोग जज नहीं, जजमेंटल बन चुके हैं। किसी भी मुद्दे को बिना सोचे, बिना समझे, बिना जांचे, बस वायरल होने की स्पीड से नापते हैं। 'कौन सही है' से ज्यादा अहम हो गया है 'कौन पहले लाइव आया'।

दरअसल जब एक रिश्ते की दरार को सार्वजनिक किया जाता है तो उसका असर केवल उस रिश्ते पर नहीं, समाज पर भी पड़ता है। यह एक विकृति बनती जा रही है, जहां निजी दर्द सार्वजनिक मनोरंजन बन रहा है। इसे प्रोत्साहन मिलता है व्यूज, लाइक्स और फॉलोवर्स की भूख से। एक जमाना था जब लोग अपने रिश्तों को बचाने के लिए कुछ भी कर जाते थे। जबकि आज लोग लाइक और शेयर के लिए अपने रिश्ते खुद बर्बाद कर देते हैं। मीडिया से ज्यादा, मिडियाई मानसिकता दोषी है। यह केवल 'मीडिया ट्रायल' का मुद्दा नहीं है। असली समस्या उस मानसिकता की है जो कैमरा ऑन होते ही खुद को पीड़ित घोषित कर देती है और दर्शकों को जूरी बना देती है। यह 'हाफ ट्रुथ पॉलिटिक्स' अब राजनीति तक सीमित नहीं रही । यह अब हमारे घरों में घुस चुकी है। लोग अपने गुस्से और दुख को शब्दों में नहीं, स्क्रिप्टेड कंटेंट में ढाल रहे हैं। दर्शक भी, असल में मदद करने के बजाय तमाशबीन बने रहते हैं, स्क्रीन के उस पार तालियाँ बजाते हुए।इस डिजिटल युग में रिश्ते अब संवाद से नहीं, कंटेंट से चलने लगे हैं। पार्टनर से बात करने की जगह, लोग सोशल मीडिया पर 'इन्डायरेक्ट' पोस्ट करते हैं।

आज जब हर व्यक्ति अपने हाथ में मीडिया लेकर घूम रहा है, तब सबसे बड़ा ज़िम्मेदार भी वही है। कैमरा ऑन करना आसान है, पर सच्चाई को ईमानदारी से दिखाना मुश्किल। रिश्ते भरोसे से बनते हैं और भरोसे की बुनियाद संवाद से मजबूत होती है, तमाशे से नहीं। हर बार लाइव आकर रोना-धोना करने से सहानुभूति तो मिल सकती है, लेकिन रिश्ते नहीं बचते। जब दूसरा पक्ष सामने आता है तो फिर न सिर्फ. रिश्ता, बल्कि भरोसा भी मरता है, उस इंसान का भी और उस समाज का भी, जो बस 'लाइव' देखकर न्याय करने को तैयार बैठा था।

सवाल है कि क्या कोई रास्ता है इस डिजिटल ड्रामा से बाहर निकलने का। बिलकुल है। इसलिए अगली बार जब कोई रोता हुआ वीडियो सामने आए तो जरा रुकिए। सवाल पूछिए, दोनों पक्षों को सुनिए। क्योंकि असल इंसाफ वही है जो तटस्थ हो और इंसाफ के बिना कोई भी तमाशा बस एक और रिश्ते की मौत होती है। उधर उन लोगों को भी सोशल मीडिया के बजाय झगड़े के समाधान के दूसरे रास्ते तलाशने होंगे। जरूरी है कि किसी भी झगड़े या विवाद को सार्वजनिक करने से पहले, अपने सबसे करीबी से निजी तौर पर बात करें। संवाद हर समस्या का पहला समाधान है। अगर मामला गंभीर है, तो परिवार, मित्र या थैरेपिस्ट की मदद लें। जब समस्या होती है तो समाधान भी साथ ही होता है।

चॉक से चुभता शोषणः प्राइवेट स्कूल का शिक्षक और उसकी गूंगी पीड़ा

-प्रियंका सौरभ

सामयिक

जब भी परीक्षाओं के रिजल्ट ाते हैं तो अमूमन सरकारी स्कूलों के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों के परिणाम बेहतर होते हैं।इसके पीछे इन स्कूलों के शिक्षकों की कड़ी मेहनत होती है। प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों से उम्मीदें तो आसमान छूती हैं, लेकिन उन्हें न तो उचित वेतन मिलता है, न सम्मान, न छुट्टी और न ही सुरक्षा। महिला शिक्षक दोहरी ज़िम्मेदारियाँ उठाती हैं, वहीं शिक्षक दिवस के दिन सिर्फ प्रतीकात्मक सम्मान मिलता है, जबकि सालभर उनका कथित तौर पर शोषण जारी रहता है। अभिभावक, स्कूल प्रबंधन और सरकार तीनों ही इस शोषण को नजरअंदाज करते हैं। शिक्षक के अधिकारों की कोई बात नहीं करता, न ही कोई नियामक संस्था है जो उनके हितों की रक्षा करे। शिक्षकों को कानूनी संरक्षण, संगठित मंच और सामाजिक सम्मान मिलना चाहिए ताकि शिक्षा प्रणाली सच में समावेशी और न्यायपूर्ण बन सके। यदि राष्ट्र को शिक्षित और सशक्त बनाना है तो सबसे पहले शिक्षक को शोषण से मुक्त करना होगा, क्योंकि चॉक से लिखा हर अक्षर, देश का भविष्य गढ़ता है।

एक समय था जब गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय जैसे दोहे बच्चों की जुबान पर होते थे। आज हाल ये है कि अगर मास्टर मोबाइल पकड़ लें तो कहा जाता है कि इतनी फुर्सत है तो बच्चों को क्यों नहीं संभालते। जमाना बदल गया है, अब 'शिक्षक' शब्द पवित्रता नहीं, सहनशीलता का प्रतीक बन गया है। इस सहनशीलता का सबसे क्रूर रूप दिखता है प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की दुनिया में। बाहर से देखिए तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगते। एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट-ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन अंदर झाँकिए, वहाँ एक मास्टर साहब बैठे हैं, जो न वक्त पर चाय पी सकते हैं, न लंच कर सकते हैं। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्जाम में फेल हो जाए तो मैनेजमेंट पूछता है ₹क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से₹।

प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियाँ भी शर्मा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर 25,000 रुपये लिखा होता है, लेकिन बैंक में महज 8,000 रुपये ही ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। मजे की बात देखिए कि टीचर जब सैलरी का हिसाब माँगता है तो जवाब होता है, नौकरी चाहिए या नहीं। यदि शिक्षक महिला है तो फिर दिक्कतों की भरमार है। घर में बहू, माँ और पत्नी। स्कूल में मैडम, टीचर और दीदी। महिला शिक्षकों को दोहरी ज़िम्मेदारी के साथ जीना पड़ता है। सुबह पांच बजे से घर संभालो, फिर स्कूल जाओ और वहाँ 40 बच्चों की जिम्मेदारी उठाओ। ऊपर से अगर पति भी प्राइवेट सेक्टर में हो तो महीने की सैलरी से पहले ही घर का बजट गिरवी रख देना पड़ता है।

प्राइवेट शिक्षक की दुश्वारियां यहीं खत्म नहीं होतीं। सरकारी कैलेंडर कहता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की छुट्टी हैं, लेकिन प्राइवेट स्कूल कहता है कि आओ, झंडा फहराओ, भाषण दो, फिर हाजिरी लगाओ और जाओ। छुट्टी के दिन भी हाज़िरी की मजबूरी। अगर बीमार पड़ गए तो प्रबंधन कहेगा कि छुट्टी नहीं है, डिडक्शन लगेगा। शिक्षक का गला बैठ जाए, तब भी कहा जाता है कि क्लास तो लेनी ही होगी और कोई नहीं है। आज शिक्षक सिर्फ पढ़ाता ही नहीं है, बल्कि वह क्लास टीचर है, परीक्षा नियंत्रक है, अभिभावक संवाद अधिकारी है, व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन है, स्पोर्ट्स डे का आयोजक है और हर हफ्ते सेल्फी वाले वीडियो का संपादक भी। लेकिन जब सैलरी की बात आए तो कहा जाता है कि आप तो सिर्फ दो पीरियड पढ़ाते हैं। बच्चा अगर टॉप करे तो प्रिंसिपल प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है कि हमारे स्कूल का वातावरण ही ऐसा है। यदि बच्चा फेल हो जाए तो मास्टर की जवाबदेही तय होती है।

राज्य के सीएम हेमंत सोरेने को राज्य के कर्मियों की चिंता है। एसबीआई से हेमंत सोरेने के निर्देश पर राज्यकर्मियों के हित में हुआ समझौता। **साभारः अजय सानी**

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

मनसुख मांडवीय व संजय सेठ ने की छिन्नमस्तिके मंदिर में पूजा

रजरप्पा। केंद्रीय श्रम, युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीय एवं रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ शुक्रवार को मां छिन्नमस्तिके मंदिर में पूजा-अर्चना करने रजरप्पा पहुंचे। रजरप्पा पहुंचने पर यहां विधिवत रूप से मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर मां भगवती के आगे माथा टेककर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद नारियल बलि देकर पंडित सेठी पंडा द्वारा रक्षा सूत्र भी बंधवाए। वे मां छिन्नमस्तिके से देशवासियों के लिए सुखद और समृद्ध जीवन की कामना की। इस दौरान रजरप्पा जीएम कल्याणजी प्रसाद, रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रिखेश्वर सिन्हा की पुण्यतिथि मनी

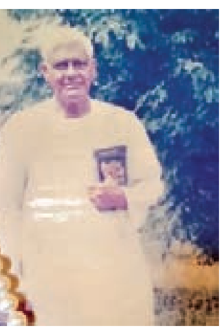

गोला(रामगढ़)। मां छिन्नमस्ता इंटर कॉलेज गोला के संस्थापक सचिव स्व. रिखेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ रिखु बाबू की 23वीं पुण्यतिथि शुक्रवारको महाविद्यालय परिसर में मनाई गई। उनके पौत्र सह कॉलेज के सचिव सुजीत सिन्हा ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इस दौरान कॉलेज के व्याख्याता आशीष कुमार मिश्रा, भोला कुमार महथा, मनोज कुमार झा, शिवशंकर तिवारी, संजीव कुमार सिन्हा, महरु रजवार एवं दिलीप रजवार मौजूद थे। पुलिस इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात उनका एक हीं लक्ष्य था कि किस तरह से इस पिछड़े हुए क्षेत्र में उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके। इसी प्रयास के तहत उन्होंने अपने निजी मकान में हीं 1965 में माँ छिन्नमस्ता कॉलेज की नींव रखी बाद में 2004 में इसे माँ छिन्नमस्ता इंटर कॉलेज का नया नाम दिया गया। सुजीत सिन्हा ने बताया कि उन्होंने जीवन पर्यन्त गरीब मेधावी छात्र/छात्राओं को काफी सहयोग किया तथा उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए मैं भी आर्थिक रूप से पिछड़े छात्र/छात्राओं की मदद करने का हरसंभव प्रयास करता हूँ एवं करुँगा।

रामगढ़ में जयराम महतो की सभा आज

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ इकाई के जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो शनिवार को 1:00 बजे सेवटा वार्ड नंबर 08,वीआरएल ग्राउंड रांची रोड रामगढ़ आयेंगे। उन्होंने बताया कि जयराम महतो जनसभा को संबोधित करेंगे। रमेश कुमार महतो ने कहा कि वे विस्थापित प्रभावित एवं मूल रैयतों की समस्याओं से रूबरू होंगे । कहा की कंपनी लगभग 60 सालों से संचालित है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर आज तक कंपनी ने ग्रामीणों के लिए कुछ भी नहीं किया है। सीएसआर के तहत मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं सहित रोजगार से भी स्थानीय लोगों को दूर रखा गया। आसपास का क्षेत्र प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित है। इसका दुष्प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है जिससे लोग विभिन्न प्रकार के बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। सेवटा ग्राम के सभी टोला एवं आसपास के ग्रामों से जैसे सेवटा, मरार ,रौता, पोचरा, दिग्वार , पैंकी , सुगीया, सांडी, तिलैया, बोंगाबार,धनहारा आदि के सभी लोगों को बहाली के समय रखा जाना, गली मोहल्ले में लाइट की समुचित व्यवस्था ,सुरक्षा परहरी में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता, खेलकूद एवं मनोरंजन आदि के लिए साधन ,विस्थापितों के जमीन को फैक्ट्री के अंदर कर लिया गया है, जिस पर किराया 50 वर्षों से पूर्व जो किराया था वही किराया दिया जा रहा है। जबकि आज जमीन एवं सभी वस्तुओं की कीमतों में 100 गुना वृद्धि हुई है।

गेमिंग बना बच्चों का खेल का मैदान

भुरकुंडा (रामगढ़)। कभी गलियों में क्रिकेट, लुका-छुपी और रस्सी कूद जैसे खेलों की गूंज होती थी। बच्चों की हंसी और शोर-शराबा मोहल्ले की रौनक बढ़ा देते थे। लेकिन आज तस्वीर बदल चुकी है। छात्र-छात्राओं में अब मोबाइल गेमिंग का क्रेज तेजी से बढ़ता जा रहा है, जिससे पारंपरिक घरेलू खेलकूद धीरे-धीरे पीछे छूट रहे हैं। जहां पहले स्कूल से आने के बाद बच्चे बैग पटक कर खेलने दौड़ते थे, अब वे सीधे मोबाइल की स्क्रीन में डूब जाते हैं। पबजी, फ्री फायर, माइन काफ्ट और अन्य ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों की नई दुनिया बन चुके हैं। ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों के मनोरंजन का स्वरूप बदल ही दिया है। मोबाइल गेमिंग बच्चों को आभासी दुनिया में ले जाती है जहां उन्हें नए मिशन, रैंकिंग और स्कोर का रोमांच मिलता है। तकनीक की आसान उपलब्धता, स्मार्टफोन और इंटरनेट अब हर घर की जरूरत बन चुके हैं। बच्चों को भी इन तक आसान पहुंच मिल चुकी है। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान स्कूल बंद रहे और बच्चे घरों में बंद रहे। इसी दौरान मोबाइल गेमिंग की आदत ने गहरी जड़ें जमा लीं। समय की कमी और सुरक्षा के कारण माता-पिता अब बच्चों को बाहर खेलने भेजने में हिचकते हैं, ऐसे में मोबाइल गेम ही बच्चों का नया साथी बन गया है। हालांकि इस आदत का दूसरा पहलू काफी चिंताजनक है। मोबाइल गेमिंग के कारण शारीरिक गतिविधि में कमी, बच्चों में मोटापा, आंखों की कमजोरी और थकान जैसी स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आज जरूरत है इस डिजिटल लत पर लगाम लगाने की। बच्चों की दुनिया फिर से आंगन और गलियों की तरफ लौटे, जहां हंसी-ठिठोली और दोस्ती के पल उनका इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए अभिभावकों को आगे आना होगा। समय देना होगा, और फिर से बच्चों को पारंपरिक खेलों से जोड़ना होगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल गेमिंग आज

हजारीबाग में पानी बना लिक्विड गोल्ड, मालामाल हो रहे कारोबारी

हर दिन हजारों लीटर पानी बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं माफिया

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। जब हजारीबाग की धरती प्यास से तप रही हो और हर गली-मोहल्ले में पानी की हाहाकार मची हो, तब कुछ लोग इस संकट को अवसर में बदलकर मालामाल हो रहे हैं। जी हां, बात हो रही है पानी के उस गोरखधंधे की, जिसने शहर में प्यास का व्यापार खड़ा कर दिया है। पानी अब हजारीबाग में सिर्फ जीवन नहीं, धंधा बन चुका है। गर्मी की शुरूआत होते ही शहर के कई इलाकों में नलों ने पानी देना बंद कर दिया। जिन घरों में पहले दिन में दो बार पानी आता था, अब वहां हफ्ते भर में एक बार भी पानी नहीं टपकता। इसी संकट ने जन्म दिया है टैंकर माफिया और जार सप्लायर्स की एक पूरी फौज को, जो प्यासे शहर को हर दिन हजारों लीटर पानी बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। 20 रुपये से लेकर 30 रुपये तक में बिकने वाले एक-एक पानी के जार की कोई शुद्धता की गारंटी नहीं है। कई स्थानों पर देखा गया है कि बिना किसी टेस्टिंग या फिल्ट्रेशन के सीधे बोरवेल का पानी जार में भरकर सप्लाई कर दिया जाता है। यह पानी पीने योग्य है या नहीं, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं होता। शहर में कई ऐसे अनधिकृत मिनरल वॉटर प्लांट चल रहे हैं, जो ना नगर निगम से पंजीकृत हैं, ना ही किसी स्वास्थ्य मानक पर खरे उतरते हैं। सवाल यह उठता है कि जब आम जनता को शुद्ध पानी देना सरकार की जिम्मेदारी है, तो फिर इस गैरकानूनी धंधे पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही? अभी तक जल विभाग, नगर निगम या स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस पानी माफिया पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। हालात ऐसे हैं कि पानी की सप्लाई देने वाले ये व्यापारी अब 'वाटर लॉर्ड' की तरह

व्यवहार करने लगे हैं। लोग मजबूरी में इनके तय किए गए दामों पर पानी खरीदने को मजबूर हैं। हजारीबाग में पानी अब सिर्फ जरूरत नहीं, एक मुनाफे का सौदा बन चुका है। लेकिन इस सौदे में सबसे बड़ा घाटा आम आदमी का है जो हर दिन अपनी सेहत, जेब और भरोसे से समझौता कर रहा है। आखिर कब तक प्यासे लोग इस गंदे धंधे का शिकार बनते रहेंगे?

नगर निगम मस्त, कुत्तों से जनता त्रस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शहर की सड़कों पर आवारा कुत्तों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। हर गली, हर मोहल्ले में कुत्तों के झुंड देखने को मिल रहे हैं।

लोग सुबह की सैर या शाम की खरीदारी के लिए भी डरते-डरते निकलते हैं। बच्चों का अकेले बाहर खेलना तो जैसे अब खतरे से खाली नहीं रहा। कई स्थानों से कुत्तों के काटने की घटनाएँ भी सामने आई हैं, लेकिन नगर निगम पूरी तरह से बेखबर या यूं कहें कि लापरवाह बना हुआ है। शिकायतों के बावजूद न तो कोई ठोस कार्रवाई हो रही है और न ही इन आवारा जानवरों की संख्या पर कोई नियंत्रण दिख रहा है। निगम द्वारा कुत्तों की नसबंदी या पकड़ने का अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ

रहा है। जबकि स्थिति यह है कि अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन की मांग भी बढ़ रही है। जनता सवाल पूछ रही है क्या नगर निगम सिर्फ टैक्स वसूलने तक ही सीमित रह गया है? अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। शहर की जनता अब कार्रवाई की मांग कर रही है, ताकि सड़कों पर सुरक्षा और शांति

एक एजेंसी को हॉयर करने की बात चल रही है, कुत्तों की बढ़ती आबादी पर रोक लगायेगा : नगर आयुक्त

बहाल हो सके। इस मामले पर नगर निगम आयुक्त ने कहा कि एक एजेंसी को हॉयर करने की बात चल रही है। जो कुत्तो की बढ़ती आबादी पर रोक लगाएगा। हालाकि सिर्फ कुत्तो को वैक्सीन देने या फिर उनके बंध्याकरण करने से काम नहीं बनने वाला। क्योकि जब तक एक बड़े लेवल पर इन आवारा कुत्तो के लिए शेल्टर होम नहीं बनेगा इनका आतंक सड़को पर जारी रहेगा। साथ ही नगर निगम को कुत्तो के मामले को लेकर एक हेल्पलाइन नंबर जारी करनी चाहिए ताकि अगर किसी को परेशानी हो रही हो तो वो हेल्पलाइन नंबर पर कांटेक्ट कर मदद मांग सके।

कटकमदाग के कूद में रूद्र महायज्ञ के लिए भूमि पूजन

कटकमदाग। श्री श्री 1008 रूद्र महायज्ञ सह शिव परिवार सह राम दरबार हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा कटकमदाग के ग्राम कूद में भूमि पूजन सह ध्वजारोहण हुआ। भूमि पूजन सह ध्वजारोहण में श्रद्धालुओं ने क्षेत्र भ्रमण किया। महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित अमित शास्त्री एवं कथा वाचक दिगम्बर शास्त्री वाराणसी ने यज्ञ स्थल के समीप देवी देवताओं की विधिविधान पूर्वक पूजा अर्चना की । भूमि पूजन में अध्यक्ष एवं सचिव अवध किशोर साव उमेश साव विजय साव सुदर्शन राणा मुन्ना राणा दिलीप साव पिंकू साव तिलक साव प्रदीप साव व सिकन्दर साव शामिल थे।

एनटीपीसी ने बिरहोरों को दिया साबुन, सर्फ व नाश्ता

कटकमसांडी। शुक्रवार को कटकमसांडी रेलवे डंपिंग यार्ड के समीप बिरहोर टंडा में आदिम जनजातियों के बीच एनटीपीसी की ओर से दैनिकोपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। सामग्रियों में साबुन, सर्फ, नाश्ते आदि शामिल थे। बता दें कि इसके पूर्व एनटीपीसी की ओर से बिरहोर बच्चों के बीच स्कूली बैग, कलम पेंसिल, चॉकलेट बिस्किट आदि सामग्री उपलब्ध कराया गया था। साथ ही, एक हजारवां रैंक भेजे जाने के मौके पर बिरहोरों को ठंड से निजात पाने के लिए कंबल भी दी गई थी। यह वितरण कार्यक्रम एनटीपीएस के अधीनस्थ कार्य कर रहे प्रणव नमन मिनिरल्स (पीएनएम) द्वारा की गई। यह सामग्री सारनेश्वर ट्रांसपोर्ट एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी (एसटीसीपीएल) के मुख्य अधिकारियों की उपस्थिति में वितरण किया गया। बताया गया कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े इन आदिम जनजातियों को सामाजिक सहयोग की नितांत आवश्यकता है। मौके पर अरूण पांडेय, आशीष सिंह, शैलेंद्र कुमार, गौतम ठाकुर, रोहित पांडेय, विकास सिंह, अनुज ठाकुर, अजीत पांडेय, शंकर सिंह, रौशन पांडेय, विपिन पांडेय आदि उपस्थित थे।

बरही के ओरपरता में निकली कलश यात्रा

बरही। ओरपरता में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 महारुद्र शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री विश्वकर्मा भगवान प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भव्य कलश यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं शामिल हुए। विधायक मनोज यादव ने श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया।

विधायक मनोज यादव ने इस तरह के आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। वहीं कहा कि महायज्ञ से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आती है ।गाजे - बाजे के साथ निकली कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था देखने योग्य थी। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष मुखिया विजय यादव, मो. कयूम, मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, गुरुदेव गुप्ता, भुनेश्वर यादव, उप मुखिया बलराज यादव, पंसस प्रतिनिधि बिहारी यादव, अध्यक्ष नंदलाल राणा, सचिव बालकिशोर यादव, कोषाध्यक्ष कैलाश यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, उपसचिव अशोक सिंह, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, राजेश यादव, अशोक सिंह, रंजीत दवन, अंगेश यादव, पिंटू राणा, त्रिलोकी राणा, नन्द लाल राणा, मुकेश यादव, कमलदेव सिंह, शिवाली सिंह, चन्द्रिक सिंह, महेश यादव, बालकिशोर यादव, सुदामा यादव, अनिल यादव, बसन्त यादव आदि काफी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल थे।

1008 महारुद्र शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा।

कैथोलिक चर्च भुरकुंडा में मना गुडफ्राइडे

विशेष प्रार्थना सभा, क्रूस का चुम्बन व परम प्रसाद वितरित

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। ईसाई समुदाय के लिए बेहद पवित्र दिन गुड फ्राइडे के अवसर पर शुक्रवार को भुरकुंडा पटेलनगर स्थित कैथोलिक आश्रम चर्च में विशेष धर्मविधि आयोजित की गई। इस अवसर पर चर्च में प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने और उनके द्वारा मानव जाति के लिए दिए गए बलिदान को श्रद्धा और भक्ति के साथ याद किया गया। मुख्य अनुष्ठाता फादर बरनाबस खलखो ने अपने उपदेश में कहा, ह्यप्रिय भाइयों एवं बहनों, आज की धर्मविधि की मुख्य घटना पवित्र क्रूस पर प्रभु यीशु मसीह के दुःख भोग और मरण का स्मरण करना है। यही दिन हमें उनके प्रेम, बलिदान और क्षमा के संदेश की याद दिलाता है।

इस अवसर पर चर्च में क्रूस के रास्ते की विधि पूरी श्रद्धा से संपन्न की गई। जिसमें प्रभु के पिलातुस के महल से लेकर कब्र में रखे जाने तक के 14 पड़ावों को स्मरण किया गया। इसके पश्चात क्रूस का चुम्बन और परम प्रसाद का वितरण किया गया। अंत में सामूहिक आशीर्वाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पवित्र धर्मविधि में फादर सेबरेन लकड़ा, फादर मरिया लुईस, फादर थॉमस सहित प्रदीप खलखो, पात्रिक मिंज, सुधीर मिंज, अनिश बाडा, बासिल कुजुर, राजेश पांडेरवानी, जुस्टिन बारा, अमृत जॉनशन लकड़ा, इरेनियुस गिद्ध, इग्नाशियुस किंडो, जुलिता एक्का, रजनी डुंगडुंग, रजनी बागे, जोसेफ ओडेया, प्रीतम तिग्गा, रणवीर मिंज, अमन तिग्गा, बेरोनिका तोपनो, फुलमनी गुड़िया, राशेल तिग्गा, अमन कुजुर, आशीष कुजूर, प्रमोद कुजुर, नम्रता तिग्गा, अनिल लकड़ा सहित दर्जनों मसीही परिवार उपस्थित थे।

एक नजर में

बरकट्ठाः फायरिंग मामले में दो गिरफ्तार

बरकट्ठा। गोरहर थाना क्षेत्र के बंडासिंगा शिव मंदिर के पास गुरुवार शाम हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने तत्परता से उद्भेदन कर लिया है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान बेल्कप्पी गांव निवासी शेषनाथ सिंह (पिता- लक्ष्मी सिंह) और विक्रांत पाण्डेय (पिता- स्व. केदार पाण्डेय) के रूप में हुई है। बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार बिमल ने बताया कि घटना में बंडासिंगा निवासी अनूप यादव (25 वर्ष, पिताझ्रबैजनाथ यादव) गंभीर रूप से घायल हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने छापेमारी कर घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और पिस्टल को भी बरामद कर लिया है। शुरूआती पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते गोली चलाने की बात स्वीकार की है। वहीं, इस मामले में शामिल अन्य तीन आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम बिहार तक पहुंच चुकी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किए जाने की संभावना है।

छात्रों को जल संरक्षण की दिलायी गयी शपथ

बरही। झारखंड शिक्षा परियोजना और यूनिसेफ के संयुक्त प्रयास से जल पखवाड़ा 2025 की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में बरही प्रखंड के कोल्हुआकला पंचायत स्थित तिलैया बस्ती में उत्क्रमित मध्य विद्यालय में गुरुवार को जल संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कुमारी निर्मला पंडित ने छात्रों को जल जनित बीमारियों, स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसका उद्देश्य लोगों को पानी के महत्व से अवगत कराना और उसे बचाने के लिए प्रेरित करना है।प्रधानाध्यापिका ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के तहत विद्यालय में इको क्लब की मदद से तीन अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं और शिक्षक मौजूद थे।

बरही में बढ़ रही है गुंडागर्दी : विजय यादव

बरही। बरही प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि गुरुवार को बरकट्ठा के बंडासिंघा में हुई गोलीबारी से सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। गुंडों में पुलिस का खौफ कम होता जा रहा है। यही कारण है कि लगातार गुंडागर्दी की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस सिर्फ गश्त का हवाला देकर हाथ पर हाथ धरे बैठी है। बरही में भी चोरी और डकैती जैसी घटनाएं अभी तक अनसुलझी हैं और इस तरह गोलीबारी, बंदूक दिखाकर दहशत फैलाना और बीच सड़क पर किसी पर जानलेवा हमला करने जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। शहर और ग्रामीण इलाकों में कानून व्यवस्था भी समझ से परे है। जिससे आम आदमी की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है? कुछ दिन पहले बरही गया रोड स्थित मधुलिका ट्रेडर्स से दोपहर में 4 लाख कैश की चोरी हो गई थी। जिससे शहर में दहशत का माहौल बन गया है। वहीं सुरक्षा के नाम पर पुलिस की गाड़ियां शहर में सायरन बजाती नजर आती हैं। यह शहर की सुरक्षा की गारंटी का दिलासा देने जैसा लगता है। इसके अलावा अन्य घटनाओं को लेकर भी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती है।

स्टेकहोल्डर कार्यशाला व प्रशिक्षण संपन्न

कटकमदाग। पसई पंचायत भवन में शुक्रवार को झारखंड सरकार के वन विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन और हम : एक पहल समाधान की ओर विषय पर एक दिवसीय स्टेकहोल्डर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पसई पंचायत भवन में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर स्थानीय समुदाय, किसानों, महिलाओं एवं जनप्रतिनिधियों को जागरूक करना तथा समाधान की दिशा में सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। यह आयोजन असर, पंच सफर एवं सिद्धा संस्थाओं के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान नेशनल मिशन ऑन स्ट्रेटेजिक नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज के तहत जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों पर गहन चर्चा की गई। प्रशिक्षण का संचालन विशेषज्ञ गुलाब चंद्र प्रजापति, ओमकार एवं उज्ज्वल सहाय द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की अवधारणा, इसके कारणों, प्रभावों और समाधान के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामुदायिक सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय समस्याओं और उनके समाधान पर संवाद किया गया। प्रतिभागियों ने प्रश्नावली भरकर लिखित सुझाव भी दिए। मुखिया परमेश्वर गोप, भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष इंद्रनारायण कुशवाहा, पसई के पूर्व पंसस कुमारी किरण वर्मा आदि ने जलवायु परिवर्तन के कारण व समाधान पर विचार दिया। मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष कविंद्र यादव, पृथ्वीराज चौहान, दिलचंद प्रसाद, धीरज राणा, संजीत दिवाला तुफानी, जागेश्वर प्रसाद, संजय प्रजापति, महेश प्रसाद, शकुंतला देवी, द्रौपदी देवी, प्रभा वर्मा, जरीना खातून, उषा देवी, महेंद्र प्रसाद, तपेश्वर प्रजापति, लक्ष्मी देवी, संजू देवी, गणेश प्रसाद सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में मिले ज्ञान और विचारों को अपने समुदाय में लागू करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में देखा गया।

दुनिया की विरासत को संभाल कर रखें

संघर्षों और आपदाओं की मार झेलते हुए भी सांस्कृतिक विरासतें आज भी मानव सभ्यता की पहचान बनाए हुए हैं। लेवंत क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरें, जो कभी समृद्ध संस्कृति की प्रतीक थीं, आज युद्ध की राख में दबती जा रही हैं। बावजूद इसके, इन धरोहरों को बचाने की वैश्विक कोशिशें उम्मीद की किरण बनकर सामने आ रही हैं। विश्व विरासत दिवस हमें यह विश्वास दिलाता है कि शांति की राह पर चलकर हम फिर से अपने अतीत की भव्यता को जीवंत कर सकते हैं।

डॉ. एस.डी. वैष्णव

सांस्कृतिक धरोहरें मानव जाति को अतीत से विरासत में मिलती हैं, जिनके साथ प्रत्येक देश का अपना एक समृद्ध इतिहास जुड़ा होता है, जो वैश्विक संस्कृतियों की सुंदरता में इजाफा करता है। वैश्विक धरोहरें हमारी सभ्यता और उनके सांस्कृतिक महत्व को भावी पीढ़ियों के सामने इस तरह रखती हैं कि वे इनके संरक्षण और सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा सके। यूनेस्को इसी ध्येय को लेकर निरंतर प्रयासरत रहा है। लेकिन, इक्कीसवीं सदी मानव निर्मित विनाशक स्थितियों से गुजर रही है। इसका सीधा प्रभाव वैश्विक धरोहरों पर पड़ रहा है। इस बार विश्व विरासत दिवस की थीम ह्यआपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासत है।

इन दिनों युद्धों के कारण मध्य-पूर्व का लेवंत क्षेत्र जिसमें इस्राइल, फलस्तीन, लेबनान, सीरिया आदि आते हैं, वहां की सांस्कृतिक धरोहरें बहुत प्रभावित हुई हैं। इस्राइल-हमास युद्ध के कारण गाजा पट्टी तो खंडहरों में तब्दील हो चुकी है। गाजा पट्टी में स्थित है सेंट हिलारियन मठ, जिसे टेल उम्म आमेर भी कहा जाता है। यह एक वैश्विक धरोहर है। बलाखिया या एंथेडन एक

सांस्कृतिक स्थल और वादी गाजा या गाजा क्रीक एक प्राकृतिक विरासत स्थल है, ये सभी युद्धों के साये में दम तोड़ रहे हैं। इधर सीरिया लगातार गृह युद्धों में जल रहा है। दमिश्क का प्राचीन शहर, वहां की ग्रेट मस्जिद और अय्यूबिड गढ़ अपनी विशाल रक्षात्मक वास्तुकला और प्रांगण के लिए, पाल्मेरा शहर सिल्क रोड नेटवर्क के लिए और रोमन कालखंड के अवशेषों के लिए प्रसिद्ध बोसरा का प्राचीन शहर आदि सांस्कृतिक विरासतें सीरियाई ऐतिहासिक चेतना में अपना विशेष महत्व रखती हैं। बशर अल-असद के तख्तापलट के बाद से दमिश्क और उसके आसपास के शहरों पर इस्राइल की बमबारी लगातार जारी है।

उधर एक अस्थिर अतीत के साथ लेबनान हमेशा संघर्षों का पर्याय रहा है। राजधानी बेरूत तो पौराणिक कथाओं में फीनिक्स के रूप में जाना जाता है। इतिहास प्रेमियों के लिए स्वप्ना रहा प्राचीन मध्य-पूर्व का यह देश कभी गृह युद्ध, कभी बंदरगाह पर भयंकर विस्फोट, राजनीतिक अस्थिरता, निरंतर नागरिक अशांति, कभी पेजर ब्लास्ट और अब इस्राइल के साथ युद्ध के चलते ताश के पत्तों की तरह बिखर रहा है। अपने सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य के कारण लेबनान कभी अपने समकक्ष देशों को टक्कर देता था। लेकिन अब अतीत के उस सुनहरे युग की वास्तुकला भी खत्म हो रही है। देखा जाए, तो 1975 के सिविल वॉर के बाद से पूरा लेबनान जैसे युद्ध भूमि के रूप में इस्तेमाल होता रहा है।

लेबनान में कई यूनेस्को विश्व विरासत स्थल भी हैं, जिनमें बालबेक, बायब्लोस, टायर, केदिशा घाटी, अंजार और त्रिपोली में स्थित रशीद करामी अंतर्राष्ट्रीय मेला विश्व विरासत सूची में शामिल हैं। बालबेक लेबनान का पूर्वी शहर है, जो प्राचीन रोमन वास्तुकला के लिए जाना जाता है। भूमध्य सागर किनारे दक्षिणी लेबनान में स्थित टायर शहर के खंडहरों को 1984 में विश्व धरोहर घोषित किया गया। इस्राइल के हिज्बुल्लाह के साथ युद्ध के चलते लेबनान की वैश्विक धरोहरें नष्टप्राय हो रही हैं। बेरूत लेबनानी गृह युद्ध के लिए एक संग्रहालय और स्मारक के रूप में कार्य करता है। बेरूत कभी अरब देशों के शरणार्थियों के लिए मिडिल-ईस्ट का ह्यपेरिसह्ण कहलाता था। लेबनान की धार्मिक और जातीय विविधता यानी पूर्व और पश्चिम की परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण इसकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान बनाती है।

इस्राइल में तेल अवीव, हाइफा और पश्चिमी गैलीली में बहाई पवित्र स्थान और बाइबल टेल्स, बेत गुवरिन-मारेशा राष्ट्रीय उद्यान, एकर का पुराना शहर तथा यहूदी रेगिस्तान के पूर्वी किनारे पर स्थित मसादा का प्राकृतिक किला जो रोमन सेना के सामने यहूदियों के अंतिम प्रतिरोध का प्रतीक रहा है, इन पर भी ईरानी प्रोक्सी थ्री एच की ओर से लगातार मिसाइल और रॉकेट हमले होते रहे हैं। मध्य-पूर्व में चल रहे युद्धों की इस मटमैली राख से लेवंत का अर्थशास्त्र शांति का स्थाई समाधान कभी नहीं खोज सकता।

गुरु ही ज्ञान और ज्ञान के बाद भक्ति-मुक्ति करा सकते हैं

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

हम द्वैत कैसे हैं? हम अद्वैत कैसे हैं? सत्य दो नहीं होता है। अनुभव से हम द्वैत है और व्यवहार में अद्वैत हैं। यहअनुभव है इसे काटा नहीं जा सकता है। सत्य सर्वव्यापक है। मुझे कोई पराया नहीं लगता है। गुरु से मिला ज्ञान कहीं दूसरे स्थान पर प्राप्त ज्ञान से बहुत व्यापक होता है। मुझे जो ज्ञान मेरे गुरुदेव सरकार से प्राप्त हुआ वह कहींऔर प्राप्त हो ही नहीं सकता था।

राम ही केवल प्रेम प्यारा
एक राम दशरथ का बेटा
एक राम घर-घर में लेटा
एक राम का जगत पसारा
एक राम है सबसे प्यारा

हमारे सरकार स्वामी जी महाराज का एक मात्र चिंतन था संसार से दुख कैसे समाप्त हो। तन-मान और धन की शक्ति सीमित होती है। यह शक्ति दुनिया मेंलगती है। पिता आपको वैश्य, शुद्र, ब्राम्हण औरक्षत्रिय बनाता है। गुरु आपको भक्ति युक्त और संसार के जंजालों से मुक्त बनाता है। भक्ति में दुनिया का सबसे बड़ा आनंद है।

गुरु ही ज्ञान और ज्ञान के बाद भक्ति मुक्ति करा सकते हैं।

किसी भी निर्माण की प्रकिया छोटे से आंरभ होती है। धीरे-धीरे आंरभ होकर वह प्रकिया बड़ा रुप ले लेती है। काई भी प्रकिया में आंरभिक तेजी हार का कारण भी बनती है। व्यवहार जगत में मैराथन दौड़ वही जीतता है जो आंरभ में अपनी उर्जा बचाता है और अंतिम में अपनी पूरी उर्जा लगा देता है। धर्य से ही निमार्ण होता है। भक्ति का निमार्ण भी जीवन में धर्य से ही होता है।

राम के जीवन में भी धर्य असीम था। वे शिक्षा प्राप्त करने के बाद पूरे देश के तीर्थो का भ्रमण करने के बाद भी चिंतन में ही थे। ब्रंह्म ज्ञान के लिए मिला जीवन किस ओर जा रहा है। कोई तो मिले जो हमें इस बात को बताये। इसी बीच गुरु विश्वमित्र यज्ञ की रक्षा के लिए उनसे मिलने आये तब उन्होंने उन्हें ज्ञानी मानकर अपनी समस्या बतायी। तब विश्वमित्र ने कहा कि गुरु वशिष्ठ के होते मैं क्या समझा सकता हूं। वे हमारे भी गुरु हैं और हमने जो कुछ ज्ञान हासिल किया है वे उनकी कृपा से हो सकी है। राम समझते थे कि वशिष्ठ तो उनके कुल के गुरु हैं एक सामान्य पूजा-पाठ करने वाले व्यक्ति है। लेकिन जब उन्हें मालूम हुआ तब वे वशिष्ठ के पास गये और पूछा की आप ब्रम्ह्य ज्ञानी है यह बात हमें पता नहीं था। आपने उस स्तर का ज्ञान मुझे क्यों नहीं दिया। वशिष्ठ ने कहा आपकी जिज्ञासा आज परिपक्व हुई है इसलिए आज मैं आपको ज्ञान दूंगा। आदमी जो भी जप-तप-ज्ञान करता है उससे जिज्ञासा पैदा होना चाहिए। यह जिज्ञासा ज्ञान का होगा। ज्ञान के लिए गुरु स्थान और गुरु की भूमिका होगी। यही ज्ञान हर काल में रहा है सिर्फ स्थान और व्यक्ति बदल गये हैं। राम के काल में गुरु वशिष्ठ, कृष्ण के काल में दुर्वासा और आधुनिक काल में स्वामी रामकृष्ण परमहंस और विवेकानंद, स्वामी परमहंस दयाल जी और स्वामी जी ने ज्ञान को संरक्षित किया प्रचार और प्रसार किया। योग्य पात्र को खोजा और उन्हें प्रदान किया। धन से ज्ञान खरीदा नहीं जा सकता है। ब्रंम्हचर्य, गृहस्थ,वानप्रस्त और सन्यास चार अवस्था से मनुष्य गुजरता है। गृहस्थी के लिए भी सन्यास की अवस्था है। जीवन के सभी जवाबदेही निभाते हुए सन्यासी का जीवन भरत ने जीया था। योग्य, अतियोग्य व्यक्ति का मिलने का क्रम जारी रहता है। पूर्ण समर्पण से ज्ञान का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रकृति में भी इसका उदाहरण है। यमुना का गंगा में समर्पण के बाद यमुना पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। गंगा सागर में मिलकर समर्पित हो जाती है। इसी प्रकार पूर्ण समर्पण से ही ज्ञान मिल सकता है जिसके बाद कुछ भी पाना शेष नहीं रह जाता है।

लोग समाजिकता भूलते जा रहें हैं।

आज हमारे परिवार, समाज में हम और हमारे समाजिकता भूल रहें हैं। विगत वर्ष का स्मरण हो रहा है जब स्वामी जी परमहंस उपस्थित महात्मा शब्दयोगानंद से पूछते हैं आपको सत्तु खाना आता है। वो कहते हैं जी मुझे आता है। स्वामी जी बताते हैं कि सत्तु खाना भी एक कला है। ऐसा सत्तु खाना चाहिए कि न अंगुलियों में लगे न थाली में। साथ ही महात्मा शब्दयोगानंद को कहते हैं कि हमारे आश्रम में जो सत्तु न खाना जानते हैं उन्हें आप सिखाइयेगा।

स्वामी जी की के इस अविस्मरणीय संवाद समाज को लेकर उनकी सजगता, उनका दायित्व, उनके भक्ति प्रवाह को जीवंतता प्रदान का उदेश्य निहित है उसे सामान्य बुद्धि से समझ पाना असंभव है। समाज में जिस प्रकार हम भौतिक सुख सविधाओं के प्रति आसक्त होते जा रहें हैं उसके प्रति सचेत करते स्वामी जी कहते हैं आप सत्तु खाना नहीं भूल रहें है अपनी जड़ों से कट रहें हैं। ब्रह्म विद्या का केन्द्र छोटका राजपुर बक्सर से स्वामी जी पूरे विश्व को चेतना का संदेश दे रहें हैं। भारत के इस अद्धितीय ब्रह्म ज्ञान को जिस प्रकार छपरा के संत परमहंस दयाल ने जिस प्रकार कलियुग में प्रज्ज्वलित किया उस ज्ञान को पूरी गति से चहुं ओर फैला रहें हैं। अनवरत बिना एक दिन रूके, बिना थके और साथ में महात्माओं की एक समर्पित टोली। स्वामी जी ने रांची के प्रवास के क्रम में जिस प्रकार ज्ञान गंगा प्रवाहित किया वैसा विरले ही प्राप्त होता है। जिस तत्व ज्ञान के भारत विश्व गुरु था वही ज्ञान परमहंस दयाल ने प्राप्त किया। वही ज्ञान काशी के गढ़वा घाट स्थान से आगे बढ़कर स्वामी शिवर्धमानंदजी महाराज के माध्यम से बिहार के एक छोटे से दियारा के गांव छोटका राजपुर में आया। प्रकृति और पुरुष के इस मिलन को पूरे ब्रह्माण्ड ने स्वीकारा। वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहंस बताते हैं कि किस प्रकार इस अद्धितीय दिव्य तत्वज्ञानी ने संसार को दिव्य ज्ञान से भेंट कराया। हर पल अपने सदगुरु के विराट स्वरूप को स्मरण करते स्वामी जी बताते हैं एक बार जब स्वामी शिवर्धमानंद जी को गांव के लोगों ने बक्सर स्थिति लिट्टी बनाने के एक सामाजिक कार्यक्रम में ले जाने की इच्छा प्रकट की तो उन्होंने स्वीकार कर लिया। योजना बनी कि भजन कीर्तन करते हुए गंगा नदी में नाव से राजपुर से बक्सर चला जाए। स्वामी जी का ह्दय इतना विशाल था कि वे किसी को न नहीं कहते थे। शादी, तिलक, कथा यहां तक की एक बार तो लोगों ने उन्हें बक्सर सिनेमा तक दिखाने की इच्छा प्रकट की तो भक्त वत्सल स्वाजी ने मना नहीं किया। बक्सर जाने के क्रम में नाव धीरे चलने पर स्वामी जी ने मल्लाह से कहा कि थोड़ा तेज चलाव। मल्लाह ने कहा कि आप साधु हैं तो हवा बदल दें हम पाल लगा देंगे। कुछ ही देर में हवा बदल गयी। पाल लग गया। सभी गुरु महाराज स्वामी महाराज के दिव्य अलौकिक सार्मथ्य की अनुभूति से गदगद हुए।

जो जीवन नईयां के उद्धार के लिये पृथ्वी पर प्रकट हुए संत हैं प्रकृति उनकी दासी होती है। बुद्धि से इसे समझा नहीं जा सकता इसे समर्पण और भाव से जाना जा सकता है। वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहसं आज जिस प्रकार संसार को सत्तु खाने को सिखा रहें है यह संकेत है कि हमारे दोषपूर्ण जीवन शैली से हमारे विचार और हमारी समझ जीवन के उदेश्यों को पूरा करने में बाधा खड़ी कर रही है। विगत दो दशक से पूरे देश में सत्य सनातन ब्रह्म ज्ञान को जिस उदारता से सभी के लिये उपलब्ध कराते हैं यह जीव के जीवन के उदेश्य को पूरा करता है। पूरे देश में घूम-धूम कर सभी को भोग की निद्रा से जगाते स्वामी जी की वाणी को पकड़ लेना ही प्राणी मात्र के लिये कल्याणकारी होगा। स्वामी जी हर साल चैत पूर्णिमा के अगले दिन टेकारी से रांची आते हैं।

इस वर्ष भी पधारें हैं। 21 अप्रैल तक स्वामी जी सुबह और शाम भक्तों को ज्ञान- भक्ति की बात समझाते हैं। विगत तीन दशक से स्वामी जी लगातार जीव के कल्याण में लगे हैं। स्वामी जी के वाणी को शब्दों में लिखने का प्रयास मैं करता हूं यह प्रेरणा भी स्वामी जी की है।

प्रस्तुतिः मुरलीधर

पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने का लें संकल्प

मनोज कुमार

पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल की थीम है ग्रह बनाम प्लास्टिक।

प्लास्टिक कचरा एक बड़ी पर्यावरणीय चुनौती बन गया है, जिसका हमारे पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है। 22 अप्रैल को मनाए जाने वाले इस साल के पृथ्वी दिवस की थीम है ₹ग्रह बनाम प्लास्टिक। अर्थ डे.ओआर जी इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जो 2040 तक सभी प्लास्टिक के उत्पादन में 60 प्रतिशत की कमी लाने और प्लास्टिक-गहन फास्ट फैशन उद्योग को समाप्त करने की मांग कर रहा है।

पृथ्वी दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी की संरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जागरूक करना है। यह दिन विभिन्न तरीकों से दुनिया भर में मनाया जाता है, जैसे कि पौधरोपण, पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शन, आदि। पृथ्वी दिवस का मुख्य संदेश है कि हमें प्रकृति के साथ संतुलन में रहना है और हमें अपने पर्यावरण की देखभाल करनी चाहिए। इस दिन के माध्यम से, हमें यह याद दिलाया जाता है कि हमें प्रकृति के साथ एक संतुलित और सहयोगी संबंध बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि हम समृद्धि और सुरक्षा के साथ जीवन जी सकें।

पृथ्वी दिवस की शुरूआत 1970 में हुई थी, जब एक गैर-सरकारी संगठन ने पृथ्वी के पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए इसे मनाने का निर्णय किया। उस समय से लेकर, पृथ्वी दिवस प्रतिवर्ष अधिक लोगों और संगठनों द्वारा मनाया जाता है, और यह एक महत्वपूर्ण अवसर बन चुका है जब मानव समुदाय प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों को दोबारा सोचता है।

पर्यावरण संरक्षण एजेंसी की स्थापना 1970 में पहले पृथ्वी दिवस समारोह के बाद की गई थी। 1990 में, 141 देशों में 200 मिलियन लोगों को संगठित करके पृथ्वी दिवस एक वैश्विक घटना बन गया। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और 120 अन्य देशों ने विश्व पृथ्वी दिवस 2016 पर ऐतिहासिक पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे 2015 में पेरिस में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में उपस्थित 195 देशों की आम सहमति से अपनाया गया था। पृथ्वी दिवस सप्ताह के दौरान, कई समुदाय ऐसी

गतिविधियों में संलग्न होते हैं जो मानव जाति के सामने आने वाले पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। पृथ्वी दिवस 2020 (50वीं वर्षगांठ) पर, दुनिया भर में लगभग 100 मिलियन लोगों ने विश्व पृथ्वी दिवस मनाया। इस आयोजन को अब इतिहास में सबसे बड़ा ऑनलाइन सामूहिक जुटान कहा जाता है।

विश्व पृथ्वी दिवस का महत्व

हालाँकि पृथ्वी की रक्षा करना पृथ्वी दिवस का एक निरंतर विषय रहा है, लेकिन कार्रवाई का आह्वान साल दर साल और भी जरूरी होता जा रहा है। अगस्त 2021 में, जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट प्रकाशित हुई। यह नवीनतम रिपोर्ट इतनी परेशान करने वाली थी कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इसे ₹मानवता के लिए एक चेतावनी₹ कहा।

पृथ्वी दिवस के आयोजन के माध्यम से, विभिन्न संगठन, सरकारी विभाग, शैक्षिक संस्थान, और व्यक्तिगत स्तर पर लोग पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाने और इसे समर्थन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इन कार्यक्रमों में, प्रदर्शन, सेमिनार, पौधरोपण, कचरा संग्रह अभियान, पर्यावरण शिक्षा के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता, आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

पृथ्वी दिवस के माध्यम से लोग प्रकृति के महत्व को समझने के साथ-साथ, उसकी रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध होते हैं। वे पृथ्वी के अनुपातित संसाधनों का उपयोग कम करने, प्रदूषण को कम करने, और पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए कई कदम उठाते हैं।

पृथ्वी दिवस के महत्व को समझते हुए, सरकारें और संगठन भी पृथ्वी के पर्यावरणीय

संरक्षण के लिए नीतियों और कदमों को बढ़ावा देते हैं। वे नई और नई प्रोजेक्ट्स की शुरूआत करते हैं, पौधरोपण के लिए अभियान चलाते हैं, प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपाय अपनाते हैं, और जनता को पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाते हैं।

इस पृथ्वी दिवस पर, हमें यह सोचने का अवसर मिलता है कि हम अपने समुदाय और पर्यावरण के लिए क्या कर सकते हैं। हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ानी चाहिए, जैसे कि ऊर्जा की बचत करना, पर्यावरण के लिए साइकिल या कार-पूलिंग का प्रयोग करना, और प्लास्टिक और अन्य कचरे का सही तरीके से निस्तारण करना।

आखिरकार, पृथ्वी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी पर्यावरण के हिस्से हैं और हमें इसकी देखभाल करने का दायित्व है। इसके साथ ही, यह हमें एक साथ आगे बढ़ने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने का मौका भी देता है।

गुस्सैल लाइफपार्टनर के साथ ...

रवि सिन्हा

अगर आप रिलेशनशिप में हैं और आपके पार्टनर को हर छोटी-बड़ी बात पर गुस्सा आता है । अगर आपके पार्टनरको बिना बात के भी गुस्सा आता है तो आपका परेशान होना लाजिमी है। ऐसे में कई बार पार्टनर को हैंडल करने का तरीका भी समझ में नहीं आता है आप चाहें तो अपने गुस्सैल पार्टनर को डील करने के लिए इन टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हो सकता है कि वो बिना बात के न भड़क रहे हों। उन बातों और स्थितियों पर गौर कर उनका आकलन करें ताकि आप जान सकें कि उनको कब और क्यों गुस्सा आता है। कोशिश करें कि वैसे हालात बनें ही न, जिनसे आपके पार्टनर को गुस्सा आता ह। 2. अगर आपकी कोई हरकत या आदत पार्टनर को कम पसंद है तो उन्हें उनके सामने करने से बचें। इसका यह मतलब नहीं है कि आप खुद को बदल दें पर उनके सामने अवॉइड करना ही बेहतर रहेगा। 3. ऐसे लोग हमेशा दूसरों की कमियां गिनाते रहते हैं। दूसरों पर आरोप लगाना और कॉन्ट्रोवर्सी क्रिएट करने में इन्हें बहुत मजा आता है। बेहतर रहेगा कि आप उनकी गैरजरूरी बातों का कोई जवाब ही न दें। 4. कई लोग इसी वजह से डिप्रेशन में रहते हैं कि उन्हें सुनने-समझनेवाला कोई नहीं होता है। जब वे गुस्से में हों तो उनकी मानसिक स्थिति को समझकर उनकी बात सुन लीजिए. हो सकता है कि धीरे-धीरे उनका गुस्सा कम हो जाए। 5. जब पार्टनर का मूड अच्छा हो तो उनसे बात करें। उन्हें उनकी गलत आदत और व्यवहार के बारे में बताएं। उन्हें समझाएं कि उनके ऐसे व्यवहार से आपको कितनी तकलीफ होती है। इससे उन्हें भी अपने खराब व्यवहार को समझने में मदद मिलेगी।

6. गलती हो तो मानने से न झिझकें। इससे भी आपके पार्टनर का गुस्सा कम हो जाएगा। जब भी बात गलती की हो तो अपने ईगो को एक तरफ रख दें। इससे बात तुरंत संभल जाएगी। 7. जब भी पार्टनर को गुस्सा आए तो रिएक्ट करने या उन्हें चुप कराने की कोशिश के बजाय उन्हें थोड़ा टाइम दें।

भारत के इन प्रसिद्ध मंदिरों में भी विराजमान हैं भगवान राम

बासुकीनाथ पाण्डेय

अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है और वहां का मंदिर विश्वविख्यात है, लेकिन भारतवर्ष में कई ऐसे प्राचीन व भव्य मंदिर हैं जहां रघुनंदन की पूजा अत्यंत श्रद्धा से होती है। भारत के कोने-कोने में भगवान की उपस्थिति सिर्फ मूर्तियों तक सीमित नहीं है बल्कि जनमानस में रचे-बसे हैं श्रीराम। उनकी जीवन गाथा से जुड़े स्थलों पर बने ये मंदिर ना केवल धार्मिक भावना को प्रकट करते हैं बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक हैं।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण ने रामभक्तों को गर्व और श्रद्धा से भर दिया है। साथ ही देशभर के ये राम मंदिर भी रामनाम की गूंज को सदा जीवित रखते हैं।

रामेश्वरम मंदिर (तमिलनाडु)

रामेश्वरम मंदिर भले ही शिवजी को समर्पित है, लेकिन इसका श्रीराम से गहरा संबंध है। मान्यता है कि लंका पर चढ़ाई से पहले श्रीराम ने यहीं से सेतुबंध (रामसेतु) का निर्माण कराया था। यहीं उन्होंने शिवलिंग की स्थापना कर शिवजी की पूजा की थी।

कोदंड रामास्वामी मंदिर (रामेश्वरम, तमिलनाडु)

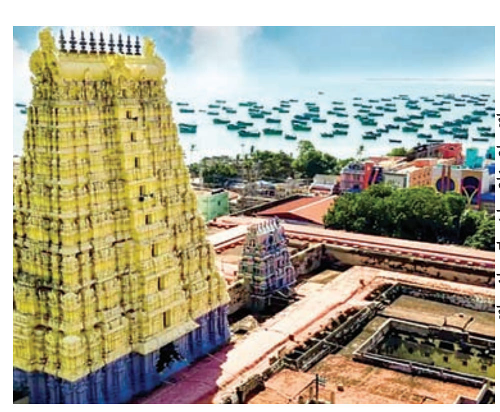

यह मंदिर विशेष रूप से श्रीराम को समर्पित है। इसमें श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी की मूर्तियां हैं। साथ ही विभीषण की भी मूर्ति है। कहा जाता है कि यहीं पर श्रीराम ने विभीषण को लंका का राजा घोषित किया था।

बद्रीनाथ मंदिर (उत्तराखंड) श्रीराम की पदचिन्ह

बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित है। हालांकि श्रीराम विष्णु के अवतार होने के कारण यहां उनकी विशेष मान्यता है। कई तीर्थ यात्री बद्रीनाथ को राम-नाम जाप के साथ यात्रा का हिस्सा मानते हैं।

औंधा नागनाथ मंदिर (महाराष्ट्र)

यह मंदिर शिवजी को समर्पित है, लेकिन इसके पीछे श्रीराम की कथा है। कहा जाता है कि वनवास के दौरान श्रीराम यहां आए थे और उन्होंने शिवलिंग की स्थापना कर पूजा की थी। इस कारण यह स्थान रामभक्तों के लिए भी महत्व रखता है।

चित्रकूट (उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश सीमा)

चित्रकूट वह स्थान है. जहां श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने वनवास का लंबा समय बिताया था। यहां का कामदगिरि पर्वत, रामघाट, और भरत मिलाप मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध हैं। चित्रकूट को ह्लराम की तपोभूमिह्व भी कहा जाता है।

हनुमान गढ़ी (अयोध्या के पास)

हालांकि यह अयोध्या में ही है, लेकिन श्रीराम के प्रिय भक्त हनुमान जी को समर्पित यह मंदिर रामभक्ति का एक अनूठा रूप दशार्ता है। मान्यता है कि श्रीराम के अयोध्या लौटने के बाद हनुमान यहीं निवास करने लगे थे।

देश के इन पर्यटन स्थलों पर अवश्य जायें

मिताली जैन

कूर्ग, कर्नाटक

'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाने वाला कूर्ग पश्चिमी घाट की गोद में दक्षिणी कर्नाटक में स्थित एक छोटा सा हिल स्टेशन है। यह जगह अपने कॉफी बागानों से लेकर मौसम, खूबसूरत गांव और वॉटरफॉल आदि के लिए प्रसिद्ध है। यहां के नागरहोल नेशनल पार्क और तलकवेरी वन्यजीव अभयारण्य में वनस्पतियों और जीवों की विविधता है। यदि आप दैनिक जीवन की एकरसता से बचकर प्रकृति के करीब जाना चाहते हैं तो यह एक आदर्श स्थान है।

खज्जियार, हिमाचल प्रदेश

खज्जियार को आमतौर पर 'भारत के मिनी स्विट्जरलैंड' के रूप में जाना जाता है। यहां के घने जंगल, हरी घास के मैदान और सुंदर बर्फ से ढकी पहाड़ की जगहें प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान हैं। अगर आप एंडवेचर्स एक्टिविटी करना पसंद करते हैं तो जॉबिंग, ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग और घुड़सवारी का आनंद यहां पर ले सकते हैं। यहां पर कलातोप वन्यजीव अभयारण्य है जो विदेशी वनस्पतियों और जीवों के लिए घर है। इसके अलावा 12 वीं शताब्दी का खज्जी नागा मंदिर और खज्जियार झील यहां का प्रमुख आकर्षण है।

पिथौरागढ़, उत्तराखंड

उत्तराखंड के पूर्वी जिले में स्थित, पिथौरागढ़ में प्राकृतिक सुंदरता, उच्च ऊंचाई वाले घास के मैदान और कुछ ऐतिहासिक आकर्षण हैं। यह कैलाश और मानसरोवर के पवित्र मंदिरों के लिए ट्रेक का शुरूआती बिंदु है। और, नंदादेवी, नेपाल के अप्पी और पंचाचूली की शक्तिशाली चोटियों के मनोरम दृश्य इस जगह से स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। पर्यटक स्थलों में से पिथौरागढ़ किला, असकोट अभयारण्य काफी फेमस है। यह अभयारण्य कई प्रकार की वनस्पतियों और जीवों और काफनी ग्लेशियर ट्रेक की एक विस्तृत श्रृंखला का घर है।

मुन्नार, केरल

अपनी चाय और मसाले के बागानों के लिए प्रसिद्ध हिल स्टेशन मुन्नार में प्रकृति की गोद में कुछ वक्त अकेले के साथ बिताने के लिए एक अच्छी जगह है। यहां पर आप कैम्पिंग, पैरासेलिंग, बर्डवॉचिंग, ट्रेकिंग, वाइल्डलाइफ स्पॉटिंग, फिशिंग, बोटिंग और रॉक क्लाइम्बिंग जैसी कई एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां के कुछ टूरिस्ट आकर्षणों में इको पॉइंट और कुंडला झील शामिल हैं।

स्पीड न्यूज

सुरभि शाखा ने बाराद्वारी अटल पार्क में लगाये पौधे

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा ने शुक्रवार को पर्यावरण बचाओ कार्यक्रम के तहत बाराद्वारी अटल पार्क में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सात फल और छायादार पौधारोपण किया। कार्यक्रम संयोजिका मेघा जैन और अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। पर्यावरण की रक्षा करने के लिए उन्होंने पेड़ों को कटने से बचाने तथा हर उत्सव पर एक पौधा लगाने की बात कही। इसे सफल बनाने में सचिव पायल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, डॉ रुचिता, मेघा जैन, श्रुति अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल का योगदान रहा।

एसजेएमडीसी ने दिये 20 महिलाओं को लघु ऋण

जमशेदपुर। भारतीय विपणन विकास केंद्र (सीबीएमडी) से संबद्ध स्वावलंबी झारखंड माइक्रोवेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर के द्वारा सेंटर के निदेशक अशोक गोयल एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय सह प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा के हाथों 20 महिलाओं के बीच लघु ऋण वितरित कर आठ लाख रुपये दिया गया। इस दौरान निदेशक अशोक गोयल ने महिलाओं को इस लघु ऋण की राशि का सदुपयोग करते हुये इसे अपने व्यवसाय में लगाने या नये व्यवसाय प्रारंभ करने की सलाह दी गयी। उन्होंने कहा कि इस लघु ऋण की राशि को व्यवसाय के माध्यम से अपने आपको आत्मनिर्भर बनाकर और अधिक सबल बनायें और अपने परिवार की आर्थिक ममद कर करें। कार्यक्रम में घनश्याक दास, मुकेश कुमार, देव कुमार, आदर्श सिंह आदि उपस्थित थे।

बहडागोड़ा के प्रथम विधायक मुकुंद की 20वीं पुण्यतिथि मनी

जादूगोड़ा। अविभाजित बिहार में 1952 में पूर्वी सिंहभूम जिले के बहडागोंडा से प्रथम विद्यालय स्वर्गीय मुकुंद राम ताती का आज शुक्रवार को जादूगोड़ा से सटे मानपुर में 20वीं पुण्य तिथि मनायी गयी। इधर मानपुर स्थित दबाकी में कार्यक्रम आयोजित की, जहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर उनके बताए रास्ते पर चलने का लोगों ने संकल्प लिया गया। इसके पूर्व मुकुंद राम ताती अमर रहे के नारों से पूरा मानपुर गांव गूंज उठा।

उदय हयात की पुस्तक चौखट पे बाजार लोकार्पित

जमशेदपुर। डॉ उदय हयात का नया गजल संग्रह 'चौखट पे बाजार' भोजपुरी भवन गोलमुरी में अरविंद विद्रोही की अध्यक्षता में लोकार्पित हुई। अशोक शुभदर्शी ने गजलकार पर बोलते हुये उदय हयात को जमीनी गजलकार कहा। शैलेन्द्र अस्थाना ने कहा कि गजल में व्यंग्य का शोर आक्रोश से उत्पन्न होता है जो कवि अपने भीतर दबा के रखता है।दिवयेन्दु त्रिपाठी ने उदय हयात की गजलों के नयापन और जनवादी तेवर की प्रशंसा की। मौके पर डॉ संध्या सिन्हा, वीणा भारती, माधवी उपाध्याय, प्रो हरेन्द्र प्रताप सिंह, काशी नाथ प्रजापति, मामचंद अग्रवाल, बलविंदर सिंह, मनीष कुमार, कैलाश गाजीपुरी, अजय मेहताब, रमेश हंसमुख, अजय प्रजापति, राजदेव सिन्हा, सविता सिंह मीरा, हरिहर राय चौहान एवं कई अन्य उपस्थित थे।

एक दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया

डीजीएमएम के अधिकारियों से खान सुरक्षा व नयी तकनीक की ली जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को खान सुरक्षा महानिदेशालय के कार्यक्रम में शामिल होने धनबाद पहुंचे केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि आज देश में माइनिंग सेक्टर बढ़ रहा है। नई नई टेक्नोलोजी आ रही है। टेक्नोलोजी का उपयोग करके श्रमिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है और उनका स्वास्थ्य भी सुनिश्चित करना है। इन दोनों दिशाओं में काम चल रहा है। माइंस सेक्टर में कई नये उपकरण चालू किये गए है। आज इसे सर्टिफाई करने और डीजीएमएस के अधिकारियों के नॉलेज बिल्ड करने के उदेश्य से धनबाद पहुंचा हूं। डीजीएमएस कार्यालय में अधिकारियों के साथ खान सुरक्षा, नई तकनीक आदि को लेकर समीक्षा बैठक भी गई है। डीजीएमएस के कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही कहा कि माईनिंग क्षेत्र में नयी तकनीक के उपयोग के साथ श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि माइंस में काम करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य की भी चिंता केंद्र सरकार कर रही है। उनके स्वास्थ्य के देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए ईएसआईसी अस्पताल खोले जा रहे है। रांची में भी आज 220 बेड के एक अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। इसके अलावा श्रमिकों को आयुष्मान से भी जोड़ा जा रहा है ताकि जिन श्रमिकों का ईएसआईसी अस्पतालों में इलाज संभव नहीं होने की स्थिति में उन्हें आयुष्मान से इसका लाभ मिल सके। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए आउट सौर्सिंग कम्पनीयों में एचपीसी यानी हाई पावर कमिटी के लागू नहीं होने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह डीजीएमएस की जिम्मेवारी है कि राज्य और देश में माइनिंग सेक्टर में काम करने वाले मजदूर की सुरक्षा हो, उन्हें अच्छा वेतन मिले, उनके स्वास्थ्य का देखभाल सुनिश्चित हो।

इसके पूर्व डीजीएमएस के पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री का जोरदार स्वागत किया। मंत्री के साथ बैठकर डीजीएमएस की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने डीजीएमएस कैंपस में पौधारोपण भी किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के समक्ष डीजीएमएस की रेसक्यू टीम ने पूर्वाभ्यास किया।

स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी ज्योति कुमारी पर हमला, हालत गंभीर

- एमजीएम थाना अंतर्गत रुहीडीह आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर की घटना

खबर मन्त्र ब्यूरो

ज्योति कुमारी की फाइल फोटो। और ज्योति कुमारी को एमजीएम से टीएमएच ले जाते उनके परिजन।

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत एमजीएम थाना क्षेत्र के रूहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य केंद्र) की इंचार्ज ज्योति कुमारी पर शुक्रवार की सुबह कुछ अज्ञात हमलावरों ने कुदाल से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हें गंभीरावस्था में टाटा मेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

स्वास्थ्य केंद्र की इंचार्ज ज्योति कुमारी के भाई प्रेम प्रकाश ने बताया कि सुबह के समय तीन से चार लोग अचानक अस्पताल पहुंचे और बिना किसी बात के ज्योति कुमारी पर हमला कर दिया। हमले के दौरान कुदाल से उनके सिर पर वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं। मौके के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने उन्हें तुरंत एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर टीएमएच रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पटमदा के डीएसपी खुद मामले की जांच कर रहे हैं। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग भी इस मामले को अपनी निगरानी में जांच करवा रहे हैं। वह जांच टीम से खबर ले रहे हैं।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ करने में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि ज्योति कुमारी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में ही अपने परिवार के साथ रहती हैं। इस घटना से सभी हतप्रभ हैं। पूर्वी सिंहभूम के सिविल सर्जन डा साहिर पाल ने इस घटना पर हैरानी जतायी है, और कहा है कि पुलिस जांच के बाद ही वह इस मामले को लेकर कोई निर्णय पर पहुंच पायेंगे,क्योंकि इस घटना के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रहने वाले अधिकारियों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। रुरीडीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर को भारत सरकार ने वर्ष 2018 में प्रारंभ किया था। इस योजना के तहत कम आय वाले लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाता है।

ज्योति के आवास पर लगा सीसीटीवी बंद मिला

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में ही ज्योति कुमारी अपने पति एवं परिवार के साथ रहती हैं। घर पर सीसीटीवी भी लगा हुआ है किन्तु पुलिस जब जांच करने पहुंची तो सीसीटीवी बंद मिला। ज्योति कुमारी के पति ने पुलिस को बताया कि कल शाम बिजली कड़कने के चलते उन्होंने सीसीटीवी बंद कर दिया था। इसी तरह समान परिसर में रहने पर ज्योति कुमार की चित्कार सुन कर उनके पति आये किन्तु हमलावरों ने उनको छुआ तक नहीं।

ग्रामीण एसपी ने बताया

जमशेदपुर के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने खबर मन्न्त्र को बताया कि ज्योति कुमारी पर जानलेवा हमला हुआ है। पुलिस बहुत सर्तकता से मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कुछ डार्क प्वाइंट है जिस पर हम ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। **-ऋषभ गर्ग, ग्रामीण एसपी-जमशेदपुर।**

श्रीनाथ विवि की एनएसएस इकाई ने महिलाओं के बीच फ्री सैनिटरी पैड्स बांटे

- पर्याप्त पोषण के लिए महिलाओं को साग-सब्जी का भरपूर सेवन करने की दी सलाह

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर श्रीनाथ विश्वविद्यालय भी प्रतिबद्ध हो चुका है। इस योजना से जुड़कर विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने शानदार पहल की है जिसमें शुक्रवार को ग्रामीण महिलाओं के बीच फ्री सेनेटरी पैड्स का वितरण किया गया है इसके साथ ही आसपास के तिलरा और इंटागढ़ जैसे गांव में महिलाओं और बच्चों में पोषण स्तर को सुधारने के लिए भी विश्वविद्यालय के छात्र लगातार प्रयास कर रहे हैं इसके लिए उन्होंने ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। पोषण पखवाड़ा मिशन के तहत श्रीनाथ विश्वविद्यालय के छात्रों ने 100 से अधिक घरों का भ्रमण किया और महिलाओं एवं बच्चों को पोषण और स्वच्छता के प्रति जरूरी जानकारी दी।

बालू के अवैध उठाव से जोलो नदी पुल के अस्तित्व पर मंडरा रहा है खतरा

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। गुमला सदर प्रखंड के मुरकुंडा गांव के जोलो नदी पुल से बालू का अवैध उठाव बदस्तूर जारी है। बालू माफिया ने जोलो नदी पुल के नीचे से बालू का उठाव कर पुल के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। जिस गति से बालू का उठाव पुल के नीचे से किया जा रहा है आने वाले दिनों में करोड़ों रुपए से बना यह पुल क्षतिग्रस्त हो जाएगा और गुमला-बसिया मुख्य मार्ग पर आवागमन भी बाधित हो जाएगा। जोलो नदी पुल निर्माण के लिए क्षेत्र की जनता ने लंबा संघर्ष किया था। तब जाकर सरकार की स्वीकृति के बाद उसका निर्माण हुआ था। वर्तमान में बने पुल से पहले जोलो नदी में बना फुल बारिश के तेज बहाव में बह गया था और लोगों की आशाएं उस वक्त धराशाई हो गई थीं। लेकिन ग्रामीणों ने लगातार प्रयास व संघर्ष किया तब जाकर पुल का निर्माण कार्य पूरा हुआ था। अब बालू माफिया बालू उठाव कर फिर से पुल के अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं। जोलो नदी पुल के नीचे से प्रतिदिन 70 से 80 ट्रैक्टर बालू का अवैध उठाव किया जा रहा है। जिसे रोकने की दिशा में ना तो प्रशासन सकारात्मक कार्रवाई कर रहा है और ना ही क्षेत्र के लोगों की ओर से कोई पहल हो रही है। जिला खनन टास्क फोर्स भी अपने दायित्व का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रही।

पोटका में 12.95 करोड़ की लागत से 9 सड़कों का होगा कायाकल्प, विधायक ने किया भूमि पूजन

- पोटका का विकास मेरा संकल्प, बेहतर सुविधा देना मेरी प्राथमिकता : संजीव सरदार

खबर मन्त्र ब्यूरो

सड़क का शिलान्यास करते विधायक संजीव सरदार।

जमशेदपुर/पोटका। पोटका प्रखंड क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ी पहल हुई है। क्षेत्र की 9 जर्जर सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 12.95 करोड़ रुपये की लागत की स्वीकृत मिलने के बाद स्थानीय विधायक संजीव सरदार ने सभी नौ सड़कों का भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया।

विधायक संजीव सरदार ने कहा, पोटका विधानसभा की जनता को अच्छी और सुगम सड़क सुविधा उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है। मैंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर इन सड़कों के पुनर्निर्माण के लिए अनुशंसा की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकृति प्रदान की और ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। विधायक ने जानकारी दी कि अगले दो वर्षों में कुल 250 सड़कों का कायाकल्प 12 चरणों में किया जायेगा।

आरवीएस अकादमी में वार्षिक पुरस्कार समारोह धूमधाम से मना

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। डिमना रोड, मानगो जमशेदपुर में आरवीएस अकादमी के वृहत प्रांगण में 24वां वार्षिक पुरस्कार समारोह अत्यंत उत्साह एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस भव्य समारोह में विद्यालय के चेयरमेन बिंदा सिंह, सचिव भरत सिंह, कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, कार्यकारी समिति के सदस्य शक्ति सिंह, मुख्य अतिथि डॉ साहिर पाल, जिला सिविल सर्जन कम सीएमओ, पू. सिंहभूम अध्यक्ष, झारखंड स्टेट मेडिकल काउंसिल, स्पेशल अतिथि धिरेन्द्र प्रताप सिंह, राजनीतिज्ञ एवं समाज सेवक फतेहपुर उत्तर प्रदेश, विद्यालय की प्रधानाचार्या वीशा मोहिंद्रा, उप प्रधानाचार्या पूजा सुमन, को-ऑडिनेटर्स, अभिभावकगण एवं छात्र सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एक नजर में

सोनुवा में शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंचे सांसद और विधायक

सोनुवा। पश्चिम सिंहभूम के सोनुवा प्रखंड अंतर्गत गुदड़ी के समाजसेवी अरविंद बरजो के पिता मानसिद्ध बरजो के निधन विगत 17 अप्रैल को चाईबासा में हो गया। वे 92 वर्ष के थे। इस इलाके के वे अच्छे शिक्षक के रूप में जाने जाते थे और उनके बड़े पुत्र भी सरकारी शिक्षक से सेवानिवृत्त हुए हैं। निधन की खबर पाकर सिंहभूम की सांसद जोबा माझी व विधायक जगत माझी उनके सोनुवा स्टेशन स्थित आवास पहुंच कर अंतिम दर्शन करते हुए शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। अरविंद बरजो ने बताया कि विगत 17 अप्रैल गुरुवार को अचानक तबियत बिगड़ने के कारण वे चाईबासा बहन के घर पहुंच थे जहां दोपहर को पिता का निधन हो गया। शुक्रवार को अंतिम संस्कार गोंडासाई स्थित कब्रिस्तान में किया गया। अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने वालों में गुदड़ी की पूर्व जिला परिषद सदस्य आइलिना बरजो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुनील बुढ़, 20 सूत्री प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष रोलेन बरजो समेत काफी लोग शामिल थे।

महिलाओं ने किया बंद पड़े गोपाल ऑयल मिल पर कब्जा, पुलिस ने खदेड़ा

गम्हरिया। गम्हरिया प्रखंड के छोटा गम्हरिया स्थित बन्द पड़े गोपाल आयल मिल में गुरुवार को विद्या महतो समेत तीस-पैंतीस महिलाओं ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। कंपनी में तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने इसकी जानकारी मालिक मनीष गोयल को देने के बाद उन्होंने इसकी शिकायत गम्हरिया पुलिस तथा अंचल अधिकारी को दी। उसके बाद शुक्रवार की दोपहर गम्हरिया पुलिस एवं अंचल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उक्त मिल को अवैध कब्जा से मुक्त कराया। इस दौरान वहां मौजूद महिलाओं द्वारा इसका विरोध किए जाने के पश्चात पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया गया है। बताया जाता है कि यह मिल वर्षों से बंद पड़ा था। इसका फायदा उठाकर कुछ लोगों ने महिलाओं को आगे कर उक्त मिल पर कब्जा जमाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस एवं प्रशासन की सक्रियता से उसे कब्जामुक्त करा लिया गया। इस बावत ऑयल मिल के मालिक मनोज एवं मनीष गोयल ने बताया कि बीते गुरुवार को कुछ महिलाओं ने कंपनी में मौजूद सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर उसकी पिटाई कर जबरन कब्जा जमा लिया था। सूचना पाकर इसकी शिकायत उन्होंने गम्हरिया पुलिस एवं अंचल कार्यालय में की थी।

राजकुमार सिंह के निजी टैंकर से जलापूर्ति शुरू

जमशेदपुर। गर्मी के प्रचंड प्रकोप और पानी की बढ़ती किल्लत को देखते हुए पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने एक सराहनीय पहल की शुरुआत की है। उन्होंने अपने दोनों निजी टैंकरों से बागबेड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में नि:शुल्क पीने का पानी बंटवाना शुरू किया है। इसकी शुरुआत हरहर गुट्टू स्थित दादी बागान से हुई, जहाँ राजकुमार सिंह, वर्तमान जिप उपाध्यक्ष पंकज सिंहा, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर और अगरबत्ती दिखाकर वितरण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने दोनों जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद नया बस्ती रोड नंबर 1, बागबेड़ा में भी पानी वितरण किया गया, जिसमें पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता और उप मुखिया मुकेश सिंह ने शुभारंभ किया। लोगों ने कतार में लगकर संयमित तरीके से पानी प्राप्त किया। राजकुमार सिंह ने जानकारी दी कि यह अभियान पूरे गर्मी भर लगातार जारी रहेगा, और इसके अंतर्गत हरहर गुट्टू, कीताडीह, करनडीह, घाघीडीह जैसे जरूरतमंद इलाकों में नियमित रूप से पानी पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा, रहमारा लक्ष्य है कि किसी भी परिवार को गर्मी के इस मौसम में पीने के पानी के लिए परेशान न होना पड़े।

पांडिचेरी में यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप संपन्न, झारखंड की टीम लौटी

जमशेदपुर। 9 से 16 अप्रैल 2025 तक पांडिचेरी के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित 40 वें यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 में सफलतापूर्वक बेहतर प्रदर्शन के साथ झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन की बालक और बालिकाओं की 32 सदस्यों की टीम जिसमें बालक वर्ग के हेड कोच मोहम्मद आरिफ आफताब, असिस्टेंट कोच किंकर कृष्णा टीम, मैनेजर विशाल दास बालिका टीम के मुख्य प्रशिक्षक निजाम अली, टीम मैनेजर शांत मिश्रा के आज दिनांक 18 अप्रैल 2025 को टाटानगर स्टेशन पर आगमन हुआ। जहां गर्म जोशी के साथ खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत खिलाड़ियों के विशेष सम्मान हेतु जमशेदपुर के कदमा स्थित केरला पब्लिक स्कूल के सभागृह में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के द्वारा किया गया हुआ। सम्मान समारोह के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केरला पब्लिक स्कूल (संगठन) के निर्देशक शरद चंद्रन नायर, विशिष्ट अतिथि के रूप में शहर के जाने-माने शिक्षाविद डॉक्टर के के ओझा, समाजसेवी एवं खेल प्रेमी मुख्तार आलम खान, झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व ओलंपियन हरभजन सिंह, सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षक जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप मुखर्जी ने पूरी टीम के झ खिलाड़ियों का गर्म जोशी से अभिनंदन किया और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में जिनमें मुख्य रूप से साहिल कुमार, प्रत्यूष कुमार, जितेश कुमार और आनंद कुमार को सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि शरद चंद्र नायर ने नगद पुरस्कार और उपहार देकर सम्मानित किया।

जिला समाज कल्याण शाखा के सौजन्य से पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

आमजनों को पौष्टिक आहार की दें जानकारी : अन्नपूर्णा देवी

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। जिला समाज कल्याण शाखा के सौजन्य से पॉलिटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम में पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सह सांसद अन्नपूर्णा देवी शामिल हुईं। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा मुख्य अतिथियों को बुके व पौधा देकर स्वागत किया गया।

तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ. नीरा यादव, उपायुक्त मेघा भारद्वाज, डीएसडब्लूओ कनक कुमारी तिर्की समेत अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वहीं डीएसडब्लूओ ने स्वागत संबोधन

किया एवं कार्यक्रम के विषय पर विस्तार से बताया। वहीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेविका, सहायिका को संबोधित करते हुए कहा कि पोषण पखवाड़ा 2025 के उद्देश्यों जैसे बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर ध्यान, पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार प्रसार, समर कार्यक्रम से समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवन शैली आदि के प्रति जागरूक किया जायेगा। सही पोषण को लेकर जन जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि माताओं के साथ बच्चे भी स्वस्थ रहें। वहीं अन्नपूर्णा देवी ने सभी से अपील की कि पोषण पखवाड़ा में अधिक से अधिक लोग शामिल हों और सही पोषण के लिए जन जागरूकता के लिए कार्य करें। आमजन के बीच पोष्टिक आहार की जानकारी दें। पूरे देश समेत झारखंड राज्य के हर जिलों में पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है, ताकि आमजनों को पोषण के बारे में सही जानकारी दी जा सके। कुपोषण के खिलाफ सामूहिक रूप से लड़ना है और लोगों के बीच सही पोषण देश रोशन का संदेश पहुंचाना है। आंगनबाड़ी केंद्र को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए कार्य किया जायेगा, ताकि उन केंद्रों में पोषण वाटिका, पेयजल, शौचालय, टीवी समेत बच्चों की देखरेख के लिए सभी सामग्री उपलब्ध रहे।

बारिश के बाद बेंगलुरु पर बरसे पंजाब के गेंदबाज

पंजाब ने आरसीबी को पांच विकेट से हराया, नेहाल वढेरा 33 रन बनाकर नाबाद लौटे

बेंगलुरु 95/9 (14 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
साल्ट कै. इंगलिस बो. अर्शदीप	04	04	01	00
कोहली कै. येन्सन बो. अर्शदीप	01	03	00	00
पाटीदार कै. बार्टलेट बो. चहल	23	18	01	01
लिविंगस्टन कै. आर्या बो. बार्टलेट	04	06	01	00
जितेश कै. वधेरा बो. चहल	02	07	00	00
क्रुणाल कै. एंड बो. येन्सन	01	02	00	00
टिम डेविड नाबाद	50	26	05	03
भांडगे एलबीडब्ल्यू येन्सन	01	04	00	00
भुवनेश्वर कै. बार्टलेट बो ब्रार	08	13	01	00
दयाल एलबीडब्ल्यू ब्रार	00	01	00	00
जोश हेजलवुड नाबाद	00	01	00	00

अतिरिक्त : 01

विकेट पतन : 1-4, 2-21, 3-26, 4-32, 5-33, 6-41, 7-42, 8-63, 9-63.

गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 3-0-23-2, जेवियर बार्टलेट : 3-0-26-1, मार्को येन्सन : 3-0-10-2, युजवेंद्र चहल : 3-0-11-2, हरप्रीत ब्रार : 2-0-25-2,

पंजाब 98/5 (12.1 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
आर्या कै. डेविड बो. हेजलवुड	16	11	01	01
प्रभसिमरन कै. डेविड बो. कुमार	13	09	02	00
श्रेयस कै. जितेश बो. हेजलवुड	07	10	00	00
इंगलिस कै. शर्मा बो. हेजलवुड	14	17	02	00
नेहाल वधेरा नाबाद	33	19	03	03
शशांक कै. साल्ट बो. कुमार	01	05	00	00
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	07	02	00	01

अतिरिक्त : 07

विकेट पतन : 1-22, 2-32, 3-52, 4-53, 5-81.

गेंदबाज : भुवनेश्वर कुमार : 3-0-26-2, यश दयाल : 2.1-0-18-0, जोश हेजलवुड : 3-0-14-3, क्रुणाल पंड्या : 1-0-10-0, सुयश शर्मा : 3-0-25-0.

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
दिल्ली	06	05	01	00	10	+0.899
पंजाब	07	05	02	00	10	+0.308
गुजरात	06	04	02	00	08	+1.081
बेंगलुरु	07	04	03	00	08	+0.446
लखनऊ	07	04	03	00	08	+0.086
कोलकाता	07	03	04	00	06	+0.547
मुंबई	07	03	04	00	06	+0.239
राजस्थान	07	02	05	00	04	-0.714
हैदराबाद	07	02	05	00	04	-1.217
चेन्नई	07	02	05	00	04	-1.276

पर्पल कैप
12 विकेट
नूर अहमद
चेन्नई

ऑरेंज कैप
357 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

एजेंसी

बेंगलुरु। बारिश से प्रभावित मुकाबले में पंजाब किंग्स ने धमाकेदार खेल दिखाते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी आरसीबी की अपने घर में हालत खराब रही। आरसीबी टिम डेविड की नाबाद 50 रनों की पारी की मदद से निर्धारित किए 14 ओवरों के खेल में जैसे-तैसे 95 रन का स्कोर खड़ा पाई। इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.1 ओवर 98 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स की यह 7 मैचों में 5वीं जीत है। वहीं आरसीबी को इस सीजन तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी को ये तीनों हार अपने घर में मिली है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में बारिश के कारण यह मैच देर से शुरू हुआ था। मुकाबले में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गेंदबाजी में पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में विकेट लेकर अपनी टीम को धमाकेदार शुरूआत दिलाई। पहले ओवर में विकेट के बाद तो फिर आरसीबी की हालत खराब हो गई।

पंजाब ने संभल कर की बल्लेबाजी

बैक टू बैक दूसरे लो स्कोरिंग मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने आरसीबी के खिलाफ संभलकर अपनी शुरूआत की। पंजाब को सिर्फ 96 रन का टारगेट मिला था, लेकिन इसके बावजूद ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य हड़बड़ी दिखाते हुए अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर भी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। एक समय पंजाब किंग्स की टीम 54 रन के स्कोर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गई थी, लेकिन निहाल बढ़ेरा सुयश शर्मा के खिलाफ बड़े शॉट खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया। टीम के लिए

निहाल बढ़ेरा ने नाबाद 33 रनों की पारी खेली थी। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 3 चौके भी लगाए। इसके अलावा जोश इंग्लिस ने 17 गेंद में 14 रनों का योगदान दिया। वहीं ओपनिंग करने उतरे प्रियांश आर्य ने 11 गेंद में 16 रनों की पारी खेली जबकि प्रभसिमरन की पारी 13 रन पर समाप्त हुई। वहीं अंत में मार्कस स्टोइनिस 7 रन बनाकर मैच को फिनिश किया।

डेविड ने बचाई आरसीबी की लाज

पंजाब किंग्स के खिलाफ एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में एक तरफ आरसीबी के बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर रही थी तो दूसरी ओर टिम डेविड ने अकेले मोर्चा संभालते हुए टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। टिम डेविड ने तेज तर्रा बैटिंग करते हुए 26 गेंद में 50 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के भी लगाए। टिम डेविड के अलावा आरसीबी के लिए और कोई भी खिलाड़ी कमाल नहीं दिखा सके। टिम डेविड के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ही एक ऐसा बल्लेबाज रहे जो दहाई के आंकड़े को पार किया। रजत पाटीदार ने 18 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके इसके अलावा विराट कोहली समेत और कोई भी खिलाड़ी दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाए। यही कारण है कि आरसीबी की टीम पंजाब के खिलाफ 100 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाई।

चोटिल गुरजपनीत की जगह ब्रेविस को टीम में किया शामिल

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स में बड़ा बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने चोटिल युवा तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल किया है। आईपीएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष मैचों के लिए चोटिल गुरजपनीत सिंह के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को अनुबंधित किया है। वह 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके का हिस्सा बनेंगे। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस इस सत्र से पहले हुई मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे।

दिल्ली-गुजरात के बीच शीर्ष स्थान के लिए मुकाबला

अहमदाबाद : डैथ ओवरों में गेंदबाजी का मिचेल स्टार्क का हुनर और मोहम्मद सिराज की सटीकता का सामना होगा जब शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस आइपीएल में श्रेष्ठता के मुकाबले में शनिवार को आमने सामने होंगी। कैपिटल्स छह मैचों में 10 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि टाइटंस छह मैचों में आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराकर दिल्ली के हौसले बुलंद है। दिल्ली ने एक बार फिर दबाव में जीत दर्ज की और उसके शिल्पकार रहे स्टार्क। उनके सामने अब गुजरात टाइटंस के शीर्षक्रम पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी होगी जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साइ सुदर्शन, जोस बटलर शामिल हैं। अब तक इन तीनों ने बल्लेबाजी का दारोमदार संभाल रखा है।

राजस्थान को लखनऊ के खिलाफ जीत की जरूरत

एजेंसी

जयपुर। प्रदर्शन में निरंतरता के लिए जूझ रही राजस्थान रॉयल्स लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में लगातार तीन हार के सिलसिले को तोड़ने के इरादे से उतरेगी। सात मैचों में महज दो जीत के बाद रॉयल्स तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में हराया था। रॉयल्स को इस हार को भुलाकर अब ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ टीम पर जीत के साथ अंकतालिका में अपनी स्थिति बेहतर करनी होगी। गेंदबाजी और बल्लेबाजी में निरंतरता के अभाव से जूझ रही रॉयल्स टीम लय नहीं पकड़ पाई है। कप्तान संजू सैमसन पिछले मैच में बाजू में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं। रॉयल्स की बल्लेबाजी अभी तक नाकाम रही है और मध्यक्रम दबाव में चल नहीं पाया है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने हालांकि बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं लेकिन देखना होगा कि क्या वे इस लय को कायम रख पाते हैं। उनके और जायसवाल के फॉर्म पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

रॉयल्स के बल्लेबाजों का सामना शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाजों से होगा। रियान पराग और ध्रुव जुरेल भी खास योगदान नहीं दे पाए हैं।

धर्मशाला में देश भर से चार हजार खिलाड़ी करेंगे शिरकत

धर्मशाला। नेशनल मास्टर्स गेम्स 2025 का आयोजन इस बार धर्मशाला में हो रहा है। यह पहला मौका जब इन खेलों का आयोजन हिमाचल में किया जा रहा है। खेल नगरी धर्मशाला में मास्टर्स गेम्स 20 से 26 अप्रैल तक किया जा रहा है। नेशनल मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के निदेशक विनोद कुमार ने शुक्रवार देर शाम धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस दौरान देश भर से करीब साढ़े चार हजार खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि मास्टर्स गेम्स के दौरान करीब 24 विभिन्न प्रतिस्पधाओं में नौजवान और बुजुर्ग खिलाड़ी दम खम दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि यह पहला मौका है जब हिमाचल में मास्टर्स गेम्स का आयोजन हो रहा है। इससे पूर्व पिछले वर्ष मास्टर्स गेम्स का आयोजन गोवा में हुआ था। उन्होंने बताया कि गेम्स को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अल्कराज क्वार्टरफाइनल में, जिरे को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुये बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गये मुकाबले में उन्होंने सर्बिया के लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया। वर्ल्ड नंबर-2 अल्कराज ने मुकाबले की शानदार शुरूआत करते हुए पहले सेट में जिरे को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इस सेट में जिरे एक भी विनर नहीं लगा सके, जबकि अल्कराज ने 8 विनर जमाए। दूसरे सेट में जिरे ने वापसी की कोशिश की और 4-2 की बढ़त भी बना ली। हालांकि इसके बाद अल्कराज ने लय पकड़ते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट के साथ मुकाबला भी अपने नाम किया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 4-2 से पिछड़ने के बाद मैंने अपनी असली टेनिस खेली। खुशी है कि सही वक्त पर अपना स्तर बढ़ा सका। उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह खेल जारी रखूंगा। अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-7 एलेक्स डी मिनाउर या ब्रिटेन के जैकब फर्नले में से किसी एक से होगा।

फोकीना ने रुब्लेव को चौंकाया

दूसरी ओर, स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकीना ने वर्ल्ड नंबर-8 आंद्रे रुब्लेव को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। छह मुकाबलों में यह पहली बार था जब डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को शिकस्त दी। उन्होंने पहले सेट में तीन बार ब्रेक हासिल किया और दूसरा सेट भी शानदार अंदाज में 5-4 की बढ़त के बाद बिना कोई पॉइंट गंवाए मैच अपने नाम कर लिया। एक अन्य मुकाबले में रूस के कारेन खाचनॉफ ने स्पेन के जौमे मुनार को 7-5, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। खाचनॉफ अब डेविडोविच फोकीना से भिड़ेंगे।

महिला खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है डब्ल्यूपीएल : स्मृति

एजेंसी

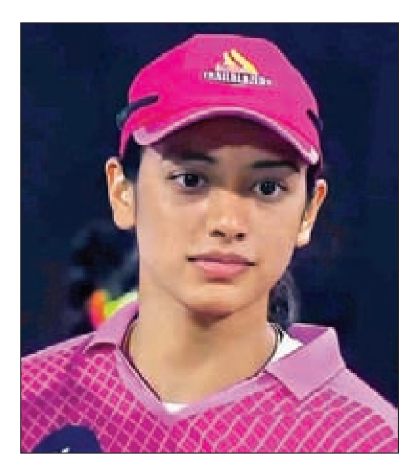

नयी दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए काफी काम किया है और पुरुषों की इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है। मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने WPL खिताब अपनी झोली में डाला था जो आरसीबी की कैबिनेट में एकमात्र ट्रॉफी है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की इस स्टार क्रिकेटर का कहना है कि अभी तो डब्ल्यूपीएल के तीन चरण ही खेले गए हैं लेकिन इसका असर घरेलू क्रिकेट और लड़कियों पर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा, अंडर-19 टीम की खिलाड़ियों में बड़ा बदलाव आया है, उन्हें इतनी सारी चीजें पता हैं जो हम अपने दिनों में नहीं जानते थे। इसलिए लीग के आने से काफी विकास हुआ है। अब टीवी पर भी महिला क्रिकेट का प्रसारण होता है, सब भारतीय महिला टीम को जानते हैं। बीसीसीआइ ने पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए बहुत काम किया है। मंधाना ने दुबई में सिटी क्रिकेट अकादमी के लांच के मौके पर चुनिंदा मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा, पिछले तीन वर्षों में WPL किस तरह से आगे बढ़ा है, इसे देखने के लिए कितनी सारी लड़कियां आ रही हैं, आप स्पष्ट बदलाव देख सकते हैं। छोटी छोटी लड़कियां भी हमारे पास आ रही हैं और वे क्रिकेटर बनना चाहती हैं जो बहुत अच्छी चीज है। काफी माता-पिता अपनी बच्चियों को अकादमी में भेज रहे हैं ताकि वे डब्ल्यूपीएल में खेल सकें। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट अब लोकप्रिय हो रहा है। टी20 क्रिकेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए डब्ल्यूपीएल भी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रहा है। डब्ल्यूपीएल उसी तरह काम कर रहा है जैसा आइपीएल ने पुरुष क्रिकेट के लिए किया था। घरेलू क्रिकेट पर भी इसका असर दिख रहा है, लड़कियां डब्ल्यूपीएल खेलकर भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना चाहती हैं। मंधाना काफी समय से खुद की अकादमी बनाने पर विचार कर रही थीं लेकिन अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण ऐसा नहीं कर पा रही थीं। फिर इस बारे में असम के पूर्व क्रिकेटर और ब्रिटेन में बसे मशहूर कोच डॉन भगवती से भी उनकी बातचीत हुई जिन्होंने लीस्टर में बहुत साल पहले अपनी अकादमी शुरू की थी। अब दुबई के बाद भगवती की योजना भारत में भी इसी तरह की अकादमी शुरू करने की है। अकादमी में युवा प्रतिभाओं को तराशने में डॉन की पत्नी का अनुभव भी काम आता है जो इंग्लैंड की क्रिकेटर रह चुकी हैं। मंधाना ने इस अकादमी में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में कहा, ह्यहम अकादमी में महिला क्रिकेट के विकास पर ध्यान लगाना चाहते थे कि सिर्फ उनके कौशल ही समग्र विकास पर ध्यान दिया जाये।

हंपी की शानदार जीत, दिव्या की दमदार वापसी

एजेंसी

पुणे। फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुकाबला बराबरी पर छूटा।

दिव्या की 70 चालों तक चली जंग

दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी और अंत में डबल किश्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मेलिया सलोमे को हराया। इस जीत के साथ दिव्या भी अंक तालिका में शीर्ष की ओर पहुंच गई हैं।

हंपी की सटीक रणनीति, पोलिना को किया परास्त

इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू हुए इस मुकाबले में हंपी ने पोलिना के खिलाफ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना की एक चूक ने हंपी को बढ़त दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए प्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किश्ती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हंपी ने बाजी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हंपी ने इसे आरामदायक खेल बताया।

हरिका- वैशाली का मुकाबला रोमांचक ड्रॉ

अखिल भारतीय भिड़ंत में द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू आमने-सामने थीं। ग्रुनफेल्ड बचाव से शुरू हुए इस मुकाबले में हरिका ने लंबे समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन वैशाली ने धैर्य नहीं खोया। 34वीं चाल के बाद हरिका कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सकीं और खेल बराबरी पर समाप्त हुआ।

अंक तालिका में कड़ी टक्कर

चीन की झू जिनर इस समय 3.5 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे आगे हैं। हम्पी और दिव्या दोनों ही जिनर से केवल आधा अंक पीछे हैं। शुक्रवार को हम्पी और हरिका के बीच एक अहम अखिल भारतीय मुकाबला खेला जाएगा, वहीं दिव्या पोलिना से भिड़ेंगी।

महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में आठवें स्थान पर रहीं श्रीयंका

लीमा। पेरिस ओलंपिक निशानेबाज श्रीयंका सदांगी यहां आइएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं। वह इस डबल लेग वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गयीं, लेकिन स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गयीं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। फाइनल में श्रीयंका ने अपने पहले प्रयास में 10 .5 के साथ अच्छी शुरूआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिश की ओर बढ़ना शुरू हुआ, श्रीयंका हारती गयीं।

केंद्रीय खेल मंत्री से रांची के पारा थ्रो बॉल के खिलाड़ियों ने की मुलाकात

रांची। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को रांची में खिलाड़ियो से मुलाकात किये। साथ ही साथ श्री मंडाविया ने पारा खेल की जानकारी ली। पारा थ्रो बॉल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त करने के लिए दोनों वर्ग के मुकेश कंचन, सनोज महतो, पवन लकड़ा, मुकेश कुमार, राजेश मेहता, महिमा उरांव, अनीता तिर्की, पुष्पा मिंज, तारामणि लकड़ा, प्रतिमा तिर्की, असुंता टोप्पो, संजुक्ता एक्का इन सभी एशियन खिलाड़ीयों को खेल मंत्री ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित किया ।

भूटान की टीम रांची पहुंची

रांची। भूटान की टीम सेफ गेम 2025 के लिए शुक्रवार को रांची पहुंची। जो होने वाली एथलेटिक्स की प्रतियोगिता में रांची में रहकर तैयारी करेगी तथा यहां की मौसम के अनुसार अपने आप को ढालेंगे। भूटान देश के आठ सदस्य एथलेटिक्स टीम की अगुवाई झारखंड एथलेटिक्स संगठन के कार्यकारी सचिव प्रभाकर कुमार वर्मा, रामप्रसाद, शिवरमन, विनोद कुमार आदि ने की।

शपथ पत्र

मैं, परमेश्वर प्रसाद, पिता स्व. सोहर यादव, निवास स्थान ग्रा-दुमूहान, पो.-लालपुर, थाना-कौंवाकोल, जिला-नवादा, राज्य बिहार, वर्तमान पता- अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी, पो.- अरगोड़ा, थाना अरगोड़ा, जिला रांची। झारखंड का निवासी हूँ। शपथ पूर्वक ब्यान करता हूं कि :-

1. यह है कि मैं भारतीय नागरिक हूँ ।
2. यह है कि मैं उपरोक्त पते का निवाती हूँ।
3. यह हैकि मेरी पुत्री का सही नाम शिवांगी कुमारी है जिनका सही जन्म तिथि शिक्षा प्रमाण पत्र में 25-04-2007 ई० दर्ज है।
4. यह है कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड नं०- 2225 7880 0647 में जन्म तिथि- 11.05.2005 ई० दर्ज है जो कि गलत है।
5. यह है कि मेरी पुत्रों के आधार कार्ड में नाम - सुषमा कुमारी दर्ज है ।
6. यह कि मेरी पुत्री शिवांगी कुमार तथा आधार कार्ड मैं सुषमा कुमारी है जो कि दोनों नाम मेरी पुत्री का नाम है। तथा दोनों नाम से जानों एवं पहचानी जाती है जो कि दोनो नाम एक ही व्यक्ति, महिला का नाम है।
7. यह है कि मैं यह शपथ पत्र अपनी पुत्री के आधार कार्ड, में सही नाम- शिवांगी कुमारी दर्ज करवाने हेतु दे रहा हूँ।
8. यह है कि उपर वर्णित सभी बातें मेरे जानकारीं मे सत्य एवं सही है ।

स्पीड न्यूज

असंतुलित कार घर में जा घुसी, छह लोग घायल

गोड्डा। बोआरिजोर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्जाचौकी - बोआरीजोर मुख्य मार्ग के श्रीपुर बाजार के समीप एक कार असंतुलित होकर गांव में जा घुसी। वहीं कार का नंबर जेएच 04 एसी 4585 है जो सड़क के किनारे विजय साह नामक व्यक्ति के घर में घुस गयी। वहीं बरामदे पर बैठे छह व्यक्ति कार की टक्कर से घायल हो गये। दुर्घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गाड़ी को कब्जे में लेकर थाना ले आई। दुर्घटना की सूचना पर देर रात श्रीपुर बाजार एवं थाना परिसर में सैकड़ों ग्रामीण जुट गए और जमकर हंगामा किया। जिसके बाद पुलिस ने काफी मशक्कत कर उक्त मामले में समझौता करा कर मामले को शांत किया।

गोड्डा के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष को मातृ शोक

गोड्डा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह समाजसेवी राजेश कुमार झा की माता 80 वर्षीया शैलवाला देवी का निधन गुरुवार को सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वे पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी। वे अपने पीछे दो पुत्र संतोष कुमार झा, राजेश कुमार झा पुत्री अनिता देवी, नमिता देवी व अनिमा देवी सहित भरा पुरा परिवार छोड़ गई। उनके निधन के बाद श्रद्धांजलि देने को लेकर आम से खास लोगों की भीड़ लगी रही। इस दौरान संतोष कुमार सिंह, अंजनी कुमार झा, प्रलय सिंह, कन्हवारा के पूर्व मुखिया परमानंद साह, समाजसेवी पवन कुमार साह, पिक्की कुमार झा, अनिमेष झा, पूर्व जिप सदस्य शियाराम भगत, निखिल कुमार झा सहित दर्जनों गणमान्यों ने श्रद्धांजलि दी।

मुखिया ने किया बकरी का वितरण

बोकारो/कसमार। पशुपालन विभाग की ओर से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए सोनपुरा पंचायत के कई लाभुकों के बीच स्थानीय मुखिया चंद्रशेखर हेम्ब्रम ने बकरा-बकरी का वितरण किया। इस दौरान मुखिया चंद्रशेखर हेम्ब्रम ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देना और किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। विभाग ने लाभार्थियों को स्वस्थ और अच्छी नस्ल के बकरा-बकरी दिए हैं जिससे वे अपनी आजीविका मजबूत कर सकें। हर लाभार्थी को चार बकरियां और एक बकरा दिया गया। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। इससे न सिर्फ लाभार्थियों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। मौके पर पशु चिकित्सा प्रभारी डॉ स्वेच्छा कुमारी सीसी विकास सिंह जितेन्द्र टुडू लालेश्वर प्रसाद यादव सुनील कुमार टुडू लखीराम टुडू झारी मांझी हरी मांझी रमेश मांझी सिमौती देवी श्रीधर मरांडी अशोक कुमार हांसदा आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, बोकारो रेफर

फुसरो। नावाडीह थाना क्षेत्र के फुसरो- नावाडीह मुख्य मार्ग स्थित चपरी शिव मंदिर के समीप बाईक सवार को अज्ञात चार पहिया वाहन धक्का मार फरार हो गया, जिससे असनाटॉड निवासी पल्टु मांझी के पुत्र सुखलाल मांझी (45 वर्षीय) घायल हो गये। बताया जाता है कि सुखलाल मांझी अपनी बाईक को सडक किनारे खडा कर स्वंय वाईक के बगल में खडा था, तभी विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात चार पहिया वाहन ने धक्का मारते हुए फरार हो गया। जिससे सुखलाल जख्मी हो गए और बाईक क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद घायल को स्थानीय लोगो व कुछ समाजसेवीयो ने अनुमंडलीय अस्पताल फुसरो, बेरमो पहुंचाया। जहां पर तत्काल चिकित्सको के द्वारा प्राथमिक उपचार की गई। वही स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए बोकारो रेफर कर दिया गया। चिकित्सको ने बताया कि सुखलाल मांझी के दोनो पैर बुरी तरह से टुट चुका है। साथ ही सिर एवं हाथो में भी चोटे है। इसके पश्चात घटना की सुचना पाकर परिजन भी अस्पताल पहुंचे।

बासुकीनाथ मंदिर में केंद्रीय मंत्री ने की पूजा-अर्चना

आरती करते मंत्री व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। एनडीए गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक दलों में से एक जदयू नेता केंद्रीय पंचायती राज एवं मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह शुक्रवार को धार्मिक नगरी बासुकीनाथ पहुंचे। जहां उन्होंने अपने सहयोगियों संग पूरे श्रद्धा एवं निष्ठा के साथ षोड्षोपचार विधि से बाबा बासुकीनाथ का पूजा अर्चना किया।

मुंगेर सांसद सह केंद्रीय मंत्री भारत सरकार के पूजन क्रिया की अवधि में वैदिक मंत्रोचार से मंदिर परिसर गूंजता रहा। इस दौरान मंदिर की साफ-सफाई एवं सुरक्षा चाक चौबंद नजर आई।

गुड फ्राइडे पर गिरिजाघरों में हुई विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

प्रार्थना सभा में भाग लेते ईसाई धर्मावलंबी

दुमका निज संवाददाता। गुड फ्राइडे के अवसर पर शुक्रवार को जिला के विभिन्न गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। प्रार्थना सभा में ईसाई समुदाय के काफी संख्या में लोगों ने गिरजाघरों में प्रभू यीशू की प्रार्थना की और सुख-शांति की कामना की। गुड फ्राइडे पर सुबह से ही गई चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। साथ ही दुमका शहर के दुधानी स्थित रोमन कैथोलिक चर्च में शाम को क्रूस की उपासना की गई। शहर के अन्य गिरजाघरों में भी प्रार्थना के लिए ईसाई समुदाय के लोगों की भीड़ लगी रही। गुड फ्राइडे मनाने के पीछे का करण है कि ईसा मसीह के विरुद्ध षड्यंत्र रचते हुए तत्कालीन शासकों ने उन्हें यरुशलम में सूली पर लटका कर प्राण दंड दिया था। शुक्रवार को सूली पर लटकाने को यह घटना हुई थी। उनके बलिदान को याद करने के लिए गुड फ्राइडे मनाया जाता हैं। ईसाई समाज के लोग यह मानते हैं कि ईसा मसीह द्वारा पूरे समाज के पापों के लिए बलिदान दिया गया था। आज ही के दिन प्रभू यीशु ने मानव को पाप से मुक्ति दिलाने के लिए स्वयं को बलिदान दिया था एवं सबों के लिए प्रार्थना की थी कि हे पिता मुझे क्षमा करें। इस दिन चर्च में प्रभु यीशु मसीह के अंतिम पलों को दोहराया जाता है। चर्च में प्रार्थना के दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

धर्म सम्मेलन को लेकर दिसोम मांझी थान में हुई बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। दिसोम मांझी थान में 'धर्म सम्मेलन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम' का सफल आयोजन के लिए बैठक शुक्रवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू ने किया।

बैठक में दिसोम मांझी बाबा श्री टुडू ने कहा कि धर्म सम्मेलन 12 मई को आयोजित होगी। उक्त धार्मिक कार्यक्रम से संतालों की धार्मिक, सांस्कृतिक संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तार से बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध धर्म गुरु सोमाय किस्कू, संताली कलाकार सिंगराय सोरेन, लांगतिति किस्कू, कल्पना हांसदा, बनाम राजा नारायण टुडू समेत अन्य स्टार कलाकार शामिल होंगे।

आगे मांझी बाबा ने सभी मरांग बुरू अनुयायी से इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। इस अवसर पर अमर मरांडी ने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पड़ोसी राज्य से भी मरांग बुरू अनुयायी आयेंगे। इस धर्म सम्मेलन में सृष्टि के उत्पति, संतालों का उद्धव और विकास समेत धार्मिक परंपराओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

दुष्कर्म का आरोपी टोटो चालक गिरफ्तार, गया जेल

दुमका। जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आसनसोल पंचायत की रहने वाली 65 साल की विधवा वृद्धा से दुष्कर्म का आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी थाना क्षेत्र के लखीकुंडी निवासी चंदन केशरी है। चंदन महिला को आसनसोल ले जाने की बजाय लखीकुंडी के वाटर पार्क ले गया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। विरोध करने पर पीटा और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस का कहना है कि चंदन ने ही महिला के साथ दुष्कर्म किया था। दिनेश का कसूर इतना था कि उसने महिला को अपने की बजाय दूसरे के टोटो में बैठा दिया।

मासिक अपराध समीक्षा बैठक में दिए गये आवश्यक दिशा निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज जिला पुलिस मुख्यालय के अपने कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अनिमेश नैथानी ने अपने अधीनस्थ पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध समीक्षात्मक बैठक कर उन्हें कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिसमें जिले में बच्चा चोरी के अफवाह और इसकी जांच में त्वरित गति से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

मोटर साइकिल चोर गिरोहों पर कड़ी निगरानी के साथ चेकिंग की व्यवस्था करें जिसमें दुर्घटना से बचाव की कोशिशें हो ।इसके लिए जगह बदल बदल कर चेकिंग करें ।खनन संबंधी अपराध रोकने हेतु खनन पदाधिकारी के साथ अंचल अधिकारी के साथ जमीन संबंधी विवाद को सुलझाएं।

अवैध शराब मादक पदार्थ की बिक्री पर कड़ी नजर रखते हुए इसके व्यवसाय करने वालों का पता लगाकर उसे गिरफ्तार करें, पुलिस निरीक्षक अनुसंधान करता के साथ सहयोग कर जांच कार्य में प्रगति लाएं।

संपत्ति मूलक विवाद में अपराधियों भू माफियाओं अपराधी चरित्र के लोगो पर कड़ी नजर रखें ।महिला और छात्राओं के 112 नंबर पर सहयोग की अपील आते ही त्वरित गति से कार्रवाई करें। लंबित कांडों की जांच में तेजी लाएं आदि अन्य कई तरह के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

ग्रामीणों को मिली पोषण की जानकारी

गोड्डा। ग्रामीण विकास ट्रस्ट - कृषि विज्ञान केन्द्र, गोड्डा के सभागार में पोषण पखवाड़ा एवं मृदा स्वास्थ्य शिविर का कार्यक्रम आयोजित किया गयो वरीय वैज्ञानिक -सह- प्रधान डॉ. रवि शंकर ने प्रगतिशील किसानों को पोषण का महत्व बताते हुए कहा कि मौसमी हरे पत्तेदार सब्जियाँ, रेशे वाली सब्जियाँ एवं फलों का सेवन करने से महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों में आयरन, कैल्शियम, काबोर्हाईड्रेट, प्रोटीन, विटामिन्स एवं खनिज की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है, जिससे कि शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा प्राप्त हो सकती है बच्चों का मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है महिलाओं में खून की कमी को पूरा किया जा सकता है।मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित मात्रा में रासायनिक एवं जैविक खाद खेत में डालने की जानकारी दी प्रगतिशील महिला किसानों, पदाधिकारी एवं कर्मचारी गणो के साथ पोषण जागरूकता रैली भी निकाली गई कार्यक्रम के अंत में सभी प्रगतिशील किसानों को पोषण को बढ़ावा देने के लिए सब्जी का किट वितरित किया गयो मौके पर डॉ. सूर्य भूषण, बिनिया देवी आदि प्रगतिशील किसान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

प्रभात कॉलोनी के निवासियों ने सीओ से लगाई गुहार

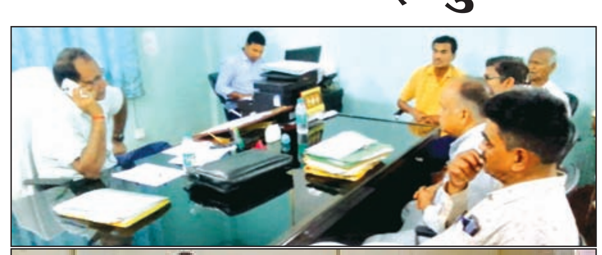

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। सिक्कमी किस्म की जमीन से प्रभावित प्रभात कॉलोनी चास वार्ड 26 के निवासियों ने चास के अंचल अधिकारी दिवाकर दुबे से मिलकर विगत 28 जनवरी 2025 को दिए गए सामूहिक आवेदन पत्र पर हुई कार्रवाई के संबंध में वार्ता की।

इस वार्ता में आम लोगों के अंदर भारी रोष और नाराजगी व्याप्त थी। सभी लोगों ने एक स्वर में लगभग दो माह बीत जाने के बावजूद उक्त समस्या के निदान के लिए अंचल अधिकारी के स्तर से किसी भी तरह की पहल नहीं होने पर भारी नाराजगी जताई। अंचल अधिकारी चास ने उक्त हल्का क्षेत्र के राजस्व कर्मचारी अशोक मिश्रा को बुलाकर पुनः पूरी मामले की गंभीरता से समाधान करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रभात कॉलोनी वासी हरेन्द्र कुमार ने कहा कि अंचल अधिकारी चास ने राजस्व कर्मचारी अशोक मिश्रा को आज निर्देश दिया कि खाता संख्या 177 के खतियान का इंतजाम स्वयं दो दिनों के अंदर करें तथा परिशोधन एप में जमीन के प्रकार में सुधार करने का काम किया जाए। निवासियों ने कहा कि 2- 4 दिनों के बाद पुनः अंचल अधिकारी से मिलेंगे।

नागरिक अधिकार मंच ने जन-सुविधाओं को लेकर पोस्ट मास्टर से की मुलाकात

बोकारो। नागरिक अधिकार मंच के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल के नेतृत्व में बोकारो के सेक्टर 2 स्थित प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर सतीश कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात कर नागरिक सुविधाओं के घोर अभाव का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यहां लोगों को बैठने के लिए बेंच की बहुत कमी है जबकि अधिकतर लोग वरिष्ठ नागरिक ही यहां आते हैं। साथ ही पीने के पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। कहा कि खाता धारकों को बहुत पहले मिले एटीएम कार्ड की वैधता की तिथि समाप्त हो जाने के बाद कई महीनों से नया एटीएम कार्ड नहीं प्रदान किया जा रहा है जिससे खाताधारकों को पैसा निकालने के लिए बहुत देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। खास कर वरिष्ठ नागरिकों को तो बहुत ही मुसीबत हो रही है। पोस्टमास्टर ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए इनके उचित समाधान का भरोसा दिया और अपने ऊपर के सक्षम पदाधिकारियों को भी इससे अवगत कराने की बात कही।

मार्शल आर्ट्स के बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट में डीपीएस बोकारो के 31 विद्यार्थी सफल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो के 31 विद्यार्थियों ने कराटे बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को उनकी दक्षता के आधार पर येलो- ऑरेंज- ग्रीन- ब्लू और पर्पल बेल्ट प्रदान किए गए। विद्यालय की प्राथमिक इकाई के 20 और वरिष्ठ इकाई से 11 छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी श्रेणियों में बेल्ट हासिल की है। सभी प्रतिभागियों को टेंशिनकान कराटे फेडरेशन ऑफ जापान से मान्यता प्राप्त व कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया से स्वीकृत- टेंशिनकान शोतोकान रियू कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी आधिकारिक ग्रेडिंग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डीपीएस बोकारो खेल कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सहयोग से अपने विद्यार्थियों को लगातार कराटे का सघन प्रशिक्षण दे रहा है। उक्त बेल्ट ग्रेडिंग टेस्ट में प्राइमरी विंग से आकृति मिश्रा ने येलो बेल्ट रियांशी चौधरी और मायोन शरव ने ऑरेंज बेल्ट आरुष सिंह आश्वी आद्या आरुष प्रकाश अभिनंदन गुप्ता अचिन्त्य सिंह अर्नव शर्मा और अनिका दास ने ग्रीन बेल्ट प्राप्त किए। वहीं युवान यश ऋद्धिमा चौधरी एन सारवण सद्रु अधिराज झा अथर्व कश्यप और सान्वी ने दो-दो ब्लू बेल्ट भाव्या बिष्ट रेयांश प्रकाश और सिद्दी सुमन ने एक-एक ब्लू बेल्ट तथा सारा हयात ने दो पर्पल बेल्ट हासिल किए। सीनियर विंग से भव्या स्वरूप और तियाशा चटर्जी ने ऑरेंज बेल्ट विहान कुमार और आर्यव शर्मा ने ग्रीन बेल्ट अंजली सिन्हा अंशिका गुप्ता अर्नव झा और शिवानी कुमारी ने दो-दो ब्लू बेल्ट ऋषिता राज शर्मा ने दो पर्पल बेल्ट तथा सयाति सखी ने एक पर्पल बेल्ट प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय में आयोजित एक विशेष एसेंबली के दौरान डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं खेल कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार तथा महासचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक खेदू गोराईं ने प्रमाण-पत्र व बेल्ट के साथ सफल प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया। डॉ गंगवार ने कराटे को आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि यह छात्रों के शारीरिक व मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन और आत्मविश्वास भी पैदा करता है।

बोकारो इस्पात संयंत्र में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

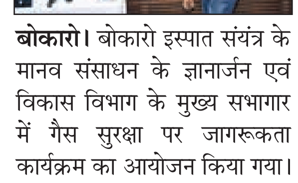

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य सभागार में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयंत्र के सुरक्षा अभियंत्रण तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा निविदा कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग से सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी उपस्थित थे। सहायक महाप्रबंधक-सुरक्षा अभियंत्रण विभाग सुखदेव महतो ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खबर एक नजर में

बीएसएल के आनंदराज, टाटा क्रूसिबल कॉरपोरेट क्विज प्रतियोगिता

बोकारो। देश के कॉरपोरेट सेक्टर के लिए सबसे प्रतिष्ठित एवं अग्रणी माने जाने वाले बिजनेस क्विज टाटा क्रूसिबल कॉरपोरेट क्विज के 21वें संस्करण के उड़ीसा क्लस्टर के फाइनल में बीएसएल के एजीएम -ईडी वर्क्स सचिवालय आनंद राज ने जीत हासिल करते हुए आगामी 11 मई को मुंबई में आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के नेशनल सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उक्त क्विज प्रतियोगिता के प्रीलिम्स का पहला स्तर मार्च महीने में ऑनलाइन आयोजित किया गया था जिसमें पूरे देश से 1.3 लाख से अधिक कॉरपोरेट क्षेत्र के अधिकारियों ने भाग लिया था। टाटा क्रूसिबल कॉरपोरेट क्विज के 21वें संस्करण के ओडिशा क्लस्टर का आयोजन ताज ब्रांड होटल आईएचसीएल राजकुटीर में किया गया जिसमें ओडिशा झारखंड बिहार और छत्तीसगढ़ राज्य से प्रतिभागी शामिल हुए। ओडिशा क्लस्टर के फाइनल राउंड के लिए चयनित 12 प्रतिस्पर्धियों में बोकारो स्टील से प्रबंधक सतर्कता सौम्या खाती वरीय प्रबंधक एचएसएम राहुल पांडा और एजीएम अधिशासी निदेशक-संकार्य सचिवालय आनंद राज शामिल थे। क्लस्टर फाइनल के बाद आनंद राज इस राउंड के चैंपियन बनें और राष्ट्रीय सेमीफाइनल के लिए चुने गए जबकि बोकारो स्टील प्लांट से ही राहुल पांडा ओडिशा क्लस्टर के फाइनल राउंड के उपविजेता बने। नेशनल सेमीफाइनल में अन्य 11 क्लस्टर विजेता भी शामिल होंगे।

गाय तस्करी का भंडाफोड़: ग्रामीणों ने पकड़ा पिकअप ट्रक, तस्कर मौके से फरार

गोड्डा। पथरगामा प्रखंड के मां योगिनी स्थान के समीप शुक्रवार तड़के लगभग 3:00 बजे सुबह ग्रामीणों की सतर्कता से गाय तस्करी का मामला उजागर हुआ। एक संदिग्ध पिकअप ट्रक को ग्रामीणों ने रोका जिसमें आठ गायों को अमानवीय तरीके से बांधकर रखा गया था। गायों की हालत बेहद दयनीय थी और वे लगातार तड़प रही थीं। ग्रामीणों के ट्रक रोकते ही तस्कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने गायों की स्थिति को देखते हुए तुरंत रस्सियों को काटकर उन्हें ट्रक से बाहर निकाला। सभी गायें दुधारू और अच्छी नस्ल की थीं। 8:30 बजे पथरगामा प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन देरी से पहुंचने पर स्थानीय कार्यकताओं ने प्रशासन को फटकार लगाई। प्रशासन ने सभी गायों को जब्त कर पथरगामा थाना पहुंचाया। थाना प्रभारी ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे ड्यूटी से लौटने के बाद वे विश्राम कर रहे थे जिससे सूचना मिलने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही गश्ती दल को भेजकर गायों को थाना मंगवाया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है और थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्री श्री 1008 पांच कुंडिय महारुद्र यज्ञ का शुभारंभ

ठाकुर गंगटी। प्रखंड के मिश्र गंगटी गांव में श्री श्री 1008 पांच कुंडिय महारुद्र यज्ञ को ले गुरुवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा यज्ञ मंडप परिसर से रथ, घोड़ा, गाजे-बाजे, झंडा, बैनर, 1001 कलश यात्रियों के साथ निकली। शोभायात्रा प्रखंड अंचल कार्यालय मार्ग से ठाकुर गंगटी मुख्यालय चौक, बजरंगबली मंदिर, ठाकुर गंगटी शिव मंदिर,दुर्गा मंदिर होते हुए मिश्र गंगटी बाबा राम ठाकुर मंदिर, काली मंदिर की परिक्रमा कर वापस यज्ञ मंडप पहुंची। जहां विधिवत कलश की पूजा अर्चन कर कलश स्थापित किया गया। इस दौरान गाजे बाजे व धार्मिक धुन पर सैकड़ो युवा और श्रद्धालु ताली बजाकर झूमते, नृत्य करते देखे गए।जगह-जगह पर कलश यात्रियों व श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शरबत, नींबू पानी आदि की व्यवस्था की गई थी। हजारों लोगों के मन में धर्म के प्रति इतनी बड़ी आस्था विश्वास कि कड़ाके की धूप में भी लोगों ने धूप को बेअसर कर दिया और करीब चार किलोमीटर तक कलश यात्रा के साथ बेहिचक पैदल यात्रा की।

सीसीएल कर्मी आनन्द वर्मा का हार्ट अटैक से मौत

बेरमो। सीसीएल ढ़ोरी महाप्रबंधक कार्यालय के जीएम सचिवालय मे कार्यरत सह करगली बाजार निवासी आनन्द वर्मा का हार्ट अटैक होने से मौत हुई। जीएम श्री सिन्हा ने कहा आनंद वर्मा व्यवहार कुशल, अनुभवी और कर्मठ कर्मचारी थे। स्टाफ आफिसर इएंडएम गौतम मोहंती ने कहा आनंद वर्मा सबके साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करते थे। ढोरी जीएम रंजय सिन्हा ने स्वर्गीय आनंद नारायण वर्मा करगली बाजार निवासी की पत्नी आशा वर्मा को उनके आवास जाकर ईबीएफ का 1 लाख 25 हजार का चेक दिया तथा आईसीएस का 1लाख 56 हजार 250 रुपए का पेपर दिया, जो आरटीजीएस के द्वारा उनके अकाउंट में जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए बोकारो भेज दिया गया। मौके पर एसओ ईएंडएम गौतम मोहंती, कार्मिक प्रबंधक सुरेश सिंह व सीताराम उड़के, विधायक प्रतिनिधि उत्तम सिंह, यूनियन नेता ब्रज बिहारी पांडेय, शिवनन्दन चौहान, गणेश मल्लाह, विकास सिंह, घीरज पाण्डेय, आर उनेश, विनय सिंह, राजू भूखिया, जवाहरलाल यादव, कैलाश ठाकुर, राकेश कुमार सिंह, उज्जवल मुखर्जी आदि मौजूद थे।

जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन

बेरमो। बेरमो प्रखंड कार्यालय के सभागार में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के द्वारा किशोरियों के लिए दो दिवसीय जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बेरमो व चंद्रपुरा प्रखंड की 20-20 किशोरियां भाग ले रही हैं. काउंसलर सुजाता रानी ने कहा कि किशोरियों को उनके अधिकार व स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देनें के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। किशोरियां अपने साथ होने वाली किसी भी अप्रिय घटना को छिपाये नहीं, परिवार के साथ साझा करें, अपने अधिकारों को जानें। मौके पर किशोरियो को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, महिलाओं के लिए कानूनी अधिकार, व्यक्तिगत सुरक्षा व संरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, एचआइवी, लिंग आधारित हिंसा और भेदभाव आदि के संबंध में जानकारी दी गयी। मौके पर सरिता कुमारी बलजीत कोंसलर, सुषमा कुमारी, डॉ पूजा कुमारी, सुशांत राईका सहित कई लोग मौजूद थे।

हादसे में घायल पाकुड़ के युवक समेत वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

दुमका। जिले के मसलिया थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ और पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के क्रम में दोनों की मौत हो गई। नगर थाना की पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया। जानकारी के अनुसार मसलिया के ठाड़ी गांव का 64 साल का प्रदीप राय कुछ दिन से बीमार चल रहा था। गुरुवार की शाम वह पैदल ही आश्रम मोड़ दवा लेने जा रहा था। इसी क्रम में तेज गति से टैंकर ने उसे ठोकर मार दी। जिसमें वह बुरी तरह से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां रात को उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों ने मसलिया थाना को सूचित किया। लोगों ने पुलिस को बताया कि टैंकर जामताड़ा की ओर भागा है। पुलिस ने जामताड़ा जिले के सभी थाना को सूचित किया। फतेहपुर पुलिस ने चालक समेत टैंकर को पकड़ लिया।

बारात से लौट रहे युवक की मौत : पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र के खरबिंधा गांव के पास गुरुवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 31 साल का रिसीवर मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

स्पीड न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मू से मिले दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्य

नयी दिल्ली। शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन के नेतृत्व में दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी।

यूपी में आंधी-पानी से 10 लोगों की मौत

लखनऊ। अयोध्या,बाराबंकी समेत उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार रात तेज रफ्तार आंधी के साथ वर्षा ने जम कर कहर बरपाया। वर्षा जनित हादसों में दस से अधिक लोगों की जान चली गयी जबकि कई मवेशी भी हताहत हुये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया है कि प्रदेश सरकार उनके साथ है और जान माल की हिफाजत सरकार की प्राथमिकता है।

दिल्ली में नाबालिग की चाकू घोपकर हत्या

नयी दिल्ली। राजधानी के उत्तर पूर्वी जिलान्तर्गत सीलमपुर इलाके में गुरुवार शाम 17 वर्षीय एक नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। नाबालिग पर हमला उस समय हुआ, जब वो घर से दूध लेने के लिए निकला था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया। इस घटना के बाद इलाके से हिंदुओं के पलायन की बात सामने आ रही है। लोगों ने घरों के बाहर ये मकान बिकाऊ है लिखकर पोस्टर चस्पा कर दिए हैं।
यूपी में आंधी पानी ने फिर बरपाया कहर,योगी ने कहा घबरायें नहीं।
सीमा पर हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

अमृतसर में हथियारों का जखीरा बरामद

जालंधर । बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर अमृतसर सीमा पर हथियारों का जखीरा बरामद किया है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर जालंधर के जनसंपर्क अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए, बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने एक विशेष सूचना के आधार पर व्यापक तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में 06 पिस्तौल और 14 मैगजीन बरामद कीं।

इन्वेस्ट यूपी के दफ्तर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में खुलेंगे

लखनऊ। योगी सरकार निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए अब एक नई रणनीति पर विचार कर रही है। इसके तहत योगी सरकार देश के तीन मेट्रो सिटी क्रमशः नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में इन्वेस्ट यूपी के कार्यालयों की स्थापना की तैयारी में है। इसका उद्देश्य निवेशकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ ही प्रदेश की निवेश नीति व उपलब्धियों को प्रस्तुत करना होगा। सरकार के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि उत्तर प्रदेश न केवल एक सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, बल्कि 'विकसित भारत 2047' की दिशा में भी एक सशक्त भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्णय प्रदेश को एक निवेश का हब बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा।

यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता व नाट्यशास्त्र

विश्व में प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण : प्रधानमंत्री

▸▸ गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने दुर्लभ अभिलेखों की अपनी सूची- मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और भरत मुनि का नाट्यशास्त्र को शामिल किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इसकी प्रशंसा की है और इसे दुनिया भर में रह रहे भारतीयों के लिए गर्व की बात बताया है। इसके साथ ही इस सूची में भारत के दर्ज प्राचीन अभिलेखों की संख्या 14 हो गयी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। उन्होंने यूनेस्को के गुरुवार के निर्णय के बारे में संस्कृति मंत्री श्री शेखावत के एक पोस्ट पर टिप्पणी में यूनेस्को के फैसले को भारत के शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मान्यता और भारत के लोगों के लिए बड़े गर्व की बात बताया। मोदी ने लिखा कि समूचे विश्व में प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना हमारे शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मान्यता प्रदान किया जाना है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करना जारी रखे हुए है। शेखावत ने इसे भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए एक

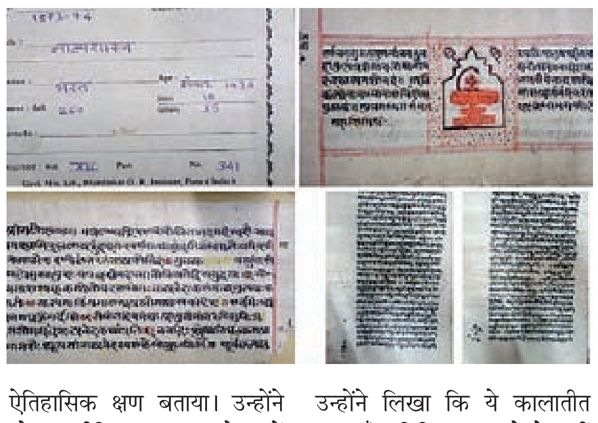

ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को अब यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह वैश्विक सम्मान भारत की शाश्वत बुद्धि और कलात्मक प्रतिभा के लिए हर्ष का अवसर है। उन्होंने लिखा कि ये कालातीत रचनाएँ साहित्यिक खजाने से कहीं बढ़कर हैं - ये दार्शनिक और सौंदर्यवादी आधार हैं जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को आकार दिया है। शेखावत ने कहा कि इसके साथ ही, अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर में शामिल हो गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासतों के संग्रह शामिल करने की घोषणा की। इससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गयी। इस रजिस्टर में पुस्तकों, पांडुलिपियों, मानचित्रों, तस्वीरों, ध्वनि या वीडियो रिकॉर्डिंग सहित दस्तावेजी संग्रह शामिल हैं, जो मानवता की साझा विरासत के साक्षी हैं। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने कहा, ह्लदस्तावेजी विरासत दुनिया की स्मृति का एक आवश्यक तत्व हैं, लेकिन वे (संभालने की दृष्टि से) नाजुक होते है। यही कारण है कि यूनेस्को इनकी सुरक्षा पर काम करता है - इसमें मॉरिटानिया में चिंगुएट्टी के पुस्तकालय या आइवरी कोस्ट में अमादौ हंपटे बा के अभिलेखागार शामिल हैं जो सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करते हैं, और इस रजिस्टर को बनाए रखते हैं जो मानव इतिहास के सबसे व्यापक धागों को रिकॉर्ड करता है।

इस रजिस्टर में शामिल नए संग्रहों में से चौदह वैज्ञानिक दस्तावेजी विरासत से संबंधित हैं। इनमें इताफ अल-महबूब (मिस्र) भी है जो पहली सहस्राब्दी के दौरान खगोल विज्ञान, ग्रहों की चाल, आकाशीय पिंडों और ज्योतिषीय विश्लेषण में अरब दुनिया के योगदान का दस्तावेजीकरण है। यूनेस्को ने इस बार चार्ल्स डार्विन (ब्रिटे), फ्रेडरिक नीत्शे (जर्मनी), विल्हेम कॉनराड रोएंटजेन (जर्मनी) के अभिलेख भी दर्ज किए हैं जिसमें सबसे पहले दर्ज की गई एक्स-रे तस्वीरें हैं । इसी तरह कार्लोस चागास (ब्राजील) के अभिलेख भी हैं जो इस युग में रोगों पर आधुनिक अनुसंधान में अग्रणी थे।

अरविंद श्रीवास्तव बने केंद्रीय राजस्व सचिव

नयी दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह अरविंद श्रीवास्तव को शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा किए गए शीर्ष-स्तरीय नौकरशाही फेरबदल के तहत नया राजस्व सचिव नियुक्त किया गया है। कर्नाटक कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी श्रीवास्तव वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम को व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह मनोज गोविल का स्थान लेंगे। बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी राजित पुन्हानी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। मप्र कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति बोले, यूक्रेन के साथ मिनरल्स की डील साइन करेंगे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमीर जेलेंस्की को लेकर नरम दिखाई पड़ रहे हैं। व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने अपने उपराष्ट्रपति वैंस के साथ मिलकर जेलेंस्की को खरी-खोटी सुनाने वाले ट्रंप ने गुरुवार को अपने पुराने दावे से पीछे हटते हुए कहा कि वह यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की को जिम्मेदार नहीं मानते हैं। वह बस इस बात से चिंतित हैं कि यह युद्ध शुरू हुआ है।

इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही यूक्रेन के साथ एक मिनरल्स की डील साइन करेंगे। व्हाइट हाउस में इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के

साथ हुई मीटिंग के बाद ट्रंप ने मीडिया से बात की। मीडिया के यूक्रेन के मुद्दे पर सवाल पूछने पर ट्रंप ने कहा कि मैं जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं मानता हूं लेकिन मैं इस बात से बिलकुल भी खुश नहीं हूं कि उस क्षेत्र में युद्ध शुरू हुआ.. मैं उसे कोई दोष नहीं दे रहा हूं लेकिन यह जरूर कहूंगा कि उसने जो भी किया मैं उसका कोई बड़ा प्रशंसक नहीं हूं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के सामने दिया ट्रंप का यह बयान इसलिए भी ज्यादा मायने रखता है क्योंकि ट्रंप शुरूआत से ही जेलेंस्की पर हमलावर रहे हैं।

▸▸ यूक्रेन की रक्षा के लिए काम कर रहा है अमेरिका और इटली : मेलोनी

शपथ लेने के बाद ट्रंप ने युद्द के लिए पुतिन को उकसाने का आरोप जेलेंस्की पर मढ़ते हुए उन्हें लाखों मौतों का जिम्मेदार बताया था। वहीं दूसरी तरफ व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ वाक युद्ध लड़कर गए जेलेंस्की ने ट्रंप को यूक्रेन आकर पुतिन द्वारा मचाई गई तबाही को अपनी आंखों से देखने का न्यौता दिया है। वहीं ट्रंप की मीडिया से हुई इस बातचीत के दौरान साथ में मौजूद इटली की प्रधानमंत्री ने कहा कि हम एक साथ मिलकर यूक्रेन की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं, ताकि हम साथ मिलकर एक न्याय पूर्ण और स्थायी शांति का निर्माण कर सकें।

नीतीश कुमार ने महिला संवाद का किया शुभारंभ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को महिला संवाद का शुभारंभ किया। कुमार ने शुक्रवार को एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं एवं कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी दी जाएगी।

भारत और ब्रिटेन रक्षा संबंधों को और अधिक बनायेंगे सशक्त

नयी दिल्ली । भारत और ब्रिटेन ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा के साथ-साथ रक्षा संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश सिंह ने दो दिन की लंदन यात्रा के दौरान वार्षिक द्विपक्षीय रक्षा वार्ता में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। रक्षा सचिव ने लंदन में अपने समकक्ष डेविड विलियम्स के साथ भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह की 24वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की और रक्षा संबंधों को पहले से सशक्त बनाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह चर्चा 2021 में घोषित व्यापक रणनीतिक साझेदारी और 2030 के रोडमैप के संदर्भ में हुई, जो दोनों देशों के बीच सहयोग को विस्तार देगी। रक्षा सचिव ने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल के साथ भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें सैन्य संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहभागिता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

शौर्य दिवस पर 23 अप्रैल को पटना में होगा भव्य एयर शो

▸▸ मुख्यमंत्री ने वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क और जेपी गंगा पथ का किया निरीक्षण

▸▸ 132 जेट विमान आकाश में हैरतगंजेब प्रदर्शन करेंगे

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीद वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में 23 अप्रैल को होनेवाले वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पार्क को पूरी तरह मेंटेन रखें ताकि यहां पर आनेवाले लोगों को सहूलियत हो और वे आनंदित महसूस करें। मुख्यमंत्री ने 23 अप्रैल को शौर्य दिवस पर जेपी गंगा पथ के पास आयोजित होनेवाले एयर शो कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। एयर शो कार्यक्रम को देखने के लिए सभ्यता द्वार के सामने जेपी गंगा पथ पर बैठने की व्यवस्था की जा रही है। यह जगह प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सामने जेपी गंगा पथ अंडरपास से पूरब की तरफ सभ्यता द्वार के नजदीक गंगा नदी के किनारे है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर इंतजाम को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि पटना में पहली बार 23 अप्रैल को शौर्य दिवस पर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम, हॉक-

132 जेट विमान आकाश में हैरतगंजेब प्रदर्शन करेंगे। जेपी गंगा पथ पर लगभग एक घंटा का यह भव्य एयर शो होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

शांति वार्ता के लिए एक माह तक ऑपरेशन रोके छत्तीसगढ़ सरकार

नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी रूपेश ने जारी किया पर्चा, कहा- हत्या रोके

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने पर्चा जारी कर शांति वार्ता के लिए एक महीने तक नक्सल ऑपरेशन रोकने की मांग की है। यह पर्चा नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी रूपेश ने जारी किया है। इस पर्चे में शांति वार्ता को लेकर 8 अप्रैल को दिए गए पहले के बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को धन्यवाद दिया है। इस पर्चे में उत्तर पश्चिम सब जोनल प्रभारी ने कहा कि सुरक्षा की गारंटी देते हुए इस कोशिश को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। पर्चे में आरोप लगाया गया है कि कोशिश का मुख्य उद्देश्य ऑपरेशन कगार के नाम से हो रहे हत्याकांड को तुरंत रोक होना चाहिए। समस्या का हल होना चाहिए ताकि शांति वार्ता के जरिए इसे हासिल किया जा सके। हमारी पेशकश के पीछे और कोई रणनीति नहीं है। जब आप और हम वार्ता के लिए तैयार हैं, तो दोनों ओर से कम से कम अस्थायी तौर पर युद्ध विराम का ऐलान करना लाजमी है। यह शर्त के दायरे में नहीं आता, बल्कि शांति वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने का हिस्सा है। इस पर आप की प्रतिक्रिया की हम प्रतीक्षा करेंगे। नक्सली प्रवक्ता ने कहा है कि समस्या के परिष्कार के लिए, उसे पूर्णरूप देने के लिए, वार्ता में हमारी तरफ से प्रतिनिधित्व करने वाले एक मध्यवर्ती प्रतिनिधिमंडल और हमारे पार्टी के प्रतिनिधियों को तय करने के लिए हमारी केंद्रीय कमेटी एवं स्पेशल जोनल कमेटी के नेतृत्वकारी कामरेडों से मिलना जरूरी है। सरकार से मेरी अपील है कि एक महीने तक शासकीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशनों पर रोक लगाए। मैंने पहले ही हमारे तमाम कामरेडों से प्रेस बयान और विशेष पत्र के जरिए अपील की है कि इस वार्ता के दौर में सरकारी सशस्त्र बलों पर बंदूक नहीं चलाएं, इसलिए आप मेरी बात पर सहमत हों।

छत्तीसगढ़ में हथियार के साथ 33 कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 33 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। शाह ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बल के जवानों और छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई दी है। उन्होंने छिपे हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की है। अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही, सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिससे यह पंचायत पूरी तरह नक्सलमुक्त हो गई है। छिपे हुए नक्सलियों से मेरी अपील है कि मोदी सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपनाकर यथाशीघ्र हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हों।

भारतीय फार्मा कंपनियां अमेरिका में तेजी से कर रही विस्तार

▸▸ कई भारतीय दवा कंपनियों ने कैंसर दवाओं के जेनेरिक वर्जन के लिए यूएस फूड और एफडीए से ली मंजूरी

▸▸ वर्ष 2025 में ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के लिए 7,246 करोड़ के 13 एफडीआई प्रस्तावों को दी गयी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारतीय फार्मा कंपनियां वर्तमान में 145 अरब डॉलर वैल्यू के अमेरिकी ऑन्कोलॉजी जेनेरिक्स बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। यह बाजार सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। यह जानकारी नई रिपोर्ट में दी गई। हाल के महीनों में कई भारतीय दवा कंपनियों ने कैंसर दवाओं के जेनेरिक वर्जन के लिए यूएस फूड और ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) से एप्रूवल प्राप्त किया है, जिससे अमेरिकी बाजार में कॉम्पलेक्स जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं की एंट्री में लगातार वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि ऑन्कोलॉजी वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते सेगमेंटों में से

एक है और भारतीय कंपनियां किफायती मैन्युफैक्चरिंग, तकनीकी विशेषज्ञता और बढ़ती नियामक मंजूरी के जरिए इस उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र में प्रवेश करने की तैयारी कर रही हैं। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह पारंपरिक जेनेरिक दवाओं से अधिक कॉम्पलेक्स फॉर्मूलेशन की ओर बदलाव और भारतीय फार्मा कंपनियों की विकसित होती क्षमताओं को दिखाता है।

वैश्विक बाजारों में सफलता मिलने से भारतीय फार्मा सेक्टर में विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। फार्मास्यूटिकल्स डिपार्टमेंट के अनुसार, भारत के फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइस सेक्टर को अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच 11,888 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ था। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2025 के दौरान ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिससे कुल एफडीआई 19,134.4 करोड़ रुपये हो गई। इस सेक्टर में एफडीआई बढ़ने की वजह केंद्र सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम को माना जा रहा है। इसका उद्देश्य घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात को बढ़ाना है। फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर के लिए 15,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 2021 में शुरू की गई यह योजना कॉम्पलेक्स जेनरिक, बायोफार्मास्युटिकल्स और एंटी कैंसर दवाओं जैसे हाई-वैल्यू उत्पादों पर केंद्रित है। इस योजना का एक अच्छा परिणाम यह है कि इसमें शुरूआती निवेश लक्ष्य से अधिक निवेश हुआ है। प्रस्तावित निवेश 3,938.57 करोड़ रुपये था, जबकि 2024 के अंत तक वास्तविक निवेश 4,253.92 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आंध्र प्रदेश में पेनिसिलिन जी यूनिट और हिमाचल प्रदेश में क्लावुलैनिक एसिड सुविधा जैसे प्रोजेक्ट पीएलआई के प्रमुख लाभार्थियों में से हैं, जिनसे आयात लागत में काफी कमी आने की उम्मीद है।